नई दिल्ली

मंगलवार, 20 मई 2025

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 35
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 42
न्यून. 31

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से जारी यात्राओं की कवायद का हिस्सा, बढ़ाया जवानों का हौसला

सीडीएस और सेनाप्रमुख ने किया सैन्यबलों के अग्रिम ठिकानों का दौरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर और उसके साथ ही पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने के बाद सोमवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैन्यबलों के पश्चिमी सीमा पर मौजूद कई महत्वपूर्ण अग्रिम ठिकानों का दौरा किया। जनरल चौहान सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन के साथ-साथ नलिया एयरफोर्स स्टेशन गए। जबकि सेनाप्रमुख ने राजस्थान के जैसलमेर में लोंगेवाला का दौरा किया। शीर्ष ▶▶शेष पेज 5 पर

सुरक्षा में नहीं लगने दी सेंध

सीडीएस ने पश्चिमी मोर्चे से दुश्मन द्वारा किए गए कई प्रयासों के जरिए भारत की सुरक्षा में सेंधमारी की कोशिश को नाकाम करने के लिए भारतीय बलों द्वारा प्रदर्शित किए गए समर्पण, साहस और प्रतिबद्धता का उल्लेख किया और कहा कि इस दौरान सभी ने सैन्य व्यावसायिकता के उच्च मानकों का पालन किया। साथ ही उन्होंने जवानों को मजबूत सेना की तरह किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए सदैव तैयार रहने ▶▶शेष पेज 5 पर

डेमो के साथ बताया कि कैसे उसकी आकाश मिसाइल सिस्टम, एल-70 एयर डिफेंस गन ने पाकिस्तानी हमलों को नाकाम किया

सेना ने यूं नाकाम की 'स्वर्ण मंदिर' पर पाकिस्तान की मिसाइल, ड्रोन से हमले की कोशिश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए सशस्त्र सेनाओं द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने मिसाइल और ड्रोन से अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी। जिसे भारतीय सेना ने अपनी मजबूत हवाई रक्षा प्रणाली के जरिए तुरंत

नाकाम कर दिया था। यह जानकारी सोमवार को सेना की 15वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल कार्तिक.सी.शेषाद्रि ने दी। साथ ही सेना ने एक डेमो के जरिए यह बताया कि कैसे उसने 7 और 8 मई की दरमियानी रात पाकिस्तानी हमलों को पूरी तरह से विफल कर दिया। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। 22 अप्रैल को टीआरएफ के आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। जिसमें 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक शामिल था। बताते चलें कि पाकिस्तान ने ▶▶शेष पेज 5 पर

स्वर्ण मंदिर का महत्व

पंजाब के अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर सिख धर्म का सबसे पवित्र गुरुद्वारा है। जिसे हरमंदिर साहिब या दरबार साहिब के नाम से भी जाना जाता है। सिखों के चौथे गुरु रामदास जी ने इसकी नींव रखी थी। मूल रूप से यह सिख धर्म में बेहद अहम भूमिका निभाता है। लेकिन दुनिया इसे एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जानती-पहचानती है। यह गुरुद्वारा न केवल सिख धर्म बल्कि उसके साथ-साथ मानवीय भाईचारे और समानता का भी एक बड़ा प्रतीक है। प्रतिदिन यहां लाखों की संख्या में देश-दुनिया से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं।

विदेश सचिव ने सोमवार को विदेश मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति की बैठक में दी यह जानकारी

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम का निर्णय द्विपक्षीय था, ट्रंप की कोई भूमिका नहीं: मिस्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश सचिव विक्रम मिस्री सोमवार को संसद भवन एनेक्सी में हुई विदेश मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। जिसमें उन्होंने पहलगाम हमले के जवाब में किए गए ऑपरेशन सिंदूर और उससे जुड़े भारत-पाकिस्तान संघर्ष के मुद्दे पर सरकार के पक्ष के अलावा मामले से जुड़ी हुई हर छोटी-बड़ी जानकारी तथ्यों के साथ समिति के सामने रखी। सूत्रों ने बताया कि मिस्री ने समिति के सामने सरकार के पक्ष को दोहराते हुए यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव और सीमाओं पर जारी गोलीबारी को रोकने के लिए किए गए संघर्षविराम का निर्णय पूरी तरह से द्विपक्षीय था और इसमें किसी तीसरे पक्ष (अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप) की ▶▶शेष पेज 5 पर

समिति ने विक्रम मिस्री की सोशल मीडिया पर की गई ट्रोलिंग की सर्वसम्मति से निंदा की

बैठक के बाद विक्रम मिस्री ने सांसदों के साथ मुलाकात की

10 मई को हुआ था संघर्षविराम

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम पांच बजे से हुए संघर्षविराम से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी एक्स पोस्ट के जरिए इसकी घोषणा की थी। इसके बाद भी उन्होंने अपनी कुछ अन्य एक्स पोस्ट और सार्वजनिक भाषणों के दौरान भारत-पाक के बीच संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाने का जिक्र किया था। जिसका भारत की तरफ से पूर्व में विदेश मंत्रालय और अब विदेश सचिव ने खंडन के साथ रुख साफ कर दिया है।

जांच में पता चला पाकिस्तानी कनेक्शन

मिस्री ने समिति को यह भी बताया कि पहलगाम हमले की जांच में यह खुलासा हुआ कि आतंकियों ने पाकिस्तान में मौजूद हमले के मास्टरमाइंड को सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि किस तरह से पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा घोषित व प्रतिबंधित आतंकवादी खुलेआम घूम रहे हैं और भारत के खिलाफ लगातार हिंसा कर रहे हैं। बैठक में सांसदों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि पाकिस्तान में उसके पाले-पोसे हुए आतंकवादियों, सैन्य खुफिया एजेंसी और स्थानीय प्रशासन का पूरी सांठ-गांठ है। इसके बावजूद भारत लगातार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के बारे में इंटरलूकटर्स को जागरूक करता रहता है। पाकिस्तान का आतंकी पनाहगाह के रूप में ट्रैक रिकॉर्ड सबके सामने तथ्य के साथ स्थापित हो चुका है। जिसमें पुख्ता प्रमाण और सबूतों की अहम भूमिका है।

जयशंकर के बयान का बचाव किया

सूत्रों ने कहा कि बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के ऑपरेशन सिंदूर से पहले ही पाकिस्तान को सूचित करने वाले बयान के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। जिसे लेकर विदेश सचिव ने कहा कि डॉ. जयशंकर का बयान संदर्भ से हटकर पेश किया गया। जबकि सच्चाई ये है कि भारत ने अपनी सैन्य कार्रवाई के शुरुआती चरण के बाद पाकिस्तान को ▶▶शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आपके मगरमच्छ के आंसू और माफी स्वीकार नहीं...इस बयान पर आपको शर्म आनी चाहिए

एफआईआर की जांच के लिए एसआईटी गठित हुई, इनमें वर्मा, चक्रवर्ती और वाहिनी सिंह शामिल, देर रात डीजीपी ने की घोषणा

ये एसआईटी 28 मई को सुप्रीम कोर्ट को अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट देगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के लिए सोमवार को मध्यप्रदेश के मंत्री

विजय शाह की खिंचाई की थी और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल गठित करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र के डीजीपी को निर्देश दिया था कि वे मंगलवार सुबह 10 बजे तक एसआईटी का ऐलान करें। ▶▶शेष पेज 5 पर

ये एसआईटी मंगलवार की सुबह 10 बजे घोषित होनी थी लेकिन सोमवार देर रात को ही कर दिया ऐलान

आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए

कोर्ट ने आगे कहा कि आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा।

खबर संक्षेप

जीडीपी ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत की जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 6.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत पर थी। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई आईसीआरए की रिपोर्ट में दी गई। भारत की विकास दर ऐसे समय पर तेज गति से बढ़ रही है, जब अमेरिकी टैरिफ के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था उतार-चढ़ाव का सामना कर रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में ग्रामीण और शहरी इलाकों में ग्राहक भावना में सुधार हुआ है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' को लेकर राज्यों से की व्यापक चर्चा

शिवराज ने राज्यों के कृषि मंत्रियों से कहा साझा समन्वय से खेती में हो सकता है चमत्कार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याणऔर ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली

- राज्यों से 'एक राष्ट्र, एक टीम, एक कृषि' की धारणा से काम करने की अपील की

के कृषि भवन से वर्चुअल माध्यम से राज्यों के कृषि मंत्रियों से बातचीत की और आगामी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने राज्यों के कृषि मंत्रियों को 29 मई से 12 जून तक चलने वाले इस देशव्यापी अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने और ▶▶शेष पेज 5 पर

सीएम सैनी ने समालखा में सेवा साधना एवं ग्राम विकास में वेलनेस सेंटर का किया उद्घाटन

स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा जरूरी: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने

नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक जीवन में योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दें। सीएम ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी, आज वे साकार होते प्रतीत हो रहे हैं। यह केंद्र न केवल ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ▶▶शेष पेज 5 पर

असम सीएम ने फिर साधा कांग्रेस सांसद पर निशाना

गोगोई को लेकर मेरा दावा झूठा निकला तो छोड़ दूंगा मुख्यमंत्री पद: सरमा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान यात्रा को लेकर अपने पूर्व आरोपों के संदर्भ में सोमवार को कहा कि अगर मेरे दावे झूठे साबित हुए तो मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा। सीएम सरमा ने अपने पहले के दावों को दोहराते हुए कहा कि अगर मेरा एक भी शब्द गलत साबित हुआ, तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। कांग्रेस नेता पर अपना हमला तेज करते हुए उन्होंने सवाल किया, हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा द्वारा किया गया अपराध कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा किए गए अपराध की तुलना में कुछ भी नहीं है। उन्होंने पूछा कि अगर गोगोई ने जो किया उसे जासूसी नहीं माना जाता है, तो फिर क्या माना जाता है? सरमा की यह टिप्पणी तब आई है जब गोगोई पहले के दावे का खंडन करने में विफल रहे कि कांग्रेस सांसद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ मिलकर काम किया था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरमा ने गौरव गोगोई पर आईएसआई और पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के इशारे पर पाकिस्तान जाने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान से लौटने के बाद रक्षा तैनाती की जानकारी मांगी : सरमा ने आगे आरोप लगाया कि पाकिस्तान से लौटने पर गोगोई ने राफेल जेट की खरीद का विरोध किया, भारत की रक्षा तैनाती के बारे में जानकारी मांगी और संसद सहित देश के भीतर परमाणु हथियारों और उनके भंडारण के बारे में पूछताछ की। इससे पहले रविवार की सुबह सरमा ने गंभीर आरोप लगाया था कि गोगोई की पाकिस्तान यात्रा महज कूटनीतिक यात्रा नहीं थी, बल्कि पाकिस्तानी ▶▶शेष पेज 5 पर

शाहदरा जिला पुलिस की कार्रवाई में पिता पुत्र समेत तीन अरेस्ट

दो करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक कीमत की नकली एनसीआरटी किताबें जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने एनसीआरटी की नकली किताबों की बड़ी खेप जब्त की है। इस सिलसिले में पिता पुत्र समेत तीन लोगों को पकड़ा गया है। अलीपुर स्थित एक गोदाम पर छापा मारकर 1.7 लाख किताबें बरामद की गईं। किताबों की कुल कीमत 2.4 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। कॉपीराइट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार शाहदरा जिले की पुलिस को सूचना मिली थी कि मंडोली रोड शाहदरा, एमएस पार्क थाना एरिया और अन्य क्षेत्रों में नकली एनसीईआरटी किताबों की अवैध बिक्री हो रही है। पुलिस टीम ने आसपास के इलाकों से खुफिया जानकारी जुटाई और मंडोली रोड के आसपास के कई लोगों से पूछताछ की। आखिर में दुकान चलाते हुए पाए गए दो व्यक्ति, प्रशांत गुप्ता (48) और निशांत गुप्ता (26) की पहचान अनुपम सेल्स के मालिकों के रूप में की गई। छापे के समय वे दुकान पर मौजूद पाए गए। उनके साथ लगभग आधा दर्जन मजदूर थे, जो कथित तौर पर अवैध गतिविधियों में सहायता कर रहे थे। दोनों आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि प्रशांत गुप्ता पिछले 25 सालों से दुकान चला रहा था और उसका बेटा निशांत गुप्ता पांच साल पहले इस धंधे में शामिल हुआ था। जल्दी मुनाफे के लालच में आकर उन्होंने पायरेटेड किताबों का धंधा शुरू कर दिया था। उन्होंने कबूल किया कि वे दिल्ली के अलीपुर के पास हिरनकी के गोदाम से ये नकली किताबें खरीदते थे और फिर उन्हें अपनी दुकान पर बेचने के लिए लाते थे। इसके बाद अरविंद कुमार निवासी सोनीपत को भी पकड़ा गया। इस संबंध में एम.एस. पार्क थाने में धारा 318 बीएनएस (2023) और कॉपीराइट अधिनियम (1957) की धारा 63/65 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया है।

हाईटेक निवेश घोटाले में शामिल पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले की साइबर पुलिस ने 32.3 लाख की निवेश धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुये दिल्ली, अलीगढ़, उधम सिंह नगर (उत्तराखंड), बस्ती और कानपुर से पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हाईटेक निवेश घोटाले में शामिल आरोपियों से दो मोबाइल फोन, बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल सबूत जब्त किये गये। अभी तक की जांच में लगभग पांच करोड़ की मनी ट्रेल का पता चला है। आरोपियों का अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन यानि चीनी साइबर अपराधियों की भूमिका भी उजागर हुई है।

पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल को करावल नगर निवासी आशीष भारद्वाज ने 32.3 लाख की ठगी की रिपोर्ट दी थी। उन्हें व्हाट्सएप के जरिए एक नकली स्टॉक ट्रेडिंग योजना में फंसाया गया था। वहां विशाल शर्मा और उषा रानी नामक फर्जी वित्तीय विशेषज्ञों ने फर्जी प्लेटफॉर्म पर भारतीय/अमेरिकी शेयरों और आईपीओ में भारी लाभ का लालच देकर निवेश करवाया। शुरुआती लाभ के बाद पीड़ित को ज्यादा निवेश के लिए मजबूर किया गया और फिर खाते पर झूठी पैनल्टी लगाकर उसे फ्रीज कर दिया गया था। धोखाधड़ी के इस मामले में दिल्ली, अलीगढ़, उधम सिंह नगर (उत्तराखंड), बस्ती और कानपुर में दबिश देकर सूरज चौधरी, विक्की बोरा, गिरीश पांडे, अविनाश कुमार और मक्खन उर्फ अंकुर को पकड़ा गया।

एएसआई ने खुद को मारी गोली, मौत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ने सोमवार सुबह पूर्वी दिल्ली की जीडी कॉलोनी स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एएसआई ललित सिरोही उस्मानपुर थाने में तैनात थे। पुलिस के अनुसार सिरोही अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ जीडी कॉलोनी के फ्लैट नंबर 21 में किराए पर रह रहा था। उनकी पत्नी सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने गई थी। घर लौटने पर उन्होंने पति को खून से लथपथ पाया। पास में एक पिस्तौल पड़ी थी। इसके बाद उन्हें लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। जो हथियार इस्तेमाल किया गया था वो सरकारी पिस्तौल है, लेकिन फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि एएसआई सिरोही पिछले कम से कम दो-तीन वर्षों से अवसाद से पीड़ित थे। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

फर्जी सरकारी भर्ती रैकेट का भंडाफोड़, सरगना समेत दो दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

नई दिल्ली जिले की साइबर पुलिस ने एक फर्जी सरकारी भर्ती रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यह रैकेट राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं मनोरंजन मिशन (एनआरडीआरएम) के नाम से चल रहा था और खुद को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) का हिस्सा बताता था। घोटाले के मास्टरमाइंड समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी देवेश कुमार महला ने बताया कि 22 मार्च को ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भ्रामक भर्ती विज्ञापनों के प्रसार के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। ये फर्जी विज्ञापन www.nrdrm.com और www.nrdrmvacany.com वेबसाइट पर दिखाई दिए और इनमें मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की तस्वीरें भी लगी थी। इस घोटाले में नौकरी चाहने वालों को लुभाया जाता था और फिर भर्ती के लिए पंजीकरण शुल्क की आड़ में भुगतान की मांग की जाती थी। शिकायत पर केस दर्ज कर जांच टीमें गठित की गई। टीम ने पीड़ितों से पंजीकरण शुल्क (299 और 399) एकत्र करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली फर्जी वेबसाइटों पर एक क्यूआर कोड से शुरू करते हुए एक डिजिटल ट्रेल का अनुसरण किया। इस कोड ने असम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एक खाते में भुगतान को निर्देशित किया। फिर धन को कई खातों के माध्यम से स्थानांतरित किया गया। बाद में रकम एटीएम के माध्यम से निकाली गई। सैकड़ों सीसीटीवी से नकदी निकासी फुटेज का विश्लेषण किया गया। आखिर में एक संदिग्ध को लक्ष्मी नगर इलाके में ट्रैक किया। 18 मई को छापेमारी की गई और इकबाल हुसैन (27) को लक्ष्मी नगर से गिरफ्तार किया गया। लगातार पूछताछ करने पर उसने घोटाले के मास्टरमाइंड राशिद चौधरी के लिए एटीएम से पैसे निकालने की बात कबूल की। इसके बाद लक्ष्मी नगर इलाके से ही सरगना राशिद चौधरी को पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि वह सरकारी भर्ती के लिए फर्जी ऑनलाइन विज्ञापनों से जुड़ा एक सुनियोजित रैकेट चला रहा था।

मुठभेड़ में 75 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम जिले की एएटीएस टीम द्वारा हथियारबंद डकैती के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी पर 75 हजार का इनाम घोषित था। आरोपी अरविंद कश्यप दिल्ली और उत्तर प्रदेश में दर्ज दो डकैती के मामलों में वांछित था। इसके कब्जे से एक ऑटोमेटिक पिस्टल, दो कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद हुई।

डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार गिरफ्तार अपराधी अरविंद कश्यप पुत्र रामबीर सिंह गांव दौराला, जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इसके खिलाफ दो हथियारबंद डकैती के केस दर्ज थे। एक केस दिल्ली के केशवपुरम और दूसरा थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में दर्ज था। डीसीपी सिंह ने बताया कि आरोपी के बारे में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई थी कि वह अपने साथियों से मिलने रिंग रोड, हैदरपुर नहर, शालीमार बाग के पास आने वाला था। सूचना पर टीम ने रणनीतिक रूप से घेराबंदी की और काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर आता दिखे बदमाश को रुकने और आत्मसमर्पण करने का इशारा किया गया। लेकिन आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की और आरोपी को बिना घायल किये काबू में कर लिया। 31 वर्षीय अपराधी हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे 18 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

भाई बहन समेत तीन पर चाकू से हमला, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

पश्चिमी जिले में ख्याला थाना इलाके के रघुबीर नगर में रविवार देर रात बहन भाई समेत तीन लोगों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया। इसमें भाई की मौत हो गई व बहन समेत दो घायल हैं। दोनों को अस्पताल के लिये गुरू गोविंद सिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मृतक का नाम कंवलजीत बताया गया। वहीं घायलों में बलजीत कौर और कमल कुमार शामिल है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि कंवलजीत ने बहन से अभद्रता को लेकर इलाके के एक युवक से मारपीट की थी। इसी का बदला लेने के लिए यह वारदात की गई। पुलिस ने केस दर्ज कर फिलहाल एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस को रविवार रात 3:15 बजे अस्पताल से तीन घायलों के लाये जाने की सूचना मिली थी। पुलिस पूछताछ में बलजीत कौर ने बताया कि हमलावरों ने उसके भाई कंवलजीत पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। बलजीत ने बीच-बचाव की कोशिश की तो हमलावरों ने उस पर और जानकार कमल पर भी हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर गुरुद्वारे की तरफ भाग गए। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए जहां कंवलजीत को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नाबालिग को हिरासत में लेकर अन्य फरार आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी आरोपियों को जल्द पकड़ने की बात कह रही है।

पं. भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक

इस संस्थान के विभिन्न विभागों में केवल छह माह की अवधि हेतु अर्थात् सत्र 01.07.2025 से 31.12.2025 हेतु हरियाणा सरकार के अनुमोदन के अनुरूप 7वें सीपीसी के अनुसार एफपीएल-10 में रु. 56100 + डीए के पारिश्रमिक सहित सीनियर / जूनियर हाउस सर्जन के 153 रिक्त पदों को भरने के लिये पात्र चिकित्सा स्नातकों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। संभाव्य उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी हेतु रु. 500/- और हरियाणा निवासी के एससी / बीसी इत्यादि हेतु रु. 125/- की दर से निदेशक (लेखा शाखा) के कार्यालय के काउंटर से प्राप्य निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करना चाहिए।

सम्पर्क टेलीफोन नं. सहित सभी प्रकार से विधिवत् पूर्ण आवेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में 03.06.2025 तक ठीक अप. 5.00 बजे तक अवश्य पहुंच जाने चाहिएं। अधिक विस्तृत शर्तों और पात्रता हेतु हमारे संस्थान की वेबसाइट www.uhsr.ac.in और www.pgimsrohtak.ac.in देखें।

संवाद-1241/11/70/2026/34873/सी/88/7 दि. 19.05.25 चिकित्सा अधीक्षक

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फईम पुत्र** नसीम **निवासी:** G-366, गली नं. 19, जनता कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली ने **FIR. No. 312/18 U/s 411 IPC. थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फईम** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फईम** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR.No. 312/18 U/s 411 IPC. थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फईम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
संघमित्रा
जेएमफसी-01, कोर्ट नं. 54
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6124/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विशाल पुत्र** धर्मपाल, **निवासी** RZ 36/195, गली नं0-14डी, दुर्गा पार्क, सागरपुर, नई दिल्ली, ने **FIR No. 611/2020, U/S 33/58 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन सागरपुर दक्षिण-पश्चिम जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 611/2020, U/S 33/58 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन सागरपुर दक्षिण-पश्चिम जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विशाल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.06.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ईशा सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03,
कमरा नं.-18, प्रथम तल, मुख्य भवन,
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6276/SW/2025
(Court Matter)

पारा लुढ़का लेकिन अब उमस बढ़ाने लगी दिल्ली वालों की परेशानी

नई दिल्ली। दिल्ली में इस बार मई महीना कई रंग समेटे हुए दिखाई दे रहा है। कभी झमाझम बारिश, कभी भीषण गर्मी तो कभी रिमझिम बौछारें देखने को मिल रही है। ऐसे में सोमवार को पारा बेशक लुढ़क गया लेकिन उमस ने लोगों को परेशान किया। हालांकि बाद में तेज हवाओं के चलने से लोगों ने राहत जरूर महसूस की। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार रविवार की तुलना में अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। आईएमडी ने बताया कि हवा में अधिकतम आद्रता का स्तर 74 प्रतिशत दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार दिल्ली के आया नगर में सबसे अधिक तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि सफदरजंग में 40.8 डिग्री, पालम में 40.9 डिग्री,रिज एरिया में 40.3 डिग्री पीतमपुरा में 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सीएम रेखा का कहना सही नहीं कि 27 वर्षों में विकास नहीं, कांग्रेस सरकार ने किए थे कार्यः यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गत 27 वर्षों में दिल्ली में विकास का कोई काम नहीं हुआ। जबकि कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन हुए विकास को दरकिनार करके रेखा गुप्ता द्वारा दिया गया बयान पूरी तरह गैर जिम्मेदाराना है और उनकी काम न करने की नियत को दर्शाता है। यादव ने कहा कि लेकिन सीएम का यह बयान आम आदमी पार्टी के 11 वर्षों के शासन पर एक दम सार्थक सिद्ध होता है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिला विकास समितियों का गठन करके कुछ नया नहीं किया है, कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार ने भी जिला समितियों के द्वारा राजधानी के विकास नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बदहाली के लिए पिछली आम आदमी पार्टी पूरी तरह जिम्मेदार है। यादव ने कहा कि पिछले 11-12 वर्षों में दिल्ली की स्थिति बदतर हो गई है, इसे झुठलाया नही जा सकता। दिल्ली बेरोजगारी और महंगाई के दंश को झेल रही है, जिसके लिए आम आदमी पार्टी के साथ भाजपा भी बराबर की जिम्मेदार है, क्योंकि 2014 से केन्द्र में भाजपा शासित है। यादव ने सवाल उठाया कि आखिर क्यों मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 1998-2013 के दौरान कांग्रेस शासन में बने अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, सड़कें, फ्लाई ओवर, डीटीसी में बदलाव करके उपयुक्त सीएनजी बसें, 24 घंटे बिजली, हर घर को पानी, विश्व स्तरीय शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण, ग्रीन कवर बढ़ाना, अनाधिकृत कॉलोनियों में पानी और सीवर की लाईने बिछाने सहित दिल्ली की लाईफ लाईन मेट्रो का विस्तार काम दिखाई नही देता। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता 100 दिनों के विजन में फेल होने की अपनी नाकामी को छिपाने के लिए दिल्ली की जनता को गुमराह करने लिए अनाप शनाप बयान दे रही है।

बिजली मांग पहुंची 7200 मेगावाट पार, सीजन में सबसे अधिक खपत दर्ज, निर्बाध आपूर्ति का दावा

नई दिल्ली। गर्मियों के इस सीजन में दिल्ली में सोमवार 19 मई 2025 को पहली बार बिजली की अधिकतम मांग का आंकड़ा रिकॉर्ड स्तर पर 7265 मेगावाट पहुंच गई। जबकि रविवार को यह मांग 6859 मेगावाट दर्ज हुई थी। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार सोमवार दोपहर 3.29 मिनट पर बिजली की सबसे ज्यादा मांग 7265 मेगावाट दर्ज हुई। जबकि यह आंकड़ा एक दिन पहले यानी रविवार को 6859 मेगावाट रहा था। आंकड़े बताते है कि 24 घंटे में ही लगभग 406 मेगावाट की बड़ी छलांग देखी गई। इसके अलावा इस सीजन में न्यूनतम बिजली मांग का आंकड़ा पहली बार सबसे अधिक 4584 मेगावाट दर्ज हुआ है। मांग बढ़ने के साथ ही कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की शिकायतें मिली। जबकि इसके उलट दोनों निजी बिजली आपूर्ति कंपनियों टाटा पावर डीडीएल और बीएसईएस ने बिजली कटौती को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया की सीजन की सबसे ज्यादा मांग होने के बावजूद आपूर्ति निर्बाध जारी रही। इस बारे में बीएसईएस प्रवक्ता ने बताया कि अधिकतम मांग 7265 मेगावाट रही, जो मई के पहले 19 दिनों में अब तक की सबसे अधिक मांग है। प्रवक्ता के अनुसार कंपनी की आपूर्ति इकाइयों बीआरपीएल के क्षेत्र में मांग 3227 मेगावाट दर्ज हुई जबकि बीवाईपीएल क्षेत्र में 1596 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग रही जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

जल्द ही विभिन्न विभागों में इनकी की जाएगी रूटीन पोस्टिंग

दिल्ली पुलिस के 1308 कांस्टेबल की पासिंग आउट परेड आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस अकादमी के वजीराबाद परिसर में सोमवार को बैच नंबर 124 के 1308 कांस्टेबल की पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। जल्द ही दिल्ली पुलिस के विभिन्न विभागों में इनकी रूटीन पोस्टिंग की जाएगी। पास आउट होने वाले कांस्टेबल में 42 स्नातकोत्तर है। इन्हें नए आपराधिक कानूनों और साइबर अपराध जैसे विषयों में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा सभी कांस्टेबल को एक महीने का कमांडो प्रशिक्षण भी दिया गया है।

पासिंग आउट परेड से दो दिन पहले सभी जवानों के लिये तनाव और क्रोध प्रबंधन पर मनोवैज्ञानिक शिक्षा के मद्देनजर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। आईटी और कंप्यूटर प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रशिक्षु दिल्ली पुलिस के सभी एप और वेबसाइट में कुशल हों। विशेष मॉड्यूल ने सीसीटीएनएस, आईसीजेएस और आईसीएमएस जैसी महत्वपूर्ण प्रणालियों का गहन ज्ञान प्रदान किया। स्पेशल सीपी रोबिन हिबु कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे और परेड की सलामी ली। उन्होंने नव प्रशिक्षित कांस्टेबलों को संबोधित किया और प्रशिक्षण के सफल समापन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में नैतिक आचरण, अनुशासन और जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कानून प्रवर्तन कर्तव्यों में आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता पर भी चर्चा की। दिल्ली पुलिस अकादमी के संयुक्त निदेशक, आईपीएस आसिफ मोहम्मद अली द्वारा प्रशिक्षुओं को साहस के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने और हर चीज से ऊपर सेवा को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कावेरी टंडन, निदेशक प्रभारी, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात ने भी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस बैच के शेष 2780 सिपाहियों को मंगलवार को झड़ौदा कलां परिसर में शपथ दिलाई जाएगी।

एक माह पहले इकबाल सिंह ने यूजर चार्ज को लेकर आप महापौर को ठहराया था जिम्मेदार

'यूजर चार्ज खत्म करों' लिखी तख्तियां लेकर महापौर कार्यालय पहुंचे आप पार्षद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की सत्ता बदलते ही निगम में राजनीति भी बदलने लगी है। बता दें कि निगम में एक माह पहले जब आम आदमी पार्टी (आप) की सत्ता थी तो तब भाजपा के नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने भाजपा के पार्षदों के साथ आप महापौर कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और आप सरकार को यूजर चार्ज के लिए जिम्मेदार ठहराया और वापसी की मांग की। वहीं, सोमवार को आप में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने आप के पार्षदों के साथ महापौर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय के अंदर और सभा कक्ष में - यूजर चार्ज खत्म करों -

लिखी मांगों की तख्तियां लेकर जमकर प्रदर्शन किया। नेता विपक्ष ने कहा कि यूजर चार्ज का आदेश स्थायी समिति वापस ले सकती है। जब स्थायी समिति ने यूजर चार्ज को लागू ही नहीं किया है, तो कैसे वापस लेगी। यूजर चार्ज तो निगमायुक्त ने खुद लागू किया है। अब तो दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है। केंद्र, राज्य, एलजी के साथ एमसीडी में भाजपा की सरकार है। तब भी ये लोग बहानेबाजी कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी की मांग है कि यूजर चार्ज को तुरंत प्रभाव से वापस लेकर दिल्ली की जनता पर हो रहे अत्याचार को खत्म करना चाहिए।

बता दें कि सोमवार को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे से डेढ बजे तक नेता विपक्ष कार्यालय में आप पार्षदों की बैठक हुई। इसके बाद उन्होंने महापौर कार्यालय की तरफ नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च किया। जब आप पार्षद महापौर कार्यालय मुलाकात करने सिविक सेंटर स्थित उनके कार्यालय पहुंचे और सभा कक्ष में प्रदर्शन किया। काफी देर तक इंतजार के बाद भाजपा महापौर राजा इकबाल से उनकी मुलाकात हो पाई। लेकिन यूजर चार्ज वापस लेने को लेकर वह बहानेबाजी करने लगे।

निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली की जनता और मार्केट एसोसिएशन ने हमसे संपर्क किया था और बताया कि यूजर चार्ज लगाना उनके साथ अन्याय है। यूजर चार्ज के जरिए दिल्ली की जनता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि भाजपा शासित एमसीडी को यूजर चार्ज की समस्या का समाधान करे और जनता को अन्याय से बचाए। दिल्ली के अंदर यूजर चार्ज नहीं लगना चाहिए।

अंकुश नारंग ने कहा कि अभी तक कंसेशनरीज का घर-घर कूड़ा उठा रहे निजी कर्मियों के साथ कोई समन्वय नहीं बन पाया है। पूरी दिल्ली में ढलाव हैं, जहां कूड़े की वजह से दुर्गंध आती रहती है। भाजपा शासित एमसीडी ने अभी तक इन ढलावों को बंद नहीं किया है। दिल्ली में एफसीडीएस और वनरेबल प्वाइंट है, वहां कूड़ा जमा होता है।

महापौर ने एजेंडे में शामिल ही नहीं किया प्रस्ताव

नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि इस माह 21 मई को आयोजित होने वाली सदन की बैठक में दिल्ली की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए यूजर चार्ज वापस लेने का प्रस्ताव लगाया था। लेकिन भाजपा के महापौर ने प्रस्ताव को एजेंडे में शामिल ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की मानसिकता शुरू से ही दिल्ली की जनता के लिए कार्य करने की है ही नहीं, बस इनको झूठे-झूठे वादे करने है, कार्य कुछ नहीं करना है।

उपराज्यपाल ने एनसीआरटीसी को डूसिब की 2.5 एकड़ भूमि आवंटन को दी हरी झंडी

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एनसीआरटीसी की राह की एक और बाधा को दूर करते हुए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की 2.5 एकड़ भूमि आवंटन को हरी झंडी दे दी है। एलजी के इस कदम के बाद एनसीआरटीसी अंतर्गत आईएसबीटी सराय काले खां के पुनर्विकास की बाधा दूर हो गई है। राजनिवास द्वारा दी गई जानकारी अनुसार एलजी ने एनसीआरटीसी को डूसिब की 2.5 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए एनओसी को मंजूरी देते हुए आईएसबीटी सराय काले खां के पुनर्विकास में आ रही बड़ी बाधा को समाप्त कर दिया है। जानकारी अनुसार इस कदम से आईएसबीटी के पुनर्विकास और सराय काले खां स्थित आरआरटीएस स्टेशन के साथ इसके एकीकरण में तेजी आएगी। इस भूमि के लिए दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम (डीटीआईडीसी) की तरफ से अनुरोध किया गया था। करीब 2.5 एकड़ डूसिब भूमि मिलने के बाद इस भूमि पर आईएसबीटी के पुनर्विकास के अलावा, संबंधित यात्री बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके एक बार पुनर्विकसित होने और दिल्ली मेट्रो, भारतीय रेल और आरआरटीएस नेटवर्क के साथ जुड़ने पर सराय काले खां आईएसबीटी दिल्ली के सबसे बड़े मल्टी-मॉडल ट्रांजिट हब के रूप में उभरेगा। एक साथ मिलकर यह नेटवर्क अंतर्राज्यीय यात्रियों सहित लाखों यात्रियों को निर्बाध कनेक्टिविटी और बेहतर सुविधाएं प्रदान कर पाएंगे। इस भूमि के लिए डीटीआईडीसी द्वारा 2 फरवरी 2024 को अनुरोध किया गया था।

पहलगाम के शहीदों की याद में भाजपा ने निकाली 'सिंदूर यात्रा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में निकाली जा रही सिंदूर यात्रा के माध्यम से महिलाएं यह संदेश दे रही है कि आज पूरी दिल्ली की जनता भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सैन्य बलों के साथ खड़ी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कनाट प्लेस में बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ पहलगाम के शहीदों के सम्मान में "सिंदूर यात्रा" के आयोजन के दौरान यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि आज हम सभी बहनों की ओर से देश की सेना को नमन करते हैं। पूरे देश के 140 करोड़ लोगों का सम्मान रखते हुए जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय सैनिकों को आतंकी हमले को खत्म करने का आदेश दिया उसके लिए सभी महिलाएं उनका साधुवाद करती है। बता दें कि दिल्ली भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में शहीदों के सम्मान में 'सिंदूर यात्रा' निकाली।

मुख्यमंत्री ने आश्रय गृह का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को ब्रिटानिया चौक फ्लाईओवर के निकट स्थित आश्रय गृह का औचक निरीक्षण किया और वहां रह रहे जरूरतमंदों से मुलाकात कर सुविधाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने आश्रय गृह की साफ़-सफाई, पेयजल, बिजली, शौचालय तथा चिकित्सा सुविधा सहित सभी मौलिक आवश्यकताओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि किसी भी मौसम में दिल्ली में कोई भी व्यक्ति सड़क पर सोने को मजबूर न हो, इसी संकल्प के साथ हम राजधानी के हर आश्रय गृह को मानव गरिमा के अनुरूप और सुसज्जित बनाने के लिए कार्यरत हैं।

गौरी शंकर मंदिर चांदनी चौक से फतेहपुरी तक निकाली गई तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में सोमवार को गौरी शंकर मंदिर चांदनी चौक से फतेहपुरी तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में मौजूद दिल्लीवालों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारतीय सेना और देश के प्रति आभार व्यक्त किया और भारतीय सैन्य बल के पराक्रम की प्रशंसा की। इस मौके पर सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए भारतीय सेना द्वारा उठाये गए कदम सराहनीय है। भारतीय सेना ने जिस पराक्रम के साथ पाकिस्तान को जवाब दिया वह एक संदेश भी है उन आतंकियों के लिए कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला भारत है जो घर में घुसकर जवाबी कार्रवाई करने का जज्बा रखती है। आज देश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है जो बताता है कि देश आज आतंकवाद के खिलाफ एक जुट होकर भारतीय सेना के साथ खड़ा है।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' से बढ़ेगा खरीफ फसलों का उत्पादन : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' से खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों को उचित मूल्य मिलेगा। दिल्ली सरकार के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में देशभर के राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ हुई महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा और समन्वय सुनिश्चित करना था। विकास मंत्री मिश्रा ने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान 29 मई से 12 जून, 2025 तक चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य किसानों तक आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, और केंद्र व राज्य सरकार की कृषि कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "लैब टू लैंड" और "विकसित भारत 2047" के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

दिल्ली कांग्रेस ने उठाए झुग्गियों को उजाड़ने पर सवाल, जहां झुग्गी वहां मकान का वादा झूठा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि अपने वादे के खिलाफ जाकर झुग्गीवासियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। यह सीधे सीधे बीजेपी द्वारा जहाँ झुग्गी, वहीं मकान के वादे से विश्वासघात करना है। प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि ऐसे सभी परिवारों को हटाने से पहले तुरंत वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाना चाहिए। दिल्ली में भाजपा सरकार के आने के बाद से झुग्गी बस्तियों पर लगातार बुलडोजर की कार्रवाई हो रही है। जोकि जहाँ झुग्गी, वहां मकान का वादा करके वोट लेने वाली भाजपा सरकार अब उन्हीं झुग्गीवासियों के सिर से छत छीन रही है। यह न केवल चुनावी धोखा है, बल्कि इंसानियत के साथ एक क्रूर मज़ाक भी है। डॉ. नरेश ने कहा कि पुराना सीलमपुर (रेलवे लाइन), तैमूर नगर, शास्त्री पार्क(मछली मार्केट) जैसे इलाकों में जिस बेरहमी से बुलडोजर चलाया गया, उसने भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने उजागर कर दिया है।

निकाय संपत्तियों को म्युनिसिपल एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर अपलोड करने में तेजी लाने को कहा

ननि आयुक्त प्रदीप दहिया ने बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

आयुक्त ने कहा कि निकायों की मलकीयत वाली सभी प्रकार की संपत्तियों जैसे -खाली भूमि, जोहड़, श्मशान घाट, सामुदायिक केंद्र, कार्यालय भवन आदि को जल्द से जल्द पोर्टल पर दर्ज किया जाए। इस कार्य के लिए सीटीपी संजीव मान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगर निगम गुरुग्राम में संबंधित प्रक्रिया के लिए डीआरओ को डीलिंग ऑफिसर बनाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम में निकाय संपत्तियों को म्युनिसिपल एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम (एमएएमएस) पोर्टल पर अपलोड करने के कार्य में तेजी लाई जाएगी। सोमवार को नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों के साथ बैठक कर इस दिशा में जरूरी निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि निकायों की मलकीयत वाली सभी प्रकार की संपत्तियों- जैसे खाली भूमि, जोहड़, श्मशान घाट, सामुदायिक केंद्र, कार्यालय भवन आदि को जल्द से जल्द पोर्टल पर दर्ज किया जाए। इस कार्य के लिए सीटीपी संजीव मान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगर निगम गुरुग्राम में संबंधित प्रक्रिया के लिए डीआरओ को डीलिंग ऑफिसर बनाया गया है, जबकि पटवारी को मेकर की भूमिका सौंपी गई है। परिषद के लिए कार्यकारी अभियंता तथा कमेटी के लिए म्युनिसिपल इंजीनियर को डीलिंग ऑफिसर नामित किया गया है।

टैक्सेशन अफसरों को प्रॉपर्टी आईडी तैयार करने की जिम्मेदारी

इसके अतिरिक्त, जोनल टैक्सेशन अधिकारियों को इन संपत्तियों की प्रॉपर्टी आईडी तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि संपत्तियों की पहचान और दस्तावेजीकरण का कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा होना चाहिए ताकि पोर्टल पर सम्पूर्ण और अद्यतन जानकारी उपलब्ध हो सके।

बैठक में सीटीपी संजीव मान, डीटीपी सिद्धार्थ खंडेलवाल, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जोनल टैक्सेशन ऑफिसर और पटवारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

तिरंगा यात्रा से राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया

गाजियाबाद। गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को लेकर शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

यह यात्रा उत्सव भवन विजय नगर से प्रारंभ होकर स्वदेशी चौक प्रताप विहार तक निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और शहीदों के सम्मान को जन-जन तक पहुंचाना था।यह गल यात्रा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई।

रेहड़ी लगाने वाले के साथ मारपीट, 4 गिरफ्तार

फरीदाबाद। रेहड़ी लगाने वाले के साथ मारपीट करने के मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर 48 की टीम ने 2 मुख्य आरोपियों सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। विपिन ने पुलिस थाना डबुआ में दी शिकायत में आरोप लगाया कि फास्ट फूड की रेहड़ी लगाने का काम करता है। 9 मई को सुबह करीब 9 बजे वह और उसका एक दोस्त मोटरसाईकिल से टाउन नम्बर 2 की तरफ जा रहे थे तभी डबुआ मण्डी की गली से 3 लड़के स्कूटी पर सवार होकर एकदम से मोटरसाईकिल के आगे आ गए। जिनको आराम से स्कूटी चलने बारे कहा तो कहासुनी हो गई।

फरीदाबाद शहर में ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध

फरीदाबाद। जिलाधीश विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार, गृह विभाग के

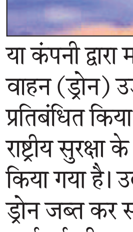

आदेशानुसार 10 मई से 25 मई तक फरीदाबाद नगर सहित राज्य सीमा के भीतर किसी भी नागरिक, संस्था या कंपनी द्वारा मानव रहित हवाई वाहन (ड्रोन) उड़ाना पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर जारी किया गया है। उल्लंघन करने पर ड्रोन जब्त कर संबंधित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेफर मुक्त संघर्ष समिति की मशाल यात्रा

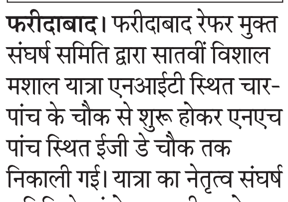

फरीदाबाद। फरीदाबाद रेफर मुक्त संघर्ष समिति द्वारा सातवीं विशाल मशाल यात्रा एनआईटी स्थित चार-पांच के चौक से शुरू होकर एनएच पांच स्थित ईजी डे चौक तक निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व संघर्ष समिति के संयोजक सतीश चोपड़ा द्वारा किया गया। मशाल यात्रा में चोपड़ा ने बताया कि समिति की टीम पिछले 167 दिनों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए धरना दे रही है। धरना शांतिपूर्वक चल रहा है।

बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा व जिलाध्यक्ष सोहन पाल रहे मौजूद

केंद्रीय मंत्री ने रखी 6 करोड़ की लागत से बनने वाले सत्संग भवन की आधारशिला

फरीदाबाद लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने समारोह के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस के समय में देश में जहां भी आतंकवादी हमले हुए कांग्रेस ने किसी हमले का को जबाव नहीं दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बल्लभगढ़ के प्राचीन ऐतिहासिक पथवारी मंदिर के प्रांगण में लगभग 6 करोड़ की लागत से बनाए जाने वाले सत्संग भवन की आधारशिला रखी। मौके पर बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा और बल्लभगढ़ से भाजपा के जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह छोकर मौजूद रहे। गुर्जर ने कहा कि देश पीएम मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रगति की राह पर चल रहा है और जनता के सहयोग से इसी प्रकार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि विधायक मूलचंद शर्मा के नेतृत्व में बल्लभगढ़ निर्वाचन क्षेत्र ने विगत वर्षों में रिकॉर्ड तोड़ विकास यात्राएं देखी है। चाहे वह स्मार्ट सड़कों का विस्तार हो, पीने के पानी के बूस्टर पम्पों का निर्माण, महिला महाविद्यालय का अपग्रेडेशन, आईटी.आई आधारित कौशल केंद्रों की स्थापना और सत्संग भवन उसी स्वर्णिम श्रृंखला की अगली कड़ी है।

फरीदाबाद में रह रहे लोगों के लिए गौरव का क्षण

2014 से पहले आमजन छोटे-बड़े कार्यक्रम करने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जिसको मौजूदा सरकार ने ध्यान में रखते हुए अब पथवारी मंदिर में सत्संग भवन के निर्माण की नींव रखी है जिससे भविष्य में यहा सत्संग, भागवत कथा, जैसे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम के आलवा जनहित में सुख दुःख के कार्यक्रम बिना किसी परेशानी के किए जा सकेंगे।

कनेक्टिविटी के मामले में फरीदाबाद व पलवल का कोई मुकाबला नहीं

बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि यह क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त रहेगा। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि आने वाले समय में फरीदाबाद भारत के नक्शे पर अलग से अपनी जगह बनाएगा जो फरीदाबाद में रह रहे लोगों के लिए एक गौरव का क्षण होगा, साथ ही उन्होंने कहा - पूरे हरियाणा में कनेक्टिविटी के मामले में फरीदाबाद और पलवल का कोई मुकाबला नहीं है। इसके अलावा केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री नंगला पार्ट-1 में आनंद ज्योति आश्रम व छत्तर सिंह वाला तक आरएमसी रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर बुजुर्गों के हाथों से नारियल तुड़वाकर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष 2026 तक एनआईटी क्षेत्र पेयजल समस्या मुक्त होगा। इस दौरान उनके साथ एनआईटी विधायक सतीश फागना भी मौजूद रहे।

पेयजल के लिए ढाई सौ करोड़ स्वीकृत

एनआईटी के हर घर पेयजल के लिए स्वच्छ जल यमुना से आएगा जिसके लिए मंजूरी मिल गई है । इसके लिए लगभग ढाई सौ करोड़ रुपए पास करा लिए है जिससे की बूस्टर का निर्माण कार्य करवाया जाएगा और एनआईटी क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या खत्म हो जाएगी यह बूस्टर 2026 में बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे एनआईटी क्षेत्र में सीवरेज सिस्टम को रिपेयर कर दुरुस्त करने का काम भी बजट मंजूरी के साथ शुरू कर दिया जाएगा। इसी तरह बिजली आपूर्ति की समस्या न हो इसके लिए खेड़ी में पावर हाउस बनकर तैयार है जहां अंडर ग्राउंड्स केबल लगा दी है जिससे एनआईटी में बिजली आपूर्ति की समस्या नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि आज यहां 76 लाख की लागत से आरएमसी रोड के निर्माण कार्य की आधारशिला राखी ।

आयुक्त आयुष सिन्हा ने किया डंपिंग साइट का दौरा

कूड़े की प्रोसेसिंग व ट्रोमल मशीन का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

नगर निगम मानेसर के आयुक्त आयुष सिन्हा ने सोमवार को मानेसर निगम क्षेत्र में डंपिंग साइट का दौरा किया। सेक्टर-8 में कूड़े की प्रोसेसिंग साइट पर चल रहे ट्रोमल मशीन, सीसीटीवी फुटेज, रजिस्टर की एंट्री व अन्य बारीकिया देखी। अधिकारियों को आईएमटी सेक्टर-6 डंपिंग साइट को अगले 15 दिनों में खाली करने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन का काम देख रहे अधिकारियों से कहा कि सेक्टर-8 साइट पर पड़े लीगेसी वेस्ट को जल्द से जल्द प्रोसेस करके खाली किया जाए, ताकि यहां पर नगर निगम क्षेत्र से नया कूड़ा डाला जा सके।

गाड़ियों की रजिस्टर में एंट्री की जानकारी मांगी

इसके अलावा डंपिंग साइट पर लगे सीसीटीवी कैमरे, कूड़ा लाने, ले जाने वाली गाड़ियों की रजिस्टर में होने वाली एंट्री की जानकारी भी मांगी। आयुक्त ने आदेश देते हुए कहा कि सेक्टर-8 साइट को एक तरफ से खाली कर इसे टीनशेड लगाकर दो भागों में विभाजित किया जाए ताकि नया कूड़ा यहां डाला जा सके।

डंपिंग को 15 दिन में खाली करने के निर्देश

अधिकारियों ने बताया कि गांव गढ़ी में निगम की ओर से एक साइट बनाई गई है जहां पर अभी कूड़ा डाला जा रहा है। मानेसर व आसपास के गांवों से निकलने वाले कूड़े को मानेसर पहाड़ी साइट पर डाला जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि सड़क की सफाई के दौरान निकलने वाले कूड़े को सेक्टर-6 साइट पर डाला जाना चाहिए। इस साइट पर पड़े लीगेसी वेस्ट को अगले 15 दिनों में खाली कर दिया जाए। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार, एक्सईएन तुषार यादव, उप-निगम आयुक्त विनोद नेहरा, एसडीओ शशीकांत, एसओ एमएस सोढ़ी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **श्रवण कुमार पुत्रः** स्व. श्री पवन कुमार **पताः** Q - नंबर 150 गली नंबर 6 मंगोल पुरी, दिल्ली ने **FIR No. 469/2014, U/s 354 IPC थानाः आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **श्रवण कुमार,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **श्रवण कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 469/2014, U/s 354 IPC थानाः आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **श्रवण कुमार,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कविता बिष्ट
जेएमएफसी (महिला न्यायालय)–01
11प्रथम तल, मुख्य भवन
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6197/IGIA/2025
(Court Matter)

मानव वध के मामले में 2 गिरफ्तार

सबमर्सिबल पंप से गुप्तांग में डाला पानी, इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

थाना सेक्टर 58 की टीम ने आपराधिक मानव वध के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। दरअसल थाना सेक्टर 58 में आनंद चौहान ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि 17 मई को सुबह के समय अतिन्द्र, कार्तिक, संदीप व राहुल उसके भाई मनोज चौहान को अपने साथ ले गए। करीब 9 बजे सुबह चारों उसके भाई को घर छोड़ गए। मनोज की हालत खराब होने पर शिकायतकर्ता अपने भाई को अस्पताल ले गया। मनोज ने बताया कि अतिन्द्र, कार्तिक, संदीप व

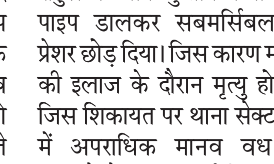

राहुल ने उसके गुप्तांग में पानी का पाइप डालकर सबमर्सिबल का प्रेशर छोड़ दिया। जिस कारण मनोज की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जिस शिकायत पर थाना सेक्टर 58 में अपराधिक मानव वध की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संदीप व राहुल उर्फ कबूतर को मामला दर्ज होने के 24 घंटे में काबू किया था।

घर बैठे ऑनलाइन सेवाओं का लाभ

नगर निगम का घर-घर जाकर सेल्फ सर्टिफिकेशन का कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लाभकारी योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए प्रॉपर्टी सेल्फ सर्टिफिकेशन के कार्य में नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा के मार्गदर्शन में निगम की टीम लगातार घर-घर जाकर प्रॉपर्टी सेल्फ सर्टिफिकेशन का कार्य कर रही है। लेकिन शहरवासी स्वयं भी अपनी प्रॉपर्टी को स्व. सत्यापित कर सकता है उसके लिए सरकार द्वारा पूरी डिटेल से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से समझाया गया है।एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति को घर बैठे प्रमाणित कर सकते हैं। लॉगिन के बाद जिस नंबर के माध्यम से लॉगइन किया है । समस्त

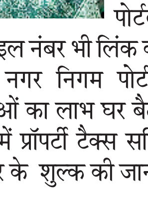

जानकारी स्क्रीन पर दिखाई देगी। शर्मा ने बताया कि पोर्टल पर विवरण देखते हुए स्वयं प्रमाणित करें पर क्लिक करना होगा। साथ ही पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर भी लिंक कर सकते हैं । उसके बाद नगर निगम पोर्टल की ऑनलाइन सेवाओं का लाभ घर बैठे ही उठा सकते हैं। जिसमें प्रॉपर्टी टैक्स सहित अन्य किसी भी प्रकार के शुल्क की जानकारी है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	पुलिस आवास निगम लि.	डीबीआरएएनएलयू, सोनीपत में ऑडिटोरियम बिल्डिंग का निर्माण + 8 कार्य।	16.05.2025 06.06.2025	572771278	https://etenders.hry.nic.in	9463200487 dcpanchkula@yahoo.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/34890/I/88/7 दि. 19.05.25

किसानों के हक में ऐतिहासिक फैसला

हाई कोर्ट के आदेश के बाद नहर पार के किसानों को आवासीय प्लॉट मिलने की जगी उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नहर पार ग्रेटर फरीदाबाद किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने किसानों को बुलाकर सेक्टर-12 में जानकारी दी कि उच्च न्यायालय के फैसले के बाद 18 शहरों में विस्थापितों को प्लॉट देगी सरकार। इस सूची में फरीदाबाद का भी नाम सम्मिलित है। वशिष्ठ ने बैठक में बोलते हुए कहा कि सेक्टर 75-80 के लिए किसानों की बगैर मर्जी के लगभग 300 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। इस जमीन को मात्र सोलह लाख रुपये प्रति एकड़ से अधिग्रहित किया गया था। किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि जिन भी नहर पार के किसानों कि जमीन अधिकृत की गई है उन्हें सरकार उच्च न्यायालय के आदेश पर फार्म भरवाएगी और रिहायशी प्लॉट देगी।

जमीन को बचाने के लिए आंदोलनरत किसान

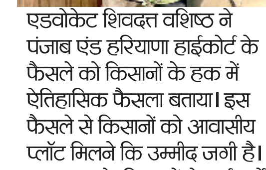

एडवोकेट शिवदत्त वशिष्ठ ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को किसानों के हक में ऐतिहासिक फैसला बताया। इस फैसले से किसानों को आवासीय प्लॉट मिलने कि उम्मीद जगी है। नहर पार के किसानों ने कई वर्षो तक अपनी जमीन को बचाने के लिए आंदोलन किया लेकिन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने किसानों को ना तो लैंड पुलिंग पॉलिसी में जोड़ा ओर ना ही रिहायशी प्लॉट दिए।

जमीन अधिग्रहण के बाद किसानों के सामने आर्थिक संकट

किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष ने कहा कि नहर पार के किसानों के संघर्ष से अन्य जिलों के किसानों को प्लॉट मिलने की उम्मीद बन गई हैं। वशिष्ठ ने सरकार से अपील की है कि जिन किसानों की जमीनों को अधिकृत करके प्लॉट काटे गए है। उन्हीं जमीन में रिहायशी प्लॉट कम दर के हिसाब से आवंटित किए जाए और कम दर पर किसानों से पैसा लिया जाए। जमीन अधिकृत होने के बाद नहरपार के किसानों कि हालत खराब हो गई।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प सिरसा	हैड-5054 (डब्ल्यू.पी.2024-25) (ग्रुप-1) (जीएसटी के बिना) के तहत सिरसा निर्वाचन क्षेत्र में सिरसा जिले में 5 अदद रोड को चौड़ा करना / मजबूतीकरण, आईपीबी / पीसी के प्रावधान द्वारा विशेष मरम्मत हेतु डीएनआईटी अर्थात 1. जोधकां से डींग मोड़ तक रोड पर पीसी / चौड़ा करना / मजबूतीकरण (रोड आईडी 11586), 2. कंवरपुरा अप्रोच रोड से कि.मी. 0 से 1.80 तक रोड पर आईपीबी / पीसी का प्रावधान (रोड आईडी 5983), 3. ढाणी शरवण सिंह कि.मी. 0 से 0.50 तक रोड पर आईपीबी / चौड़ा करना और मजबूतीकरण का प्रावधान (रोड आईडी 5872), 4. सम्पर्क रोड से बोदीवाली कि.मी. 0.00 से 4.30 तक रोड पर 200 मिमी पीसी और आईपीबी का प्रावधान (रोड आईडी 5864), 5. शेरपुरा से साहुवाला 2. कि.मी. 0.00 से 3.34 तक रोड पर आईपीबी / पीसी, चौड़ा करने और मजबूतीकरण का प्रावधान (रोड आईडी 9608) + 1 कार्य।	14.05.2025 26.05.2025	953.84 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01666-222959 pwd-eepd2-sirsa@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प जीन्द	जीन्द जिले में गांव गतोली में राजकीय पशु चिकित्सालय (जीवीएच) का पुनर्निर्माण + 9 कार्य।	बंद होने की तिथि 23.05.2025	273.73 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwdeepdjind@gmail.com
3	लोनिवि भ व प करनाल	सनोली रोड (ओपी) एस/डिवीजन सिटी पानीपत में वंदे मातरम चौक से बबैल नाका एलएचएस तक रोड को चौड़ा करने की वजह से 11 केवी और एलटी लाइन की शिफ्टिंग + 1 कार्य।	16.05.2025 26.05.2025	273.10 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
4	लोनिवि भ व प करनाल	खेल विश्वविद्यालय हरियाणा, राई, जिला सोनीपत में स्वीमिंग पुल में ईआई की विशेष मरम्मत का प्रावधान + 3 कार्य।	19.05.2025 26.05.2025	50.27 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
5	पंचायती राज रेवाड़ी	रानोली - खण्ड बावल जिला रेवाड़ी में शमशान घाट (शिव धाम) तक आईपीबी रास्ता का निर्माण	16.05.2025 21.05.2025	48.44 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416421261 prexeeng.rwr@hry.nic.in
6	पंचायती राज कैथल	गांव कौल खण्ड ढाण्ड में खण्ड जन स्वास्थ्य इकाई का निर्माण।	16.05.2025 23.05.2025	41.62 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1746234748 prexeeng.Ktl@hry.nic.in
7	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव खातीवास खण्ड व जिला चरखी दादरी में सामुदायिक केन्द्र (350 व्यक्तियों) का निर्माण।	16.05.2025 21.05.2025	8.34 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812347814 xenprcharkhidadri@gmail.com
8	पंचायती राज करनाल	गांव अमुपुर खण्ड निसिंग में एडब्ल्यूसी को पूरा करना + 3 कार्य।	17.05.2025 05.06.2025	15.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9813805200 prexeeng.krl@hry.nic.in
9	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, सिरसा	आरडी 100000 से 130750 - टेल तक रोड़ी घग्गर ड्रेन और इसकी सहायक ड्रेन्स की आंतरिक सफाई हेतु आकलन + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 26.05.2025	15.83 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1666235721 xenghaggar@gmail.com
10	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, करनाल	केसीजीएमसी, करनाल के लिए सामान्य कचरे के संग्रहण और निपटान हेतु ई-निविदा के सम्बन्ध में।	22.05.2025 06.06.2025	ईएमडी 28000	https://etenders.hry.nic.in	9416484103 director.kcghc-hry@gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2026/200/34894/I/88/7 दि. 19.05.25

खबर संक्षेप

विधायक पर 4 वोटर व पैन कार्ड रखने के आरोप

धनबाद। झारखंड के बोकारो विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह पर दो पैन कार्ड

व चार वोटर कार्ड रखने के आरोप हैं। इसके मद्देनजर बोकारो की उपायुक्त विजया जाधव ने इस मामले में पूरी रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेज दी है। वहीं बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण सहित अन्य ने झारखंड के राज्यपाल को भी इस बाबत पत्र सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

2027 तक यूपी को बाल श्रम से करेंगे मुक्त, 12 जून को चलेगा कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए 10336 बाल श्रमिकों की पहचान की गई है और उन्हें शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया गया है और परिवारों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। बंधुआ मजदूरी के खिलाफ भी सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

एजेंसी ⏭ लखनऊ

प्रदेश में 10,336 बाल श्रमिकों की पहचान की जा चुकी है। सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत दो हजार कामकाजी बच्चों का स्कूल में दाखिला कराए जाने के साथ ही उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर 12 जून को प्रदेश में जागरूकता के विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाने की तैयारी है। प्रदेश में अब तक 10,336 बाल श्रमिकों की पहचान की जा चुकी है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक 12,426 बाल श्रमिकों को शिक्षा से जोड़ा गया है। जिससे वे फिर से विद्यालय जाकर अपनी जिंदगी में एक नई शुरुआत कर सकें। बाल श्रम करने वालों बच्चों के 1,089 स्वजन को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। जिससे स्वजन किसी मजबूरी में अपने बच्चों से काम न करवाएं। बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत दो हजार कामकाजी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया गया है और उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

खास बातें

- योगी सरकार ने लिया बड़ा संकल्प
- 10 हजार से ज्यादा बच्चे चिह्नित
- परिवारों को दी गई आर्थिक सहायता

दो हजार कामकाजी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया

सरकार ने बंधुआ मजदूरी के विरुद्ध भी कड़ा रुख अपनाया है। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक कुल 1,408 बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वास योजना से जोड़ा गया और उन्हें 1.81 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। श्रम कल्याण परिषद के माध्यम से संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए आठ कल्याणकारी योजनाओं के संचालन के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपए की कार्पस निधि उपलब्ध कराई है। इस योजना के तहत इस वर्ष अब तक 309 श्रमिकों को 1.32 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है।

पेज एक का शेष

सेना ने यूं नाकाम की 'स्वर्ण ...

भारत पर किए गए अपने हमले में तुर्किये के ड्रोन और चीन की मिसाइलों का प्रयोग किया था।

दुश्मन के नहले पर चल दिया दहला : मेजर जनरल शेषाद्रि ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ कोई वैध लक्ष्य मौजूद नहीं थे। हमारी खुफिया जानकारी थी कि वो देश के सैन्य ठिकानों, नागरिक इलाकों और धार्मिक स्थलों पर हमला करेंगे। जिसमें पंजाब के बाकी शहरों के साथ ही अमृतसर का स्वर्ण मंदिर भी प्रमुख रूप से शामिल था। 8 मई की तड़गे सुबह-सुबह गुप अंधेरे में पाकिस्तान की सेना ने मानव रहित विमानों (ड्रोन) और लंबी दूरी की मिसाइलों से एक साथ बड़ी तादाद में हमला किया। जिसे हमारे सतर्क और उक्त हमलों में जवाबी कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित सैन्य बलों ने नाकाम कर दिया और पवित्र स्वर्ण मंदिर पर एक खरोंच भी नहीं आने दी। पाकिस्तान के इस नापाक इरादे को हमने पहले ही भांप लिया था। इसलिए एहतियातन सेना ने स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा के लिए एक अतिरिक्त हवाई रक्षा प्रणाली तैनात की थी।

मॉक ड्रिल में मंदिर में अंधेरा किया गया : ऑपरेशन सिंदूर से ठीक पहले आम जनता को युद्ध और अन्य प्रकार की आपात परिस्थिति में बचाव के उपायों से रूबरू कराने के लिए केंद्र सरकार की पहल पर कुल करीब 244 शहरों में मॉक ड्रिल भी की गई थी। इस दौरान स्वर्ण मंदिर में पहली बार बत्तियां बुझाकर अंधेरा किया गया था।

भारत के इन डेढ़ दर्जन शहरों पर किया हमला : गौरतलब है कि 8 मई को ही रक्षा मंत्रालय ने अपने एक आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया था कि भारत की प्रतिक्रिया (ऑपरेशन सिंदूर) गैर-भड़काऊ, संयमित और केंद्रित थी। जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की सेना के ठिकानों को निशाना बनाना नहीं था। बल्कि केवल पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी कैंपों को नेस्तनाबूद करना था। जबकि पाकिस्तान ने 7-8 मई की देर रात ड्रोन और मिसाइलों से भारत के जम्मू-कश्मीर से सरक्रीक तक 15 शहरों को निशाना बनाया। जिनमें अमृतसर, अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज मुख्य हैं। दुश्मन के इन हमलों को भारत के एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा बेअसर कर दिया गया। इसी दौरान भारत ने यह पुष्टि की थी कि उसने दुश्मन के हमलों के जवाब में लाहौर में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी बताया था कि पाकिस्तान ने अपने हमलों में भारत के कई धार्मिक स्थलों जैसे मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने श्रीनगर में मौजूद एक गुरुद्वारे पर किए गए हमले का जिक्र किया था। जिसमें रागी गाने वाले व्यक्ति के अलावा कुछ अन्य लोगों की मौत हुई थी। मिस्री के मुताबिक, पाकिस्तान की ऐसा करने के पीछे नापाक मंशा भारत का धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की नजर आती है।

सीडीएस और सेनाप्रमुख ने...

सैन्य नेतृत्व की इन यात्राओं का उद्देश्य भारत की आतंकवाद के खिलाफ की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद जमीनी स्तर पर सुरक्षा हालात का जायजा लेते हुए जवानों का मनोबल बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सीडीएस ने 19 मई को रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन और नलिया एयरफोर्स स्टेशन की यात्रा की। जिसमें सैनिकों से मुलाकात में उन्होंने तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच मजबूती के साथ रणनीतिक तैयारी को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही सैन्यकर्मियों के ऊंचे मनोबल के साथ बनी हुई रणनीतिक तैयारी की सराहना करते हुए सीडीएस ने यह विश्वास जताया कि वह बेहद प्रभावी ढंग से भविष्य के खतरों का मुकाबला करेंगे। इसके अलावा जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के प्रभावी चरण के दौरान प्रदर्शित की गई असाधारण वीरता और व्यावसायिकता के लिए उनकी प्रशंसा की।

लोंगेवाला पहुंचे सेनाप्रमुख : सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जैसलमेर स्थित सेना की कोंणार्क कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया। जिसमें वह लोंगेवाला पोस्ट पर भी गए। यह वही इलाका है जहां पर 1971 की जंग में भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सेना को बुरी तरह से परास्त कर दिया था। सेना ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने अपनी यात्रा में ऑपरेशन सिंदूर में अद्वितीय साहस व समर्पण के साथ अहम भूमिका निभाने वाले सैनिकों से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत की सैन्य कार्रवाई में सेना, वायुसेना और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई की समीक्षा की। इस समन्वय को उन्होंने नई परिचालनिक सामान्य स्थिति करार दिया। जो पश्चिमी सीमा पर भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। दुश्मन के ड्रोन हमलों को तुरंत नाकाम करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सेनाप्रमुख ने शाबाशी के साथ कोर के जवानों की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा, सेना की परंपराएं, पेशेवराना क्षमता और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की तैयारी देश की संप्रभुता की रक्षा की गारंटी है। साथ ही रेगिस्तानी गर्मी के बीच जटिल भौगोलिक परिस्थिति में तैनात सेना के रणबांकुरों के साहस को देश की ओर से नमन किया।

सुरक्षा में नहीं लगने...

पर भी जोर दिया। जनरल चौहान ने सशस्त्र सेनाओं के बीच आपसी तालमेल यानी इंटर सर्विस सिनर्जी के अलावा स्थानीय प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की। उनका यह दौरा राष्ट्र की अपनी सेनाओं के प्रति ज्ञापित उस धन्यवाद का प्रतीक है। जिसमें एकता, तैयारी और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता साफ तौर पर झलकती है।

भारत-पाकिस्तान के बीच...

कोई भूमिका नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मामले में टिप्पणी करने का दुनिया के किसी अन्य देश को कोई अधिकार नहीं है। संघर्ष के दौरान भारत के पड़ोस से (पाकिस्तान) कोई परमाणु खतरा नहीं था। संसदीय समिति ने बीते दिनों सोशल मीडिया में की गई विदेश सचिव की ट्रोलिंग की सर्वसम्मति से निंदा की और उनके पेशेवराना व्यवहार, आचरण की सराहना की। ट्रोलिंग के दौरान हालांकि विदेश सचिव को राजनीतिक दलों के नेताओं, पूर्व नौकरशाहों और पूर्व सैन्यकर्मियों का समर्थन मिला था। 7 मई को भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को मटियामेट करने के बाद यह पहला मौका था। जब विदेश सचिव संसदीय समिति की बैठक में शामिल हुए।

समिति ने ट्रंप की पोस्ट पर पूछे सवाल : सूत्रों ने कहा कि दोनों देशों के बीच का विवाद हमेशा ही परंपरागत क्षेत्र से जुड़ा रहा और उसमें पड़ोसी देश की तरफ से किसी तरह के परमाणु खतरे के संकेत नहीं दिए गए। विदेश सचिव द्वारा संघर्षविराम के निर्णय को द्विपक्षीय बताने के पूर्व में समिति में विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों ने कुछ सवाल उठाए, जैसे, क्या भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप या उनके प्रशासन की कोई भूमिका है, ट्रंप ने एक्स पोस्ट में इसकी घोषणा की। फिर अपनी केंद्रीय भूमिका बताई? जबकि कुछ ने संघर्ष में पाकिस्तान द्वारा चीन के हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अपनी शंका विक्रम मिस्री के सामने रखी? तुकिये का भारत के खिलाफ विरोधात्मक रुख क्यों रहा? इनके जवाब में विदेश सचिव ने कहा, संघर्षविराम भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने उनकी अनुमति से ऐसा (पोस्ट या बयान) नहीं किया। चीन के सैन्य प्लेटफार्म के प्रयोग को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई मायने नहीं रखता है। क्योंकि भारत ने पाकिस्तान के एयरबेसों को क्षति पहुंचाई। जबकि तुर्किये के रुख पर मिस्री ने कहा कि तुकिये परंपरागत रूप से भारत का समर्थक देश नहीं रहा है।

बैठक की अध्यक्षता थरूर ने की : सूत्रों ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने की। साथ ही इसमें सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के कई सांसदों ने भाग लिया। जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस से राजीव शुक्ला, दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अपराजिता सारंगी और अरुण गोविल मुख्य हैं।

जयशंकर के बयान का बचाव ...

इसके बारे में बताया था। मामले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जयशंकर पर हमलावर थे। विदेश मंत्रालय ने मामले पर हालांकि पहले ही एक हालिया बयान जारी कर सफाई दे दी थी।

एफआईआर की जांच...

साथ ही डीजीपी को यह भी निर्देया दिया कि एसआईटी में जो भी आईजी स्तर के अधिकारी होंगे वे मप्र कैडर के हो सकते हैं लेकिन उनका गृह राज्य मप्र से बाहर का हो। इसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने मंगलवार की सुबह का इंतजार किए बिना सोमवार देर रात एसआईटी का गठन कर दिया। जिसमें प्रमोद वर्मा, आईजी सागर जोन,कल्याण चक्रवर्ती, डीआईजी, एसएएफ एवं वाहिनी सिंह, एसपी, डिंडौरी को शामिल किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार तीन सदस्यीय एसआईटी में एक महिला अधिकारी भी शामिल की गई। ये एसआईटी शाह के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर की जांच करेगी। एसआईटी अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट 28 मई को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। इससे पहले न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मंत्री से कहा कि कोट ने उनके वीडियो देखे हैं, जिसमें उन्होंने टिप्पणी की और माफी मांगी। पीठ ने आश्चर्य जताया कि क्या वे मगरमच्छ के आंसू थे या कानूनी कार्यवाही से बचने का प्रयास थे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम इस मामले में मंत्री की माफी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की गई है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में लिखा गया है कि ऐसे आईपीएस अफसर के मध्य प्रदेश कैडर के तो होंगे, लेकिन मूल रूप से बाहर के हों। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में इसीलिए मप्र कैडर के ऐसे तीन अफसर को लिया गया है जिनमें से दो राजस्थान के और एक आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया था कि कि मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाना मंगलवार को सुबह 10 बजे इस एसआईटी का ऐलान करें। लेकिन डीजीपी ने सोमवार को देर रात ही एसआईटी का ऐलान कर दिया। पीठ ने ये भी कहा था कि एसआईटी की ओर से पहली रिपोर्ट 28 मई तक दाखिल की जानी चाहिए।

और, क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने ?... टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसारः जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इस टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन शायद आपकी समझ काम आई या आपके दिमाग ने आपको रोका या फिर हो सकता है कि आपको उचित शब्द न मिले हों। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरे देश को हमारी सेना पर गर्व है और आपने यह बयान दिया।

माफी में भी अगर-मगरः पीठ ने मंत्री से पूछा कि यह किस तरह की माफी थी? आपको बस अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए थी और माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन आप कहते हैं कि अगर आपने यह और वह कहा है... तो मैं माफी मांगता हूं। माफी मांगने का यह तरीका नहीं है। आपने जिस तरह की भद्दी टिप्पणी की है, आपको शर्म आनी चाहिए।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने जमकर फटकारा था... एक मंत्री होकर आप कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैंः गौर हो कि बीते गुरुवार को विजय शाह सुप्रीम कोर्ट की शरण पहुंचे और एफआईआर पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन शाह को यहां भी फटकार ही पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप संवैधानिक पद हैं, आपको अपनी जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए। एक मंत्री होकर आप कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर कें कंटेंट को लेकर भी फटकारा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफआईआर की भाषा ऐसी लिखी गई है जो चुनौती देने पर निरस्त हो जाए। सुप्रीम कोर्ट की ओर से एफआईआर में सुधार करने और पुलिस विवेचना की मॉनिटरिंग हाईकोर्ट द्वारा किए जाने के भी आदेश दिए।

मंत्री शाह ने दो बार माफी मांगी नहीं बनी बातः कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान ने तूल पकड़ा तो मंत्री विजय शाह ने सार्वजनिक रूप से दो बार माफी मांगी। मंत्री ने कहा- उनके दिए बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो वे दिल से क्षमाप्रार्थी हैं। सोफिया कुरैशी ने देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है और उनका योगदान जाति, धर्म या समुदाय से परे है। वह उन्हें एक सगी बहन से भी अधिक सम्मान देते हैं। शाह ने कहा कि मेरे वक्तव्य का उद्देश्य सोफिया के योगदान को समाज के सामने सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करना था, लेकिन व्याकुल मन की स्थिति में कुछ शब्द गलत निकल गए, जिससे वह व्यथित और शर्मिंदा हैं। मंत्री के दो बार माफी मांगने के बाद भी यह मामला शांत नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने बयान को बताया था कैंसर जैसा घातक और भाषा को गटर छापः मंत्री शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान का विरोध तेज हुआ और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की जाने लगी। मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने स्वतः संज्ञान लिया। सुनवाई के दौरान मंत्री शाह को जमकर फटकार लगाई गई। कोर्ट की ओर से तल्ख टिप्पणी करते हुए उनके बयान को कैंसर जैसा घातक बताया था। हाईकोर्ट ने कहा कि मंत्री शाह ने गटरछाप भाषा का इस्तेमाल किया है, जो अस्वीकार्य है। कोर्ट ने डीजीपी को मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके बाद देर रात महू पुलिस ने विजय शाह के खिलाफ केस दर्ज किया गया। अलगे दिन की सुनवाई में एफआईआर की कॉपी पेश की गई, जिसे लेकर कोर्ट ने सवाल उठा दिए। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि एफआईआर की भाषा मंत्री के हित में लिखी हैं, यानी उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। कोर्ट ने एफआईआर में सुधार करने के निर्देश दिए, साथ ही यह भी आदेश दिया कि मामले की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होगी।

शिवराज ने राज्यों के कृषि...

अधिक से अधिक किसानों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम करने की बात कही। चौहान ने सभी राज्यों से 'एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम' की धारणा से आगे बढ़ते हुए इसी खरीफ की बुआई से पहले उत्पादन बढ़ाने की दिशा में इस अभिनव अभियान को समर्पित मन से सफल बनाने की अपील की। बैठक में कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। चौहान ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' एक बहुत बड़ा प्रयास है। यह देश अपना है, माटी अपनी है, किसान अपने हैं, हमारा उद्देश्य किसानों की खेती को फायदे में बदलना, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, अनाज, दालें, फल, सब्जियों उनके भंडार भरना और पोषणयुक्त आहार देश की जनता को उपलब्ध कराना है।

इस साल रिकॉर्ड उत्पादन हुआ : उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इस साल रिकॉर्ड स्तर पर उत्पादन हुआ है। चाहे चावल हो, धान हो, मक्का हो यहां तक कि दाल-दलहन, तिलहन में भी हमने उत्पादन बढ़ाकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। जिसके लिए मैं सभी राज्यों और कृषि मंत्रियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस लक्ष्य की पूर्ति साझा प्रयत्नों से हुई है। चौहान ने कहा कि अभी रूकना नहीं है बल्कि इस उपलब्धि से और आगे बढ़ना है। केंद्र और राज्य सरकारों के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी संस्थान, विभाग, विश्वविद्यालय व अन्य संसाधनों के आपसी तालमेल से काम करने से सफलता की नई ऊंचाइयां अर्जित की जा सकती है। साझा समन्वय के साथ एक दिशा में काम करने से खेती में चमत्कार हो सकता है।

प्रधानमंत्री के 'लैब टू लैंड' विजन को साकार करेंगे : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड' विजन को साकार करने के उद्देश्य से ही 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की रूपरेखा तय की गई है। इसलिए विकसित भारत के लिए ही विकसित कृषि संकल्प अभियान बनाया गया है। यह अभियान किसानों की सेवा के लिए है। हमारे देश की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। मैंने हमेशा कहा कि किसानों की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। किसानों की हितों की पूर्ति की बड़ी जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर है इसलिए मेरी अपील है कि मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सम्मिलित प्रयास से होगा। इस अभियान के अंतर्गत वैज्ञानिकों की टीम देशव्यापी स्तर पर गांव-गांव जाकर किसानों को प्रशिक्षित करने का काम करेंगी। इसके लिए 2,170 वैज्ञानिकों की टीमों का गठन किया गया है। इस अभियान में दो तरफा संवाद होगा, एक ओर वैज्ञानिक किसानों को शोध और तकनीक की जानकारी देंगे, वहीं दूसरी ओर किसानों से खेती में आ रही समस्याओं की जानकारी भी लेंगे व समाधान के रास्ते भी बताएंगे। आगे की शोध की दिशा भी तय करेंगे।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए...

हमारी सनातन परंपराओं और संस्कारों को और प्रगाढ़ कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। सैनी ने कहा कि आज देश को दो चीजों की आवश्यकता है, पहली हमारी सीमाएं सुरक्षित हों और दूसरा हमारा शरीर स्वस्थ हो और यह केंद्र वेलनेस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा।

किसान प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों : उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक कीटनाशकों के अत्याधिक उपयोग से बचें और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : उन्होंने कहा कि सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्किल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 450 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह केंद्र उन्हें उस दिशा में मार्गदर्शन और साधन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह संस्था को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, विधायक प्रमोद विज, मनमोहन भड़ाना, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा और डॉ राज नेहरू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पूर्व मंत्री असीम गोयल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

गोगोई को लेकर मेरा दावा...

सरकार से जुड़ी एक रणनीतिक चाल थी। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत पाकिस्तान की आईएसआई और गृह मंत्रालय ने की थी। सरमा ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए इसे 'बहुत गंभीर अपराध' बताया। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़े सबूत जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा।

गोगोई की पत्नी ने पाक एनजीओ से वेतन लिया : कांग्रेस की ओर से गौरव गोगोई के नाम को शामिल किए जाने का विरोध अब असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने किया था। हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया था कि सूची में नामित सांसदों में से एक (असम से) ने पाकिस्तान में अपने लंबे समय तक रहने से इनकार नहीं किया है - कथित तौर पर दो सप्ताह तक - और विश्वसनीय दस्तावेजों से पता चलता है कि उनकी पत्नी भारत में काम करते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन ले रही थी। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में और दलगत राजनीति से परे, मैं लोकसभा के नेता राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि इस व्यक्ति को ऐसे संवेदनशील और रणनीतिक काम में शामिल न करें। कांग्रेस की सिफारिश सूची में पूर्व कैबिनेट मंत्री आनंद शर्मा, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, राज्यसभा सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन और लोकसभा सांसद राजा बरार शामिल थे।

दलित प्रदेश तो राजपूत राष्ट्रीय अध्यक्ष

ओबीसी से लेकर ब्राह्मणों तक में सेंधमारी का पीके का प्लान

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने राज्य के जातीय समीकरणों को साधना शुरू कर दिया है। हालांकि पीके कहते रहे हैं कि वह बिहार में जातिगत राजनीति के सिंडिकेट को तोड़ना चाहते हैं। वह कई मौकों पर कह चुके हैं कि जब दिल्ली में जाति-पाति की राजनीति का बंधन टूट सकता है तो बिहार में क्यों नहीं? और इसी संभावना के मद्देनजर पीके पिछले दो साल से सर्वसमाज को लेकर चलते रहे हैं। हालांकि, पिछले उपचुनाव में मिली हार के बाद उनकी रणनीति में बदलाव होता दिखा है।

नियुक्ति में जातीय समीकरण

अब पीके की राजनीति भी जातिगत समीकरण के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। इसकी बानगी उनकी पार्टी जन सुराज में हुई हालिया नियुक्तियों से साफ झलकती है। सोमवार को पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू सिंह को पीके ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का ऐलान किया। सिंह राजपूत समुदाय से आते हैं। एक दिन पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व नौकरशाह आरसीपी सिंह की पार्टी 'आसा' का जन सुराज में विलय हो चुका है। आरसीपी सिंह कुर्मी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और एक समय सीएम नीतीश कुमार के खासमखास रहे हैं। वह जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्ष दलित आईएफएस

पीके खुद ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। उन्होंने दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले मनोज भारती को पिछले साल ही 2 अक्टूबर को पार्टी के स्थापना दिवस पर जन सुराज का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। मनोज भारती पूर्व राजनयिक हैं, जो चार देशों के राजदूत रह चुके हैं। इसके अलावा वह अशफाक अहमद को भी पार्टी में शामिल कर चुके हैं, जो मुस्लिम समुदाय से आते हैं। पिछले साल ही पीके ने पार्टी की लंबी-चौड़ी कार्यकारिणी बनाकर यह संकेत दे दिया था कि वह राज्य में भाजपा-जेडीयू और राजद का विकल्प बनने के लिए सभी जातियों को साथ लेकर चलने को तैयार हैं।

प्रयागराज से सात जून को चलेगी भारत गौरव ट्रेन

दक्षिण भारत घूमने का शानदार मौका

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन से सात जून को भरत गौरव ट्रेन चलेगी। इस ट्रेन से यात्रियों को दक्षिण भारत के विभिन्न स्थलों का दर्शन करने का मौका मिलेगा। यह ट्रेन भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) चलाएगा। यात्रा 12 दिन और 11 रात की होगी। सात जून को यात्री प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन से बैठक सकेंगे, 18 जून को यात्रा समाप्त होने पर यात्रियों को संगम स्टेशन पर उतरने की भी सुविधा होगी।

इस यात्रा में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग (मरकापुर), तिरुपति बालाजी मंदिर, मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), और कन्याकुमारी आदि के दर्शन कराए जाएंगे। यह ट्रेन 767 यात्रियों को ले जाएगी, जिसमें द्वितीय वातानुकूलित (49 सीटें), तृतीय वातानुकूलित (70 सीटें), और शयनयान (648 सीटें) की व्यवस्था है। यात्रा में तीन श्रेणियां उपलब्ध हैं। इसमें शयनयान में 24,600 रुपये से लेकर, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 42,950 रुपये , द्वितीय वातानुकूलित में 56,950 रुपये किराया है।

पैकेज में शाकाहारी भोजन (नाश्ता, दोपहर का भोजन, और रात का भोजन) और स्थानीय भ्रमण के लिए वातानुकूलित/गैर-वातानुकूलित बसें शामिल हैं। यात्री चाहें तो एसबीआई या अन्य बैंकों के माध्यम से आइआरसीटीसी पोर्टल पर सावधि किश्त (इएमआई) पर भी यात्रा की बुकिंग करा सकते हैं।

समाज कल्याण अधिकारी व अधीक्षक निलंबित

मंत्री असीम अरुण ने पकड़ा 5 लाख रुपए का घोटाला

एजेंसी ⏭ लखनऊ

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण रविवार को बाराबंकी के रामनगर पीजी कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थित समाज कल्याण विभाग के छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 5 लाख की सरकारी धनराशि से किए गए रंग-रोगन और रखरखाव कार्य में घोटाला सामने आया। अनियमितता पाते ही मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की जांच डिप्टी डायरेक्टर, समाज कल्याण विभाग अयोध्या को सौंपी गई है। मंत्री असीम अरुण ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जब खर्च का विवरण मांगा गया तो जिम्मेदार अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे

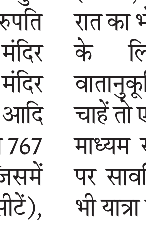

सके। 5 लाख की धनराशि कहां खर्च हुई, इसका ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अधिकारी केवल बिजली के तार और मामूली काम दिखाते रहे, जिससे घोटाले की पुष्टि होती है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार छात्रावासों के कायाकल्प के लिए भरपूर धनराशि दे रही है ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। लेकिन यदि कोई अधिकारी इस सरकारी धन का दुरुपयोग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नई दिल्ली मंगलवार 20 मई 2025
हरिभूमि
सहेली

हर कोई जीवन में सफलता चाहता है, नित्य सफलता की नई-नई ऊंचाइयां छूना चाहता है। इसके लिए सबसे जरूरी है आपका कॉन्फिडेंस लेवल स्ट्रॉन्ग हो। यह तभी संभव है, जब हम इसके लिए कॉन्शस रहेंगे, बड़े नहीं पहले छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करेंगे। इन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहेंगे, खुद को तो मोटिवेट करेंगे ही, दूसरों को भी मोटिवेट करेंगे।

सफलता की कुंजी सेल्फ-कॉन्फिडेंस

कवर स्टोरी
घनश्याम बादल

सच ही कहा गया है, 'इंसान तब नहीं हारता जब वह हार जाता है, वह तब हारता है, जब वह हार मान लेता है।' यदि इस बात को गहराई से समझा जाए तो स्पष्ट रूप से समझ में आ जाता है कि इंसान की हार तभी होती है, जब उसका कॉन्फिडेंस यानी आत्मविश्वास डगमगा जाता है। यह एक वास्तविकता है, इंसान की सक्सेस में उसके कॉन्फिडेंस का बहुत बड़ा रोल होता है। कॉन्फिडेंस की ताकत हमें लाइफ में कड़े से कड़े चैलेंज का सामना करने और सक्सेस की ओर बढ़ने में मदद करती है। कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं कि व्यक्ति अपना कॉन्फिडेंस खो बैठता है। आसान-सी परिस्थितियों को बहुत मुश्किल समझ कर खुद को 'स्ट्रेस' में डाल लेता है। इसीलिए इस बात का जानना बहुत जरूरी है कि हम अपना कॉन्फिडेंस कैसे बनाए रखें, इसे कैसे बढ़ाएं भी?

जरूरी है मन में दृढ़ संकल्प: कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए सबसे पहले अपने सोचने का तरीका और आदतें बदलना बहुत जरूरी है। साथ ही साथ मन में एक दृढ़ संकल्प का होना भी जरूरी है कि हमें यह काम करना ही है, हर हाल में सक्सेस हासिल करनी ही है। साथ ही 'भले ही मैं हार जाऊं, लेकिन हार नहीं मानूंगी' का भाव भी हमारे भीतर बना रहना चाहिए।

स्वयं को पहचानें और स्वीकारें: आत्मविश्वास प्राप्त करने का पहला तरीका है कि खुद जैसी हैं, वैसा ही स्वीकार करें। इसी के साथ निरंतर अपनी क्षमताओं को निखारने का प्रयास करें। आत्मचिंतन करें और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें।

नेगेटिविटी से बचें: नेगेटिविटी हमें नाकामयाबी की ओर ले जाती है। दूसरे की सक्सेस हमारे भीतर ईर्ष्या पैदा करती है, इसलिए नेगेटिव थिंकिंग से बचें और अपनी उपलब्धियों पर ध्यान दें। अपने बारे में पॉजिटिव बातें सोचें, ऐसे लोगों के साथ रहें, जो पॉजिटिव सोच रखते हैं, हमें इंस्पायर करते हैं।

कुछ नया सीखें: यदि आप चाहती हैं कि आपका कॉन्फिडेंस हमेशा बना रहे तो खुद को अपडेट रखें। नई-नई स्किल्स सीखें, अपने प्रोफेशन से जुड़ी बुक्स पढ़ें और अपना स्किल डेवलप करती रहें। किसी भी फील्ड में महारत हासिल करना आपके कॉन्फिडेंस को बढ़ाने में मदद करता है। कभी भी नए काम, नया लक्ष्य, नई तकनीक से डरे नहीं, इसे आगे बढ़कर अपनाएं। यह प्रवृत्ति आपको सफलता की राह पर आगे बढ़ाती रहेगी।

असफलता से डरें नहीं: जीवन में सफलता के साथ असफलताएं भी मिलती हैं। असफलताओं से कभी डरें नहीं, इन्हें सीखने का अवसर समझें, मतलब गलतियों से सीखें और अगली बार बेहतर से बेहतर करने का प्रयास करें। हर छोटी से छोटी सफलता को सेलिब्रेट करें, इससे आपका मनोबल बढ़ेगा।

मोटिवेशनल बनें: जीवन में मोटिवेशन यानी अभिप्रेरणा का बहुत बड़ा रोल होता है। अच्छे कामों के लिए स्वयं को तो मोटिवेट करें ही, साथ ही अपने साथियों को भी इसके लिए मोटिवेट करें। मोटिवेशनल बुक्स पढ़ें, वीडियो देखें और पॉडकास्ट सुनें। अपने रोल मॉडल की पर्सनालिटी से इंस्पायर हों।

कभी दूसरों से तुलना न करें: जीवन में कॉन्फिडेंस के डगमगाने की एक बड़ी वजह यह भी होती है, दूसरों के साथ अपनी तुलना। इस बात को समझें कि आपकी अपनी एक अलग पर्सनालिटी है, गुण-अवगुण हैं। इसलिए अपनी तुलना कभी दूसरों से न करें। अपनी प्रोग्रेस पर ध्यान दें, इसमें लगातार सुधार करती रहें। हर व्यक्ति की अपनी विशेषताएं होती हैं, आप भी अपनी विशेषताओं को पहचानकर उन्हें निखारें, अपने करियर को नई ऊंचाई दें।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का प्रभाव हमारे आत्मविश्वास पर गहरे रूप से पड़ता है। इसलिए आत्मविश्वास के लिए जरूरी है कि हम मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम करें, इससे मानसिक मजबूती भी बढ़ती है, साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सही खान-पान अपनाएं और पर्याप्त नींद लें। मानसिक स्वास्थ्य के लिए चित्त को शांत रखें। नित्य ध्यान-योग करें, इससे मानसिक शांति मिलेगी।

बनाएं छोटे-छोटे लक्ष्य: हमेशा आत्मविश्वास से भरी रहें, इसके लिए अच्छा यही है कि आप लंबे-लंबे लक्ष्य निर्धारित न करके छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं और इन्हें पूरा करने की आदत बनाएं। हर पूरा हुआ लक्ष्य आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। छोटे-छोटे लक्ष्य के बाद धीरे-धीरे बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ें। आप जरूर सफल होंगी।

खुद को दें चैलेंज: कभी भी नए एक्सपीरियंस लेने से घबराएं नहीं। अपने डर का मुकाबला करें, इनसे सीखें। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जीवन में जितने डर होते हैं, उनमें से केवल एक या दो प्रतिशत ही सही निकलते हैं, इसलिए कभी डरिए नहीं। डर की वजह से खुद को सीमाओं में न बांधें, निरंतर नए अवसरों की तलाश में रहें। यह सोच आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएगी।

बॉडी लैंग्वेज भी है इंपॉर्टेंट

आपका कॉन्फिडेंस केवल आपके काम में ही नहीं, आपके हाव-भाव में भी दिखना चाहिए। इसलिए किसी से मिलते, बात करते समय अपनी बॉडी लैंग्वेज का ध्यान रखें, सही मुद्राएं अपनाएं, सामने वाले से आंखों से आंखें मिलाकर बात करें, अच्छा हो चेहरे पर मुस्कान भी हो। सबसे बड़ी बात समस्याओं से भाग कर नहीं, उनका सामना करके, उनका हल निकालने की सकारात्मक सोच रखें। इससे आपकी सभी समस्याओं का हल अवश्य निकलेगा।

जीत का जश्न मनाएं हार से उबरना सिखाएं

यह सच है कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चे से हमेशा जीतने, फर्स्ट आने की ही उम्मीद करते हैं, हारने पर उसे ताने देते हैं। इससे बच्चे का मनोबल टूटता है। बच्चे को जीत-हार का महत्व समझाने के लिए जरूरी है कि जिस तरह उसकी जीत का जश्न मनाया जाए, उसी तरह उसे हार से उबरना भी सिखाया जाए।

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

अधिकतर पैरेंट्स, अपने बच्चे की सफलता पर जितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, उसकी असफलता पर वे बहुत निराश हो जाते हैं। इसका बच्चों की मानसिकता पर बहुत गहरा असर पड़ता है। अगर आप जीतने पर बच्चों को जश्न मनाना, और अपनी खुशी दूसरों के साथ बांटना सिखाते हैं तो हार का सामना करना और उससे उबरना भी सिखाना होगा। आपको समझना होगा कि हम सभी प्रयास करने के बाद भी जीवन के किसी न किसी क्षेत्र में पीछे रह ही जाते हैं। ऑफिस में भी हम हर काम को अच्छे से परफॉर्म नहीं कर पाते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाते हैं, जैसे हम जिंदगी की असफलताओं से दिन-रात जूझते हैं, ठीक उसी तरह हमें अपने बच्चों को भी फेल होता देखकर न तो स्वयं निराश होना चाहिए, न ही उन्हें निराश होने देना चाहिए। पैरेंट्स होने के नाते हमें बच्चों को बताना चाहिए कि हारना ही हम सबको जीतना सिखाती है। बच्चों को हार से उबारने और उनसे पार पाने के लिए हम आपको बता रहें हैं कुछ खास बातें, जिन्हें आपके लिए जानना जरूरी है।

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते: अगर आपका बच्चा किसी कठिन कार्य को जल्दी सीख नहीं पाता, तो इसके लिए उसे दोष नहीं देना चाहिए। क्योंकि हर बच्चे की प्रतिभा अलग-अलग होती है। हो सकता है आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को जब आप स्वयं स्वीकार करेंगे, तभी तो बच्चे को समझा पाएंगे। जहां उसकी प्रतिभा छुपी है, उसे उसी रास्ते पर आगे बढ़ने में मदद करें।

हारने-जीतने पर दें सही प्रतिक्रिया: कई पैरेंट्स जब अपने बच्चों के साथ घर में खेलते हैं तो उसकी खुशी के लिए, जानबूझकर हर बार हारते हैं। ऐसा करना गलत है, बच्चे को जीतने के साथ ही हार का सामना करना भी आना चाहिए। इसलिए जब आप बच्चे के साथ खेलें तो जानबूझकर उससे न हारें। अगर वो हार रहा है तो हारने के समय हौसला कैसे बनाए रखना है, इसकी प्रैक्टिस भी बतौर पैरेंट्स आपको जरूर करानी चाहिए। जिस तरह बच्चे के जीतने पर आप उसे खूब बधाई देती हैं, उसे सीने से लगा लेती हैं, क्या हारने पर उससे कुछ नहीं कहतीं? उसका हौसला बढ़ाने के लिए, उसे फिर से प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती हैं? अगर आप इस तरह की प्रतिक्रिया देती हैं तो इसका बच्चे के मन पर सीधा असर होता है। इसलिए बच्चे के हारने या जीतने पर आपको कैसी प्रतिक्रिया देनी है, यह बात आपको जरूर समझनी चाहिए।

बच्चे को सपोर्ट करें: अगर बच्चे किसी भी प्रतिस्पर्धा या किसी खेल में जीत हासिल करने की ठान लेते हैं तो वे अपना जी जान लगा देते हैं। लेकिन जीतना एक कला है। जीतने के लिए योजना बनानी पड़ती है। ठीक उसी तरह, जैसे परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए एक टाइम टेबल बनाकर लगातार मेहनत करनी होती है। जिस तरह पढ़ाई में अच्छे मार्क्स लाने के लिए आप बच्चे को गाइड करती हैं, उसकी हेल्प करती हैं। उसी तरह किसी भी कार्य में अच्छा प्रदर्शन करने या जीतने की उसकी योजना को सफल बनाने में भी आपका बहुत बड़ा रोल हो सकता है। इसलिए जितना अधिक संभव हो बच्चे को सपोर्ट करें।

हार से निकलती है जीत की राह: अगर आपका बच्चा किसी प्रतियोगिता में असफल रह जाए तो उसे उलाहना देने या दोष देने के बजाए, उसे हिम्मत दें। अगर बच्चा अपनी हार पर अफसोस जताए और कई दिनों तक हार के कारण अवसाद में रहे तो उसे समझाएं कि हार, सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का एक रास्ता है। उसे अगली बार ज्यादा तैयारी करने और निश्चित रूप से जीत हासिल करने के लिए प्रेरित करें। बच्चे को समझाएं कि इंसान कोशिश करता है, असफल होता है और फिर से कोशिश करता है।

मैरीड लाइफ
संध्या सिंह

शायद ही कोई ऐसे पत्नी-पत्नी हों, जिनके बीच तकरार न होती हो। तकरार के कारणों का लंबे समय तक बना रहना, दांपत्य जीवन के लिए घातक है। दंपती टकराहट से बचकर आपसी सामंजस्य और सौहार्द से सुखी दांपत्य जीवन की राह पर आएं। ऐसा करना कठिन नहीं है।

कहीं आप हमेशा तकरार के अंदाज में तो नहीं रहते

पति-पत्नी के रिश्ते में अकसर तकरार होती ही रहती है। कोई भी नई-नवेली दुल्हन जब ससुराल में कदम रखती है तो उसे यहां आकर अपने सास-ससुर, देवर-देवरानी, ननद, जेठ-जेठानी और उनके बच्चों से अपने रिश्ते निभाने पड़ते हैं। साथ ही उसे अच्छी, सर्वगुण संपन्न सुशील बहू का भी रोल निभाना पड़ता है। घर-परिवार में पति-पत्नी के अलावा घर के दूसरे सदस्यों से भी कहा-सुनी हो ही जाती है, इसका इन रिश्तों पर जहां बुरे प्रभाव पड़ते हैं, पति के साथ भी तकरार, कलह-तनाव का कारण बनती है। लेकिन समझदार दंपती अपने दांपत्य को मधुर बनाए रखने के लिए सामंजस्य बैठाकर चलते हैं।

पति के माता-पिता को लेकर गुस्सा न करें: अकसर पति-पत्नी के बीच कलह का कारण पति द्वारा अपने माता-पिता को प्रेम और सम्मान देना होता है। कई पत्नियां ऐसी होती हैं, जिन्हें यह बात गले नहीं उतरती कि उनका पति अपने माता-पिता की सारी ख्वाहिशों को पूरा करे। अगर पति अपने माता-पिता पर खर्च करे, ऐसे में पत्नी कुछ ऐसी स्थितियां पैदा करती है कि दोनों के बीच उन्हें लेकर तकरार हो ही जाती है। पत्नी को समझना चाहिए कि पति पर उसके माता-पिता का अधिकार, पत्नी से भी कहीं ज्यादा है। माता-पिता ही उसकी जन्म से परवरिश करते हैं, दुनिया से रूबरू कराते हैं, निश्चित ही वे प्रेम और आदर के अधिकारी हैं। ऐसे में पति द्वारा अपने माता-पिता पर ध्यान देने पर पत्नी को कलह नहीं करनी चाहिए।

ओवर रिएक्ट करने से बचें: अकसर पत्नियां घर में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी की बातों और तानों को सुनकर गुस्से से जवाब देती हैं। इससे कई बार लड़ाई की नौबत भी आ जाती है। उनकी बातों पर ओवररिएक्ट करने के बजाय जहां बातें हो रही हों, वहां से उठकर चली जाएं। कहते हैं न, जहां दो बर्तन होते हैं, वो एक-दूसरे से टकराते ही हैं। तो ये रिश्ते भी ऐसे होते हैं, जिनमें थोड़ी बहुत तकरार चलती है। आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहे, इसलिए कुछ मामलों में चुप्पी साधना ही बेहतर है।

सही समय पर करें शिकायत: पति के मूड को देखकर सोच-समझकर बोलना चाहिए। पति के ऑफिस से लेट आने, दोस्तों के साथ इधर-उधर घूमने के कारण भी कुछ पत्नियां कलह करती हैं। पत्नी को चाहिए कि वह भीतर से भले ही गुस्सा हो, लेकिन गुस्से को सही समय पर व्यक्त करे। अगर पति का मूड खराब है तो चुप रहना ही बेहतर है। उनका मूड जब सही हो जाए तो उनसे पूछ सकती हैं, 'कल इतनी देर तक कहां थे?' समझदार पति सच बता देते हैं। अगर झूठ भी बोलें तो उन्हें अगली बार सच बोलने का मौका तो दें। कहने का मतलब है कि उनके घर में घुसते ही उन पर फायर न हों।

घर के कामों में पति का लें सहयोग: जिन घरों में पत्नियां काम-काजी होती हैं, वहां काम की अधिकता अकसर पति-पत्नी के बीच कलह का कारण बन जाती है। कई पति, पत्नी का हाथ इसलिए भी नहीं बंटा पाते, क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं, उसमें कोई न कोई कमी पत्नी निकाल ही देती है। ऐसे में उन्हें लगता है, दूर रहने में ही भलाई है। कई पति तो घर के कामों को इसलिए नहीं करते, क्योंकि वे इसे अपनी प्रतिष्ठा के खिलाफ समझते हैं। ऐसे पतियों को समझना चाहिए, आज समय बदल चुका है। उन्हें पत्नी के कामों में हाथ बंटाना चाहिए।

चुप रहना सिर्फ पत्नी नहीं, पति की भी जिम्मेदारी: चुप रहना केवल पत्नी की ही जिम्मेदारी नहीं होती। कुछ मामलों में पति ही ज्यादा लड़ाई के लिए उकसाने वाले साबित होते हैं। कई मौकों पर पति को भी चुप्पी साधनी चाहिए। चुप्पी साधकर असलियत का पता लगाने के बाद ही पत्नी से इस बावत कोई बात करें। छोटी-छोटी गलतियों पर अपनी पत्नी को दूसरों के सामने बेइज्जत न करें, इसलिए खामोशी पत्नी या पति की हार नहीं बल्कि दोनो की जीत होती है।

केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

समर ट्रिप के दौरान करें स्किन की प्रॉपर केयर

समर वेकेशंस में बहुत-से लोग बाहर घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनाते हैं। लेकिन घूमने के दौरान अगर आप अपनी स्किन प्रोटेक्शन को लेकर जरूरी सावधानी नहीं बरतेंगी तो कई प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ सकता है। हमारी स्किन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है, सूर्य की किरणें।

सनस्क्रीन: ट्रैवलिंग के दौरान आप सनस्क्रीन लोशन अपने साथ जरूर रखें, क्योंकि यही आपकी स्किन को टैन होने से बचा सकती है। सूर्य की किरणों के संपर्क में रहने से स्किन में टैनिंग होने लगती है। इसलिए इस सीजन में जब भी आप बाहर धूप में जाएं तो जाने से 20 मिनट पहले चेहरे और शरीर के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन का यूज करें। अगर आप धूप में एक घंटा या ज्यादा समय तक रहें तो सनस्क्रीन का दुबारा यूज करें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो सनबर्न से बचने के लिए आप 30 या ज्यादा एस.पी.एफ. वाला सनस्क्रीन यूज करें। इसके अलावा आप मॉयश्चराइजर, रिहाइड्रेंट क्लींजर, हैंड क्रीम और लिप बाम भी साथ रखना न भूलें।

स्क्रबिंग: ऑयली स्किन को चमकाने और छिद्रों को साफ करने के लिए स्क्रब का यूज भी इस दौरान करना चाहिए। सी बीच पर खारे पानी में एंज्वॉय करने के बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धोएं। जब भी आप वापस अपने होटल के कमरे में पहुंचें तो चेहरे पर ठंडे दूध की मालिश करके छोड़ दें। इससे सनबर्न के प्रभाव को रोकने में मदद मिलेगी फिर चेहरे पर मॉयश्चराइजर लगाएं।

मास्क: फेस स्किन के लिए 'पील ऑफ मास्क' भी उपयोगी साबित होगा। शहद को अंडे के सफेद भाग में मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने के बाद इसे ताजे पानी से धो डालिए। इससे त्वचा कोमल-चमकदार बनती है।

बालों का रखें ध्यान: समुद्री पानी में नहाने से आपके बाल उलझ सकते हैं। समुद्री पानी में नहाते समय सिर को कैप से ढंकने से बालों को सूर्य की गर्मी और खारे पानी के नुकसान से बचाया जा सकता है। समुद्र में नहाने से पहले अपने बालों को सामान्य ताजे पानी से अच्छी तरह धोएं। बालों के छिद्र खुले होते हैं और बालों को धोने के बाद समुद्र में नहाने से बालों को नुकसान नहीं होगा। समुद्री पानी में नहाने के बाद बालों को हल्के हर्बल शैंपू से धो डालिए। शैंपू से धोने के बाद बालों में कंडीशनर या हेयर सीरम जरूर लगाएं।

एडवाइस
डॉ. अविनाश कुमार
एचओडी-पीडियाट्रिक-पीएमसीएच, धनबाद

बढ़ती गर्मी में ऐसे करें बच्चों की केयर

गर्मी के मौसम में जरा-सी लापरवाही बरतने पर बच्चे बीमार हो सकते हैं। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आप उनके ड्रेसअप, डाइट और हाइड्रेशन का ध्यान रखें। यहां पर हम आपको दे रहे हैं इससे रिलेटेड बहुत ही यूजफुल सजेशंस।

गर्मी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बढ़ते तापमान और इस चिलचिलाती गर्मी से हर कोई बेहाल है। बड़े तो फिर भी अपनी सुरक्षा और बचाव के लिए कुछ उपाय कर लेते हैं, लेकिन बच्चे अपना ध्यान नहीं रख पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने बच्चों की प्रॉपर केयर करें।

डाइट दें सही: गर्मी के मौसम में बच्चों के खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ध्यान रखें कि बच्चा ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में न्यूट्रिशस डाइट समय पर लेता रहे। बीच-बीच में घर में बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छाछ, नारियल पानी या मौसमी फलों के रस भी उन्हें दे सकती हैं। नमक, चीनी, पानी और नीबू रस से बनी शिकंजी भी उन्हें पिलाएं। इस मौसम में बाजारू खाना न खुद खाएं और न बच्चों को खिलाएं क्योंकि दूषित भोजन खाने से फूड प्वॉइजनिंग होने का खतरा बना रहता है। इसलिए इससे परहेज करें।

पहनाएं थिन ड्रेसेस: इस सीजन में अपने बच्चों को लाइट कलर की कॉटन ड्रेसेस पहनाएं। ये ना केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि बच्चों के शरीर को हवादार भी रखते हैं। पसीने को भी ये कपड़े आसानी से सोखते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक से बनी ड्रेसेस, शरीर से निकले पसीने को नहीं सोखती हैं और शरीर से देर तक पसीना चिपका रहता है। नतीजा घमौरियां निकल आती हैं।

धूप से बचाएं: इस मौसम में दिन के समय बच्चों को धूप में नहीं जाने दें। अगर बच्चा सुस्त दिखे तो उसका बॉडी टेंप्रेचर चेक करना चाहिए। अगर टेंप्रेचर ज्यादा लगे तो ठंडे पानी में कपड़े को भिगोकर तब तक उसके शरीर को पोछें, जब तक कि शरीर का तापमान सामान्य ना हो जाए।

डिहाइड्रेशन से बचाएं: गर्मी के मौसम में शरीर बहुत तेजी से पसीने के रूप में तरल (पानी) बाहर निकालता है। इसकी वजह से रक्त गाढ़ा होने लगता है। ऐसी स्थिति में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए अपने बच्चों को दिन भर थोड़ी-थोड़ी देर में तरल पदार्थ देती रहें। ठंडा पानी और ठंडे पेय आपके बच्चे को राहत प्रदान करेंगे, पानी की कमी को पूरा करेंगे और शरीर के तापमान को भी बहुत हद तक कम करने में मदद करेंगे। जूस, शरबत पिलाने से बच्चे को अतिरिक्त ऊर्जा भी मिलेगी।

रोज नहलाएं: गर्मियों में बच्चों को ठंडे पानी से रोज नहलाना चाहिए। नहलाने से दो फायदे होते हैं। एक तो उनके शरीर का तापमान कम होता है और दूसरा उनकी त्वचा भी साफ होती है। जिससे त्वचा के रोम छिद्र भी खुल जाते हैं। जो पसीने को शरीर से आराम से निकलने में मदद करते हैं।

टेंप्रेचर रखें मेंटेन: घर के भीतर टेंप्रेचर को कम रखने के लिए एसी या कूलर का यूज करें। लेकिन इनका जरूरत से ज्यादा प्रयोग भी हानिकारक हो सकता है, क्योंकि एक निश्चित तापमान से कम होने पर शारीरिक क्रियाएं बाधित होती हैं। छोटे बच्चों के लिए 27 डिग्री से कम का तापमान अच्छा नहीं माना जाता है। अगर बच्चे बाहर से आएं तो उन्हें तुरंत एसी या कूलर के सामने जाने से बचाना चाहिए।

न हो पेट का संक्रमण: गर्मी के मौसम में पेट के संक्रमण से बचाने के लिए बच्चों को ताजा, घर का बना पौष्टिक भोजन ही खिलाएं और शुद्ध जल पीने के लिए दें।

प्रस्तुति: अलका 'सोनी'

रविंद्र भवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन

कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग को स्वीकृत करने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से जनकल्याण और विकास के पथ पर प्रदेश अग्रसर: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं। कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है।

कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मप्र देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवींद्र भवन में मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह में बोल रहे थे। पिछले महीने कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिए मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिए सीएम को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट किए

कर्मचारी सरकार जनता के बीच नल, नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे

कर्मचारियों के जीवन को अधिक आरामदायक बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि न्यू मार्केट में बने 3000 नवीन आवासों का लोकार्पण कर कर्मचारियों को आवंटित किया गया। यह कर्मचारियों के जीवन को अधिक आरामदायक बनाने का एक प्रयास है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच अधिकांश देशवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा संबंधी मांग स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया है। अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है।

अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री का तिलक किया

कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। विधायक भगवानदास सबनानी, मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है। रिक्त हुए पदों को प्रतिवर्ष लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित कर भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। शासकीय कर्मचारियों की सुविधा के लिए शासकीय आवास की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जा रही है। प्रदेश में लोक परिवहन के लिए बस सेवा भी शुरू होने जा रही है।

औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को भी 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। चारों श्रेणियों, युवा- महिला- किसान- गरीब की बेहतरी के लिए प्रदेश में अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क और अधोसंरचना की स्थिति कई राज्यों से बेहतर है। मुख्यमंत्री ने अभिनंदन के लिए कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सरकार और कर्मचारी प्रदेशवासियों के जीवन की बेहतरी के लिए एक टीम की तरह लगातार काम करते रहेंगे।

खबर संक्षेप

एआई को जल्दी अपनाने से रोजगार के अवसरों में होगा विस्तार: डॉ. संगीता

भोपाल ट्रेनर्स फोरम

सेंट्रल इंडिया की पहली ट्रेनर फ्रेटरनिटी की द्वितीय बैठक में भोपाल ट्रेनर्स फोरम में विभिन्न सेक्टर्स के 40 ट्रेनर्स शामिल हुए। इस बार की बैठक की थीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से अवसर एवं चुनौतियों पर है। सभी एकमत है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को जितना जल्दी अपनाया जाएगा, उतना फायदेमंद है। मुख्य आयोजिका डॉ. संगीता कुमार ने कहा कि सभी ट्रेनर के माना कि बीते दशक इंटरनेट के थे अब आने वाले दशक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के होंगे। इसे चुनौती के रूप में न लेते हुए अवसर मानना चाहिए और सभी प्रोफेशनल को इसे अपने कार्य क्षेत्रों में उपयोग की ट्रेनिंग मिलना अनिवार्य होनी चाहिए। एआई पर सेशन आशुतोष मंगल ने कंडक्ट किया।

बबेले ने कहा, सेना के अभियान को प्रचार सामग्री बनाया

भोपाल। रेलवे रिजर्वेशन टिकट पर पीएम मोदी की फोटो के साथ ऑपरेशन सिंदूर के छपे संदेश पर कांग्रेस ने आपत्ति ली है। पूर्व सीएम कमलनाथ के मीडिया एडवाइजर पीयूष बबेले ने इसको लेकर भाजपा को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि रेलवे टिकट पर ऑपरेशन सिंदूर को विज्ञापन के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा से एक स्वस्थ परंपरा रही है कि सेना को राजनीतिक बहस से दूर रखा जाता है, लेकिन भाजपा इस परंपरा को तोड़ते हुए सेना के अभियान को भी प्रचार सामग्री बना रही है। बबेले ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं द्वारा पहले भी अनर्गल बयान दिए गए। किसी ने मंत्री रहते हुए तो किसी ने सांसद और विधायक रहते हुए गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी की।

रायसेन, सिरोंज और विदिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ

संघ शिक्षा वर्ग में शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का दिया जाएगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ, मध्यभारत प्रांत में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए तीन संघ शिक्षा वर्गों आयोजित किए गए हैं। इनमें मध्य भारत प्रान्त के संघ रचना के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं। तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं का वर्ग रायसेन, महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का वर्ग सिरोंज और 40 वर्ष से अधिक आयु के स्वयंसेवकों के लिए संघ शिक्षा वर्ग विशेष का आयोजन विदिशा में किया जा रहा है।

संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। इस दौरान स्वयंसेवक मोबाइल फ़ोन से भी पूरी तरह दूर रहते हैं।

तीनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग 17 मई से प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन 18 मई को किया गया। विदिशा के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन सर्वाधिकारी हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

वहीं, रायसेन में सर्वाधिकारी अशोक कुशवाह, प्रान्त कार्यवाह हेमन्त सेठिया एवं सह प्रान्त कार्यवाह संतोष मीणा ने वर्ग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिरोंज में महाविद्यालयीन विद्यार्थी संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी प्रहलाद सबनानी, वर्ग कार्यवाह त्रिवेश लोधी, वर्ग पालक सुरेन्द्र सिंह एवं प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने किया।

प्रांत के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण

15 दिन के वर्ग में युवा अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे

स्वयंसेवक मोबाइल फोन से भी पूरी तरह रहेंगे दूर

सामूहिक जीवन को समझने का अवसर है वर्ग : मीणा

रायसेन में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्रान्त सह कार्यवाह संतोष मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहां हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करना है और अपनी सुविधा से पहले सह-शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान रखना है।

बौद्धिक क्षमता बढ़ाते हैं वर्ग : दीक्षित

सिरोंज में प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग में हम विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, जिससे हमें संघ कार्य की स्पष्ट मिलती है। शारीरिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए तो जिम भी है, किन्तु बौद्धिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए कोई जिम नहीं होती। ये वर्ग कार्यकर्ता की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक को सांस्कृतिक एवं सामाजिक योद्धा बनना पड़ेगा और उसके लिए भारत को जानो, भारत की मानो और भारत के बनो।

यह प्रशिक्षण लेंगे स्वयंसेवक

इन वर्गों में स्वयंसेवक शारीरिक, बौद्धिक, व्यवस्था, प्रबंधन, सेवा और संस्कार के साथ-साथ योग-व्यायाम, दंड संचालन, नियुद्ध एवं खेलों के माध्यम से ना केवल शरीर को सबल बनाएंगे अपितु मानसिक रूप से भी सबल होने का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। विदिशा के वर्ग में प्रान्त के 183 स्वयंसेवक, रायसेन में 235 एवं सिरोंज में आयोजित वर्ग में 383 कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिन स्वयंसेवकों ने पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उनमें से चयनित कार्यकर्ताओं को वर्गों में भेजा जाता है।

समाज परिवर्तन का केंद्र बने शाखा : गुप्ता

विदिशा में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रान्त प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। जिनमे चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता हैं। वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं और अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि साधना कठिनता से सफल होती हैं। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि हमे अपने जीवन में देश भक्ति वैराग्य हमेशा बनाकर रखना चाहिए। समाज में शाखा की भूमिका जागरण श्रेणी के माध्यम से स्पष्ट हो सके और शाखा समाज परिवर्तन का केंद्र बन सके इसलिए हम वर्ग में प्रशिक्षण लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ग में स्वयंसेवकों को शाखा की सामाजिक भूमिका की संकल्पना की स्पष्टता, व्यवस्थापन का मूल तत्व (समय, व्यक्ति और कार्य) का प्रबंधन और संगठन की रीति-नीति का परिचय मिलेगा। उन्होंने स्वयंसेवकों को कहा कि वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हमारे जीवन में संघ संस्कार की अभिव्यक्ति का मानस बनाना चाहिए, समूह में काम करने का हमारा स्वभाव विकसित हो और संघ के वैचारिक अधिष्ठान हिंदुत्व, राष्ट्रीयता की स्पष्टता भी होनी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर देखा था नौकरी का विज्ञापन

नौकरी का झांसा दिया और जंगल में ले जाकर युवती से किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

पीड़िता ने इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देखा था, जिस पर दिए गए नंबर पर कॉल करने पर कॉलर ने खुद को राहुल साहू, निवासी अडभार बताया और दावा किया कि वह एक प्लांट में काम करता है और नौकरी दिलवा सकता है। पीड़िता ने बताया कि कल रायपुर से ट्रेन से रायगढ़ पहुंची, जहां कथित राहुल उसे स्टेशन से मोटरसाइकिल पर बैठाकर पूंजीपथरा क्षेत्र के एक प्लांट में ले गया। वह महिला को सरायपाली के जंगल में ले गया। और डरा-धमका कर दुष्कर्म किया और किसी से बताने पर बदनाम करने की धमकी भी दी। घटना के बाद महिला रात में ही महिला थाना पहुंची और पूरी जानकारी दी। थाना प्रभारी उप निरीक्षक दीपिका निर्मलकर ने तत्काल पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल को अवगत कराया।

बदबू आने पर हुआ मामले का खुलासा, पुलिस कर रही जांच

बुजुर्ग दंपति का तीन दिन पुराना शव मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में एक रिहायशी इलाके में बुजुर्ग दंपत्ति की तीन दिन पुरानी लाश मिलने से पूरे क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनो शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेज दिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक चक्रधर नगर क्षेत्र के कसेर

पारा में रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक गोपाल नगायच 75 साल और उसकी पत्नी की सरस्वती नगायच की तीन दिन पुरानी लाश आज उनके ही मकान में मिली। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि दो दिनों ये आसपास बदबू आ रही थी और बदबू अधिक बढ़ जाने और पिछले तीन दिनों ये यहां के मकान का दरवाजा नही खुलने की आशंका को देखते हुए जब मोहल्लेवासियों ने मकान का दरवाजा तोड़कर देखा तो मकान के अंदर बुजुर्ग की लाश आंधे मुंह पड़ी हुई थी और महिला की लाश बिस्तर में पड़ी हुई थी। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला बुजुर्ग के गिरकर और बुजुर्ग महिला की भूख से मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

नाबालिग गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

पहाड़ी पर मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

जिले के लखनपुरी गाड़ियापारा निवासी हरेश कुमार विश्वकर्मा पिता अशोक कुमार विश्वकर्मा शनिवार शाम करीब 4:30 बजे से लापता था। परिजनों ने युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि हरेश को आखिरी बार गांव के ही एक नाबालिग लड़के के साथ देखा गया था। शक के आधार पर पुलिस ने सोमवार सुबह 10 बजे नाबालिग से पूछताछ की। पूछताछ में नाबालिग ने कबूल किया कि उसने हरेश की हत्या कर दी है और शव को गाड़िया पहाड़ में फेंक दिया। इसके बाद पुलिस, ग्राम सरपंच और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंची, जहां हरेश का शव बरामद हुआ। दो दिन पुराना शव होने के कारण वहां तेज बदबू फैल चुकी थी। फिलहाल पुलिस ने नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया है और हत्या की वजह की जांच कर रही है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य संग्रहालय में इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का किया लोकार्पण

संग्रहालयों के तकनीकी उन्नयन से देश-दुनिया में मप्र की विशेष बनी है पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों के प्रति युवाओं की रूचि विकसित करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग जानकारियों का आकर्षक रूप से प्रस्तुतिकरण जरूरी है। धरोहरों के संरक्षण के लिए भी अद्यतन तकनीक का उपयोग जरूरी है। इस दृष्टि से राज्य संग्रहालय ने इमर्सिव एक्सपीरियंस सेंटर आरंभ करने का नवाचार समयानुकूल है। प्रदेश में स्मारकों और संग्रहालयों में दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का लोकार्पण किया तथा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों का भी वर्चुअल शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालयों की समृद्ध परंपरा में मप्र जिस प्रकार से कार्य कर रहा है, उससे देश-दुनिया में प्रदेश की विशेष पहचान बनी है।

सभी संभागों के स्कूल-कॉलेज विद्यार्थी राज्य संग्रहालय का भ्रमण अवश्य करें: सीएम

दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन की जानकारी ली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य संग्रहालय परिसर में आयोजित 'संग्रहालय मेला' के अंतर्गत पुरातत्व के संरक्षण और संवर्धन से संबंधित विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने उत्खनन उपकरण के प्रकार और कार्य सहित दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन की जानकारी प्राप्त की।

पर्यटकों के लिए अब भोपाल की यात्रा, राज्य संग्रहालय आए बिना अधूरी रहेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम बदलते दौर के भारत में रह रहे हैं। यह बदलाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है। संग्रहालय अब इतिहासकारों और शोधार्थियों के साथ-साथ जनसामान्य के लिए भी रूचि-आकर्षण और ज्ञानार्जन के केंद्र का रूप ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य संग्रहालय की सराहना करते हुए कि पर्यटकों के लिए अब भोपाल की यात्रा, राज्य संग्रहालय आए बिना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और पर्यटन विकास निगम संयुक्त रूप से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के संग्रहालय भ्रमण का संभागवार क्रम बनाएं, इससे विद्यार्थी, प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ेंगे और राज्य संग्रहालय की खुबियों से अधिक से अधिक लोग परिचित हो सकेंगे। प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला, मुद्रा व्यवस्था सहित संपूर्ण जीवन पद्धति उन्नत स्वरूप में थी। नवीनतम तकनीक से इनके संरक्षण और प्रस्तुतीकरण से हमारी समृद्ध धरोहर को वर्तमान और आगामी पीढ़ी की रूचि के अनुकूल बनाए रखने में मदद मिलेगी।

पुरातत्व से प्रकाशित 11 नवीन पुस्तकों का किया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र टूरिज्म बोर्ड के त्रैमासिक न्यूज लैटर ऑफबीट मप्र के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने संचनालय पुरातत्व से प्रकाशित 11 नवीन पुस्तकों का विमोचन भी किया। इसमें मिंड जिले का पुरातत्व, रतलाम जिले का पुरातत्व, बैतूल जिले का पुरातत्व, बड़वानी जिले का पुरातत्व, कटनी जिले का पुरातत्व, भोपाल के चित्रित्र शैलाश्रय, रायसेन के चित्रित्र शैलाश्रय, सहित संचनालय का कंजर्वेशन मैनुअल और नियम पुस्तिका शामिल है। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने संचालनालय पुरातत्व से जारी गतिविधियों की जानकारी दी।

राज्य व केंद्रीय योजना के तहत टीबी और एचआईवी पर जागरूकता कार्यक्रम

गुरुग्राम। देश की प्रतिष्ठित एसजीटी यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ इंडियन मेडिकल सिस्टम (आयुर्वेद) के साथ डिपार्टमेंट ऑफ आयुष, हरियाणा सरकार, और नेशनल ट्यूबरक्लोसिस एलिमिनेशन प्रोग्राम (एनटीईपी), केंद्र सरकार के सहयोग से टीबी और एचआईवी से रोकथाम के लिये जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ. अलका सिंह, उप-सिविल सर्जन और डिस्ट्रिक्ट टीबी अफसर डॉ. केशव और उनकी टीम और गुरुग्राम की जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. मंजू बांगड़ मौजूद रहीं। उन्होंने टीबी और एचआईवी की रोकथाम, निदान और उपचार रणनीतियों के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए व्याख्यान दिए। एसजीटी यूनिवर्सिटी के सलाहकार डॉ. श्यामलाल सिंघला, डीन एफएमएचएस डॉ. संजय और नोडल अधिकारी एसजीटी यूनिवर्सिटी डॉ. अमित एवं डीन, फैकल्टी ऑफ़ इंडियन मेडिकल सिस्टम (आयुर्वेद), प्रो. डॉ. अनिल शर्मा की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और समृद्ध किया। इस पहल का उद्देश्य गुरुग्राम जिले के 80 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, एसजीटी विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों और समुदाय को टीबी और एचआईवी से निपटने में प्रारंभिक पहचान और सहयोगी प्रयासों के महत्व के बारे में जागरूक किया।

चिंतन

हनक दिखा रहे बांग्लादेश को सबक सिखाना जरूरी

रणनीति

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

बांग्लादेश में जब तक शेख हसीना की सरकार थी, सब कुछ बेहतर चल रहा था। भारत-बंग्लादेश के संबंध शिखर पर थे। अगस्त 2024 में विद्रोह के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। उन्होंने भारत में शरण ली। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनाई गई और मोहम्मद यूनुस उसके मुखिया बने। उसके बाद बांग्लादेश की एंटी-इंडिया गतिविधियां बढ़ती गईं। कई बांग्लादेशी नेताओं ने भारत विरोधी बयान दिए और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू नेताओं को निशाना बनाया। इस वजह से दोनों देशों की तल्खी और ज्यादा बढ़ गई, इसके बाद भारत के ही रहमोकरम में अस्तित्व में आए बांग्लादेश ने चीन और पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी। वहां की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीन दौरे के दौरान उत्तर-पूर्व भारत को 'लैंडलॉक्ड' बताते हुए बांग्लादेश को समुद्र का एकमात्र संरक्षक बता दिया। यूनुस की चीन दौरे पर यह टिप्पणी एक तरह भारत द्वारा क्षेत्र की संपर्क क्षमता को कमतर आंकने के रूप में देखी गई। बात केवल यही तक खत्म नहीं हुई। सर्वविदित है कि भारत के शेष हिस्से से पूर्वोत्तर तक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के जरिए पहुंचा जा सकता है, जो सिर्फ 20 किमी. चौड़ा है। यह संकरा कॉरिडोर भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से हमेशा कमजोर कड़ी है, इसीलिए पिछले डेढ़ दशक में भारत-बांग्लादेश साझेदारी के तहत वैकल्पिक मार्गों की तलाश की गई थी, लेकिन नई बांग्लादेश सरकार के भारत विरोधी रुख के कारण यह योजना अब ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। बांग्लादेश ने 2024 के अंत से भारत से होने वाले व्यापार पर कई प्रतिबंध भी लागू कर दिए। इसके तहत प्रमुख लैंड पोर्ट से भारतीय यार्न के आयात पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई। चावल के निर्यात पर भी कड़े नियंत्रण लगाए गए। इसी तरह कागज, तंबाकू, मछली, और दूध पाउडर जैसे उत्पादों के आयात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। बांग्लादेश ने भारतीय मूल के अपने क्षेत्र से गुजरने पर अब प्रति टन प्रति किलोमीटर 1.8 टका का ट्रांजिट शुल्क भी लागू कर दिया है, जिसके चलते सामान की पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंच महंगी हो गई है। अब बारी भारत की थी। भारत ने सौ सुनार की और एक लोहार की रणनीति पर चलते हुए एक के बाद एक दो बड़े फैसले लिए हैं, जिससे अर्थिक रूप से बेहाल बांग्लादेश की कमर टूटनी तय है। भारत ने बांग्लादेश से होने वाले आयात पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने इसकी घोषणा की। भारत ने बांग्लादेश से कई उपभोक्ता सामानों के आयात पर लैंड बॉर्डर के माध्यम से रोक लगा दी है। इनमें शर्ट, पैंट, टी-शर्ट जैसे रेडिमेड गारमेंट्स, बिस्किट, चिप्स, कन्फेक्शनरी, स्नैक्स प्रोसेस्ड फूड आइटम, कार्बोनेटेड और एनर्जी ड्रिंक्स, बाल्टी, खिलौने, कुर्सियां जैसे प्लास्टिक उत्पाद कॉटन वेस्ट और इंडस्ट्रियल ग्रेड कॉटन बाय प्रोडक्ट, सोफा, बेड जैसे लकड़ी के फर्नीचर समेत अनेक चीजें शामिल हैं। ये प्रतिबंध बांग्लादेश की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था को और ज्यादा कमजोर कर सकते हैं। राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई लगभग 10-10.2 फीसदी, और कमजोर घरेलू मांग के कारण, वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट 3.8-4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो बांग्लादेश के लिए बड़ा झटका होगा। लाखों लोगों को रोजगार देने वाली गारमेंट इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित होगी। दूसरी और इसका सीधा लाभ भारतीय उद्योगों को होगा। ये प्रतिबंध भारत का बांग्लादेश को संदेश भी हैं कि व्यापार एक दूसरे के लाभ पर आधारित होना चाहिए। अगर वो किसी और मुगालते में है तो भारत सबक सिखाना भी जानता है। ये नया भारत है जैसे को तैसा जवाब देना जानता है।

आर्थिक दबाव से पस्त होगा पाक

यकीनन इस समय भारत के द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर से पस्त पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से पस्त करने की रणनीति आगे बढ़ाई जा रही है। हाल ही के दिनों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान को दिए जाने वाले नए कर्ज पर भारत के द्वारा एतराज जताने पर 18 मई को आईएमएफ ने पाकिस्तान के बेलआउट कार्यक्रम की निगरानी को और सख्त करते हुए अगली किश्त जारी करने से पहले 11 नई कड़ी शर्तें जोड़ दी हैं। पाक पर आर्थिक दबाव बनाने का भारत का प्रयास रंग लाया है।

उल्लेखनीय है कि भारत पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव की रणनीति के साथ पाकिस्तान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कठोरतापूर्वक परिपालन की डगर पर भी आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। इन दिनों जब पाकिस्तान बार-बार भारत से सिंधु जल संधि को स्थगित करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर रहा है, तब पूरी दुनिया में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन का यह वाक्य गुंजित हो रहा है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते हैं। संदेश साफ है कि अब भारत इस पर कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही अब भारत के द्वारा पाकिस्तान पर लगाए गए दमदार आर्थिक प्रतिबंधों से भी पाकिस्तान को पूरी तरह से पस्त करने की डगर महत्वपूर्ण हो गई है। चूंकि तनाव के इस दौर में चीन, तुर्किए और अजरबैजान न केवल पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़े रहे, बल्कि इन देशों ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति भी की, अतएव भारत इन देशों के सामानों के बहिष्कार और चीन से बढ़ते व्यापार घाटे को रोकने के लिए आयातों को नियंत्रित करने की नई रणनीति के साथ भी आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि सिंधु जल संधि में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की भूमिका सिर्फ मध्यस्थ की है और वह भारत की ओर से संधि के निलंबन पर कोई दखल नहीं देगा। ज्ञातव्य है कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि निलंबित की है। 6 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि पहले भारत के हक का पानी भी भारत से बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा। मोदी का यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब भारत ने आतंकी हमले के जवाब में 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। इससे पाकिस्तान की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। गौरतलब है कि सिंधु जल संधि के तहत करीब 80 फीसदी पानी पाकिस्तान को मिलता रहा है। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत के द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए अहम है, क्योंकि पाकिस्तान का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी पर पेयजल और खेती से बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। एक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। इस स्थगन से पाकिस्तान की

बौखलाहट साफ दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने के बाद भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बैराज से पानी के प्रवाह को रोक दिया है। झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध से ऐसे कदम उठाने की रणनीति बनाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि विगत 3 मई को भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के कारोबार पर पूरी तरह रोक लगा दी है। पाकिस्तान में तैयार या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के आयात और पाक को सभी प्रकार के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। यहीं नहीं जहां पाकिस्तान का झंडा लगे जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वहीं भारतीय ध्वज वाले जहाज पाकिस्तान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जाएंगे। सरकार ने पाकिस्तान से आने वाली सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं के आदान-प्रदान को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का भी निर्णय लिया है। यह निर्णय हवाई और जमीनी दोनों मार्गों पर लागू हुआ है। यह निर्णय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता दिखाई देगा, क्योंकि भारत से आयातित कई वस्तुओं का परिवहन डाक सेवाओं के जरिए भी किया जाता है। भारत ने अटारी लैंड-ट्रांजिट पोस्ट को भी तत्काल बंद कर दिया है। यदि हम भारत और पाकिस्तान के कारोबार को देखें तो पाते हैं कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच भारत ने पाकिस्तान को करीब 447.65 मिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया और भारत ने इस दौरान पाक से मात्र 0.42 मिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। इन आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि पाक को भारत के निर्यात रुकने से पाकिस्तान की घरेलू अर्थव्यवस्था मुश्किल में होगी और महंगाई बढ़ेगी। वहीं भारत में पाक से आयात रुकने पर भारत के बाजार और महंगाई पर कोई असर नहीं होगा। यह छोटी बात नहीं है कि दुनिया के उभरते हुए देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है। माह अप्रैल 2025 में जीएसटी का संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपये स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। पिछले वर्ष 2024-25 में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईएमएफ को दिए एक डॉक्यूमेंट में कहा है कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। आईएमएफ और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच संभावनाओं वाला देश है और वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। निःसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। सरकार द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। भारत में आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी।

पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पस्त करने और भारत को आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ाने के रणनीतिक प्रयत्नों के साथ यह भी जरूरी है कि पाक को खुले रूप से समर्थन दे रहे तुर्किए, अजरबेजान, बांग्लादेश और चीन के उत्पादों के बहिष्कार की रणनीति पर आगे बढ़ा जाए। चीन से आयात नियंत्रण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ देश के उपभोक्ताओं के द्वारा भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब भारत पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से भी पस्त करते हुए दिखाई देगा।

पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पस्त करने और भारत को आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ाने के रणनीतिक प्रयत्नों के साथ यह भी जरूरी है कि पाक को खुले रूप से समर्थन दे रहे तुर्किए, अजरबेजान, बांग्लादेश और चीन के उत्पादों के बहिष्कार की रणनीति पर आगे बढ़ा जाए। चीन से आयात नियंत्रण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ देश के उपभोक्ताओं के द्वारा भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब भारत पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से भी पस्त करते हुए दिखाई देगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

क्षमा करें और भूल जाएं

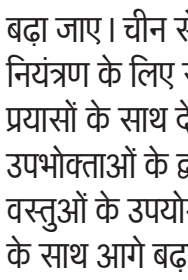

संकलित

दर्शन

जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है। हमारे ध्यान-अभ्यास में जो सबसे बड़ी बाधा है, वह है ऐसा कुछ होना जो हम नहीं चाहते और जिसे हम भुला नहीं पाते।

शुभ कार्य तत्काल करो

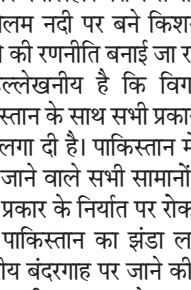

संकलित

प्रेरणा

कोई स्त्री अपने पिता के यहां से लौटी थी, अपने पति से कह रही थी -'मेरा भाई विरक्त हो गया है। वह अगली दीवाली पर दीक्षा लेकर साधु होने वाला है। अभी से उसने तैयारी प्रारंभ कर दी है। वह अपनी संपत्ति की उचित व्यवस्था करने में लगा है।' पत्नी की बात सुनकर पति मुस्कुराया। स्त्री ने पूछा–'तुम हंसे क्यों ? हंसने की क्या बात थी।!' पति बोला-'और तो सब ठीक है, किंतु तुम्हारे भाई का वैराग्य मुझे बहुत अद्भुत लगा। वैराग्य हो गया है दीक्षा लेने की तिथि अभी निश्चित हुई है और वह संपत्ति की उचित व्यवस्था में लगा है।'! भौतिक संपत्ति में बुद्धि और इस उत्तम काम में भी इतनी दूर की योजना! इस प्रकार की तैयारी करके त्याग नहीं हुआ करता। त्याग तो सहज ही हुआ करता है। स्त्री को बुरा लगा वह बोली -'ऐसे ज्ञानी हो तो तुम्हीं क्यों कुछ कर नहीं दिखाते।' 'मैं तो तुम्हारी अनुमति की ही प्रतीक्षा में था।' पुरुष ने वस्त्र उतार दिए और एक धोती मात्र पहने घर से निकल पड़ा। स्त्री ने समझा कि यह परिहास है। थोड़ी देर में उसका पति लौट आवेगा, परंतु वह तो लौटने के लिए गया ही नहीं था। सच है वैराग्य के लिए कोई तिथि नहीं सोची जाती। वैराग्य के लिए मन, कर्म और अपने विचार अपने नियंत्रण में होना जरूरी है। तभी हम वैराग्य के बारे में कल्पना कर सकते हैं।

जयंती

कृष्ण प्रताप सिंह

मानव को निरूपम बता गए पंत

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश/पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश। मेखलाकार पर्वत अपार/अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़/अवलोक रहा है बार-बार/नीचे जल में निज महाकार/ जिसके चरणों में पला ताल/दर्पण-सा फैला है विशाल! 'पर्वत प्रदेश में पावस' शीर्षक कविता की इन पंक्तियों के बाद यह जताने के लिए किसी और उद्धरण की आवश्यकता नहीं रह जाती कि जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा के साथ हिंदी के छायावाद काल के चार प्रमुख कवियों (आधारस्तम्भों) में से एक सुमित्रानंदन पंत (जिनकी आज जयंती है) प्रकृति के कैसे सुकुमार कवि हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं कि एकमात्र यह सुकुमारता ही उनकी विलक्षण कवि प्रतिभा का पता देती हो। हिंदी में प्रकृति के और भी कई प्रतिभासम्पन्न कवि हुए हैं, लेकिन उसके जैसे संश्लिष्ट चित्र पंत की रचनाओं में मिलते हैं, अन्यत्र दुर्लभ हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि प्रकृति के विकट आकर्षण में

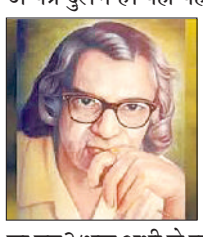

बंधे पंत अपनी काव्ययात्रा में एक ही जगह ठहरे नहीं रह जाते। एक समय जहां प्रकृति के प्रेम में पगे वे यह तक पूछ लेते हैं: छोड़ द्रुमों की मृदु छाया/तोड़ प्रकृति से भी माया/बाले! तेरे बाल-जाल में कैसे उलझा दूं लोचन/भूल अभी से इस जग को!/तज कर तरल तरंगों को/इन्द्रधनुष के रंगों को,/तेरे भ्रू भ्रंगों से कैसे बिंधवा दूं निज मृग-सा मन?/भूल अभी से इस जग को!, कई आलोचक इसे लेकर उनके रहते ही उनकी आलोचना किया करते थे। यह कहकर कि 'बाला का बाल जाल' और 'मानव' भी अंततः प्रकृति के ही अंग हैं और उन्हें इस तरह अलग करके देखना सहज कवि स्वभाव का परिचायक नहीं है, लेकिन उन्हें इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा। बहरहाल, माना जाता है कि पंत का प्रकृति प्रेम भी और सुकुमारता भी, उनकी प्राकृतिक सुषमा से सम्पन्न उस जन्मभूमि की देन हैं, जो उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में कौसानी गांव में स्थित है और अपने पर्वतीय प्राकृतिक सौन्दर्य, हिमानियों (ग्लेशियरों), नदियों और मन्दिरों वगैरह के लिए प्रसिद्ध है। कहते हैं कि अपनी जन्मस्थली के प्राकृतिक सौन्दर्य को पंत ने भरपूर आत्मसात कर रखा था। उनके गांव कौसानी में स्थित उनके घर को अब 'सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका' नाम के संग्रहालय में बदल दिया गया है और उसमें उनकी विभिन्न कृतियों की पांडुलिपियों के अलावा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का हिस्सा रही अनेक वस्तुएं संग्रहीत की गई हैं। उनके शुरुआती जीवन पर जाएं तो उनकी मां 20 मई,1900 को उन्हें जन्म देने के कुछ ही घंटों बाद इस संसार को छोड़ गई थीं। ऐसी विषम परिस्थिति में उनके लालन-पालन की जिम्मेदारी उनकी बूढ़ी दादी पर आ पड़ी थी, जिसे उन्होंने भरसक निभाया। उनके जन्म के बाद उन्हें गोसाईं दत्त नाम दिया गया था, लेकिन यह उनको पसंद नहीं था, इसलिए बाद में उन्होंने उसे बदलकर सुमित्रानंदन कर दिया। अल्मोड़ा में प्रारंभिक शिक्षा के बाद 1918 में वे अपने मंझले भाई के साथ काशी चले आए और प्रतिष्ठित क्वींस कॉलेज से मैट्रिक तक की पढ़ाई की। फिर प्रयाग चले गए और म्योर कॉलेज में प्रवेश लिया। वह बीसवीं शताब्दी का पूर्वार्ध था और चारों ओर स्वतंत्रता संघर्ष की धूम मची हुई थी। फिर वही भला इस संघर्ष से अलग कैसे रहते? 1921 में महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई के सिलसिले में असहयोग आंदोलन छेड़ा और अंग्रेजों की संस्थाओं व संस्थानों के संपूर्ण बहिष्कार का आह्वान किया तो पंत ने कालेज छोड़ दिया। 1916 से 1977 तक फैली उनकी कोई छह दशकों की इस यात्रा में कहा जाता है कि हिंदी कविता का एक समूचा युग समाया हुआ हुआ है और इसके मोटे तौर पर तीन चरण हैं। 1916 से 35 तक के पहले चरण में उन्होंने छायावादी काव्य रचा। दूसरे चरण में उन्होंने प्रगतिवादी काव्य लिखा, जबकि तीसरे चरण में अरविंद दर्शन के प्रभाव में आकर अध्यात्मवादी रचनाएं कीं। 1960 में उनको 'कला और बूढ़ा चांद' काव्य-संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से और 1968 में 'चिदंबरा' काव्य-संग्रह के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया और उन पर डाक टिकट जारी किया। 28 दिसंबर, 1977 को 77 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ तो हिंदी ने अपने एक युगांतरकारी कवि को खो दिया।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

देश की सुरक्षा पर मंडराता खतरा

कैथल से गिरफ्तार देवेंद्र सिंह पर आरोप है कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई संवेदनशील जानकारियां आईएसआई को दीं। यह व्यक्ति दो साल पहले पाकिस्तान के सिख धार्मिक स्थल ननकाना साहिब की यात्रा पर गया था, जहां उसकी मुलाकात आईएसआई एजेंटों से हुई। इसके बाद से वह धार्मिक यात्रा की आड़ में बार-बार ननकाना साहिब जाकर गुप्त सूचनाएं साझा करता रहा। हाल ही में, इसके पास से पंजाब के पठानकोट एयर बेस की खुफिया तस्वीरें भी बरामद की गई हैं, जो इसकी गहरी साजिश का प्रमाण हैं। यह घटना केवल एक व्यक्ति की गद्दारी तक सीमित नहीं है। देवेंद्र सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के समय कई महत्वपूर्ण जानकारियां आईएसआई तक पहुंचाई। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। – *संतोष जैन, धमतरी*

ट्रेंड

विचारों का अच्छा आदान-प्रदान

हेग में रणनीतिक विशेषज्ञों के साथ विचारों का अच्छा आदान-प्रदान हुआ। चर्चा की गई कि भारत और नीदरलैंड/यूरोपीय संघ को बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के युग में और अधिक गहराई से क्यों जुड़ना चाहिए।

-एस. जयशंकर, विदेश मंत्री

पश्चिमी तट की स्थिति पर सोचें

गाजा के अलावा, हमें कब्जे वाले पश्चिमी तट की भयानक स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विलय अवैध है। केवल दो-राज्य समाधान ही स्थायी शांति प्रदान कर सकता है: इज़राइल और फिलिस्तीन शांति और सुरक्षा के साथ-साथ रह रहे हैं।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

चुप्पी निंदनीय

विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी बयानबाजी नहीं है- यह निंदनीय है, इसलिए मैं फिर से पूछूंगा: हमने कितने भारतीय विमान खो दिए क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह अपराध था। देश को सच्चाई का हकदार होना चाहिए।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

ज्ञान हमेशा रहता है

अपने बच्चों को सिर्फ वो मत दीजिए जो आपके पास कभी नहीं था। उन्हें वो सिखाइए जो आपको कभी नहीं सिखाया गया। उपहार फीके पड़ जाते हैं। लेकिन ज्ञान? वो हमेशा के लिए रहता है।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

भारत विरोधी गतिविधियों के आरोप में ओसीआई रद्द

लंदन स्थित वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक ब्रिटिश कश्मीरी प्रोफेसर ने दावा किया है कि कथित भारत विरोधी गतिविधियों के कारण भारतीय अधिकारियों ने उनकी प्रवासी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) रद्द कर दी है। निताशा कौल ने सोशल मीडिया पर भारत सरकार से प्राप्त पत्र का विवरण पोस्ट किया, जिसमें उन पर 'दुर्भावना से प्रेरित होने और तथ्यों या इतिहास की पूर्ण अवहेलना' करने का आरोप लगाया गया है। यह घटनाक्रम फरवरी में उनके पिछले पोस्ट के बाद सामने आया है, जब शिक्षाविद ने कथित तौर पर बेंगलुरु में एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत में प्रवेश न करने देने को लेकर पलटवार किया था। कौल ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, 'जानती हूं कि नफरत के खिलाफ बोलने पर भारत में शिक्षाविदों को गिरफ्तार करना भारत के बाहर के शिक्षाविदों के लिए देश और परिवार तक पहुंच को खत्म करने से जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा, ''विचार यह है कि एक संकेत दिया जाए – हमें अंदर से चुनौती देने की हिम्मत मत करो और बाहर के लोगों को संदेश देने के लिए जो कुछ हो रहा है उसका विश्लेषण करने की हिम्मत मत करो।'

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

शाही जामा मस्जिद विवाद

इलाहबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की पुनरीक्षण याचिका खारिज की, अंतरिम आदेश हटाया, अब संभल कोर्ट में जारी रहेगा सर्वेक्षण

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

शाही जामा मस्जिद, संभल से जुड़े विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मस्जिद प्रबंधन समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ ही अब यह स्पष्ट हो गया है कि संभल की जिला अदालत में चल रही सर्वे संबंधी कार्यवाही जारी रहेगी। बता दें, संभल की अदालत ने अधिवक्ता आयुक्त के जरिये मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया। 13 मई को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

निचली अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था

संभल की अदालत ने अधिवक्ता आयुक्त के जरिए मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया

अदालत के फैसले के खिलाफ मस्जिद कमेटी सुप्रीम कोर्ट गई थी

पिछले साल नवंबर में शुरू हुआ था मामला

यह मामला 19 नवंबर 2024 को उस समय शुरू हुआ जब कुछ याचिकाकर्ताओं ने संभल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया कि मस्जिद का निर्माण 1526 में एक प्राचीन हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया था, जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार 'कल्कि' को समर्पित था। अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन समिति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल 2025 को मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट जाने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह के भीतर राज्य सरकार की स्टेटस रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा था।

मस्जिद को 1920 में संरक्षित स्मारक घोषित किया था

उच्च न्यायालय ने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने यह दलील कि मस्जिद से जुड़ा विवाद 1877 में निपटा लिया गया, इस चरण में स्वीकार्य नहीं है। 1920 में जुमा मस्जिद को 1904 के अधिनियम के तहत एक संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था। वादी ने 1920 में घोषित संरक्षित स्मारक में केवल प्रवेश का अधिकार मांगा है। इसलिए निचली अदालत के 19 नवंबर के आदेश में कोई हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

मस्जिद पक्ष को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने को कहा

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि हमने 19 नवंबर 2024 को याचिका दायर की थी, जिसके बाद अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। सर्वे दो चरणों में पूरा हुआ। मस्जिद पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया, जहां से उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा गया।

संविधान बलपूर्वक या धोखे से धर्म परिवर्तन का समर्थन नहीं करता

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को मुक्त भाव से अपने धर्म का अनुपालन और उसका प्रचार प्रसार करने का अधिकार देता है, लेकिन यह बलपूर्वक या धोखे से धर्म परिवर्तन का समर्थन नहीं करता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021' के तहत आरोपी चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज करते हुए की। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इन आरोपियों ने पैसा और मुफ्त इलाज की पेशकश कर लोगों का ईसाई धर्म में परिवर्तन करने का प्रयास किया। अदालत ने यह कहते हुए इस मामले को निरस्त करने से मना कर दिया कि ये आरोप गंभीर हैं। अदालत ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता, सामाजिक ताना-बाना को अवरुद्ध न करे और न ही व्यक्ति और सांप्रदायिक सौहार्द को खतरे में डाले, यह सुनिश्चित करने के लिए ये सीमाएं आवश्यक हैं।

खबर संक्षेप

कार और ट्रक की टक्कर में चार लोगों की मौत

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक राजमार्ग पर एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण उसपर सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर को चारमोशी राजमार्ग पर हुई। पीड़ित चारमोशी से आष्टी जा रहे थे, तभी 'यू-टर्न' लेते समय उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई।

टेंट पर गिरा बिजली का तार, दो की मौत

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में एक शोकसभा के दौरान टेंट पर बिजली का तार टूटकर गिर गया और करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना बालोतरा जिले में पचपदरा तहसील के उमरलाई गांव में हुई। एक घर में 40 से अधिक ग्रामीण शोक सभा के लिए घर पर एकत्र हुए थे। टेंट के ठीक ऊपर से गुजर रही केबल अचानक गिर गई।

मालगाड़ी की चपेट में दो लोग आए, एक की मौत

नोएडा। दनकौर थाना क्षेत्र के दनकौर रेलवे स्टेशन के पास फ्लाईओवर के नीचे रेलवे लाइन पर बैठे दो लोग सोमवार को मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी की याचिका खारिज की, कहा

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जहां दुनिया भर से शरणार्थियों को रखा जा सके

सजा पूरी होने के बाद देश से निर्वासन को चुनौती दी थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसमें उसने अपनी सजा पूरी होने के बाद देश से निर्वासन को चुनौती दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारत कोई 'धर्मशाला' नहीं है, जहां दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण दी जा सके। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए है? हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है जहां हम हर जगह से आए विदेशी नागरिकों को जगह दें। सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) से जुड़े होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम से जुड़े होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था

सुप्रीम कोर्ट का तर्क

हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे

भारत में बसने का अधिकार केवल भारतीयों को ही

याचिकाकर्ता तमिल युवक को अपने देश में जान का खतरा

2018 में एक ट्रायल कोर्ट ने तमिल युवक को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया और उसे 10 साल जेल की सजा सुनाई। 2022 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने उसकी सजा को घटाकर सात साल कर दिया। हालांकि, सजा पूरा होते ही उसने श्रीलंका वापस जाने से मना कर दिया। उसने दलील दी कि श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है इसलिए उसे भारत में शरणार्थी के तौर पर रहने की इजाजत दी जाए। उसने ये भी बताया कि उसकी पत्नी और बच्चे भी भारत में ही हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि श्रीलंकाई तमिल युवक वीजा पर यहां आया था। उसे अपने देश में जान का खतरा है। वह बिना किसी निर्वासन प्रक्रिया के तीन साल से हिरासत में है।

हम विदेशी नागरिकों का स्वागत नहीं कर सकते

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता से वकील से पूछा कि यहां बसने का आपका क्या अधिकार है? तो वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एक शरणार्थी और उसके पत्नी-बच्चे भारत में बस गए हैं। याचिकाकर्ता के इस तर्क पर न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि क्या भारत को दुनिया भर से शरणार्थियों की मेजबानी करनी है? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम हर जगह से विदेशी नागरिकों का स्वागत कर सकें।

तो अन्य देश चले जाएं

याचिकाकर्ता के वकील ने संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा) और अनुच्छेद 19 के तहत मामले पर बहस की थी। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता की हिरासत अनुच्छेद 21 का उल्लंघन नहीं करती है क्योंकि उसे कानून के अनुसार हिरासत में लिया गया था। अदालत ने बताया कि अनुच्छेद 19 केवल भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध है। अदालत ने पूछा कि यहां बसने का आपका क्या अधिकार है? जब याचिकाकर्ता के वकील ने जोर देकर कहा कि वह एक शरणार्थी है और श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है, तो अदालत ने उसे दूसरे देश में चले जाने के लिए कहा।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर की याचिका पर सुनवाई आज

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अशोका यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। इस याचिका में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एसोसिएट प्रोफेसर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया और कहा कि याचिकाओं को मंगलवार या बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। सिब्बल ने कहा उन्हें देशभक्ति वाले बयान के लिए गिरफ्तार किया गया है। चीफ जस्टिस ने कहा इसे कल या परसों सूचीबद्ध किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित मामले में दो प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद प्रोफेसर को रविवार को गिरफ्तार किया गया था।

जयराम रमेश ने फिर साधा केंद्र पर निशाना

कहा, केंद्र की ढकोसले वाली कूटनीति फेल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की विदेश नीति को कठघरे में खड़ा किया। भारत-पाकिस्तान तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का आतंकवाद विरोधी रुख वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए गठित किए गए विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं के शिष्टमंडल में 7 विपक्षी नेताओं को भी एकजुट दिखाने की जरूरत को क्षणिक, पाखंडपूर्ण और अवसरवाद करार दिया।

जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार की ढकोसले भरी कूटनीति पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि भारत को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पाकिस्तान के साथ एक ही तराजू में तौला जा रहा है, जो भारत की वैश्विक छवि के लिए अपमानजनक है। उन्होंने विश्वगुरु के नारे को पंचर गुब्बारे की संज्ञा दी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा की ध्रुवीकरण वाली घरेलू राजनीति ने भारत की अंतरराष्ट्रीय साख को भारी नुकसान पहुंचाया है।

कांग्रेस को गाली देना भाजपा की रणनीति

उन्होंने कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस, को 11 साल तक गाली देना और बदनाम करना भाजपा की रणनीति का हिस्सा रहा है, जिसने भारत की एकता और वैश्विक छवि को कमजोर किया। यह ध्रुवीकरण अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि को प्रभावित कर रहा है, जिससे भारत को पाकिस्तान जैसे देशों के साथ तुलना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 11 साल तक विपक्ष को निशाना बनाने के बाद अब मोदी को मजबूरन दलगत एकता की शरण लेनी पड़ रही है, लेकिन यह कोशिश केवल दिखावा है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि पहले एक सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए थी, जिसकी अध्यक्षता स्वयं प्रधानमंत्री को करनी चाहिए थी। यह बैठक सभी दलों को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय एकता प्रदर्शित करती और विदेश नीति पर सहमति बनाती।

कांग्रेस भारतीय सेना के साथ खड़ी

उन्होंने जोर दिया कि कांग्रेस भारतीय सेनाओं के साथ चट्टान की तरह खड़ी है, लेकिन भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा रही है। विदित हो कि केंद्र सरकार ने भारत के आतंकवाद विरोधी रुख को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित किए। ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, कतर, जापान, और अन्य देशों में जाएंगे। इनका नेतृत्व शशि थरूर (कांग्रेस), रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा (भाजपा), संजय झा (जदयू), कनिमोझी (डीएमके), सुप्रिया सुले (राकांपा), और श्रीकांत शिंदे (शिवसेना) करेंगे। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई, क्योंकि केंद्र ने उनके द्वारा सुझाए गए चार नामों (आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, राजा बरार, और नसीर हुसैन) को नजरअंदाज कर शशि थरूर को चुना।

रीवा में केंद्रीय विश्वविद्यालय और एनआईटी की मांग

भाजपा नेता गौरव तिवारी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की मुलाकात, पत्र सौंपा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा नेता गौरव तिवारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात करते हुए पत्र लिखकर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा को केंद्रीय विश्वविद्यालय और रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अपग्रेड करने की मांग की है। उन्होंने विंध्य क्षेत्र के शैक्षणिक विकास और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया है। तिवारी ने लिखा कि रीवा, अतीत में विंध्य प्रदेश की राजधानी रहा है, और यहां यूपी व बिहार से बड़ी संख्या में छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते हैं।

इंजीनियरिंग कॉलेज को एनआईटी में करें अपग्रेड

उन्होंने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को एनआईटी में अपग्रेड करने की भी आवश्यकता बताई। तिवारी ने कहा कि आरईसी दशकों से तकनीकी शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, लेकिन एनआईटी का दर्जा न मिलने से छात्रों को उच्च स्तरीय शोध और अवसरों से वंचित रहना पड़ रहा है। एनआईटी बनने से कॉलेज में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। उन्होंने शिक्षा मंत्री से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है।

6210 करोड़ मामले में ईडी की कार्रवाई

यूको बैंक के पूर्व चेयरमैन एसके गोयल गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोलकाता जोनल ऑफिस की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए यूको बैंक के पूर्व सीएमडी सुबोध कुमार गोयल को 16 मई को दिल्ली स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कंकास्ट स्टील एंड पावर लि. को अनुचित लाभ पहुंचाने में की गई।

सीबीआई की एफआईआर पर हुई जांच

इस मामले की जांच सीबीआई के द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें कंकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड को यूको बैंक सहित कई बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज में भारी हेराफेरी और गबन का आरोप है। ये घोटाला करीब 6210.72 करोड़ रुपए (बिना ब्याज) का है। सुबोध कुमार गोयल के कार्यकाल में यूको बैंक द्वारा सीएसपीएल को भारी क्रेडिट सुविधाएं दी गई थीं, जिन्हें बाद में जानबूझकर गलत तरीके से डायवर्ट और गबन किया गया।

अमित शाह ने ओसीआई का नया पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) का नया पोर्टल लॉन्च किया। इस पोर्टल का उद्देश्य ओसीआई कार्ड धारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना और उनके अनुभव को सुधारना है। अमित शाह ने कहा कि नए ओसीआई पोर्टल के लॉन्च होने से ओसीआई कार्ड धारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और उनके अनुभव को सुधारने में मदद मिलेगी। पोर्टल में नवीनतम तकनीकी प्रगति का उपयोग किया गया है, जिससे यह अधिक सुरक्षित और उपयोगकर्ता-मित्र हो। नए पोर्टल के माध्यम से ओसीआई कार्डधारक आसानी से आवेदन और नवीनीकरण कर सकते हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार, पिछले एक दशक में हुई महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति और ओसीआई कार्डधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया को देखते हुए मौजूदा कमियों को दूर करने और उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक नया ओसीआई पोर्टल विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने राखीगढ़ी के विकास को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

मुख्यमंत्री नायब ने राखीगढ़ी में 20 करोड़ लागत की तीन विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिन्धु घाटी सभ्यता के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी में स्थापित संग्रहालय एवं व्याख्यान केंद्र में 20 करोड़ लागत की तीन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें विश्रामगृह, छात्रावास तथा कैफेटेरिया शामिल हैं। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और लोक निर्माण एवं जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भ्याणा, रणधीर पनिहार, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, विरासत एवं पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, पुरातत्व विभाग के निदेशक अमित खत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री ने आईकोनिक स्थल राखीगढ़ी पर तैयार की गई पुस्तिका का भी विमोचन किया।

विद्यार्थियों को शानदार सुविधाएं मिलेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्रामगृह, कैफेटेरिया तथा हॉस्टल बनने से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों तथा विद्यार्थियों को शानदार सुविधाएं मिलेंगी। 17 कमरों वाला रेस्ट हाउस आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। हॉस्टल में विद्यार्थियों के ठहरने के लिए 13 डोरमैट्री बनाई गई हैं। इसके अलावा डाइनिंग हॉल की सुविधा भी रहेगी।

राखीगढ़ी के विकास को लेकर हुई बैठक

मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री ने राखीगढ़ी के विकास को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और राखीगढ़ी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राखीगढ़ी संग्रहालय एवं व्याख्यान केंद्र का निमार्ण कार्य तेजी से पूरा किया जाए। पुरातात्विक साइटों पर शेड का निर्माण करवाया जाये ताकि उत्खनन कार्य साल के 12 महीने निरंतर चल सके।

राखीगढ़ में करीब 8000 वर्ष पूर्व मानव सभ्यता के पुख्ता प्रमाण मिले

शेखावत ने कहा कि राखीगढ़ी में 1960 के बाद विभिन्न चरणों में हुई खुदाई के दौरान जो अवशेष मिले हैं, उनसे प्रामाणिक रूप से सिद्ध हो जाता है कि लगभग 8000 वर्ष पूर्व यहां मानव सभ्यता विकसित रूप में निवास कर रही थी। यहां खुदाई में मिले सभ्यता और सभ्यता के विकास के पुख्ता प्रमाण बताते हैं कि पूरे विश्व में भारत की सभ्यता सबसे प्राचीन है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने राखीगढ़ी को प्रमुख पर्यटन केंद्र और पुरातात्विक अध्ययन एवं इतिहासकारों के शोध के लिए विकसित करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है।

हरियाणा सरकार का काम बेहद उत्तम

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने यहां पर जो भी कार्य किया है उसकी योजना और गुणवत्ता बेहद उत्तम है। इसके अलावा, हिसार की ही एक अन्य पुरातात्विक साइट अग्रोहा जहां अभी भी उत्खनन चल रहा है। इन जैसे सभी स्थलों को एकीकृत करके यहां सिंधु सरस्वती की सभ्यता का केंद्र बनाने पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा हुई है और सभी योजनाओं को आगामी दो साल में पूरा कर लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र ने इससे पहले, पुरातात्विक स्थलों का दौरा किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री सैनी और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यहां खुदाई के दौरान अब तक प्राप्त हड़प्पा कालीन वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में हड़प्पा कालीन बच्चों के खिलौने, टैराकोटा छकड़ा गाड़ी का पहिया, ढीए, टैरा कोटा मनके, मालाएं इत्यादि वस्तुओं को रखा गया।

पांच साल के अलगाव के बाद किया नया अध्याय शुरू

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के संबंधों में नया अध्याय रक्षा समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶| लंदन

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने पांच साल बाद के अलगाव के बाद आयोजित पहले औपचारिक शिखर सम्मेलन में सोमवार को रक्षा सहयोग एवं व्यापार को आसान बनाने से संबंधित नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही दोनों पक्षों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई।

ब्रिटेन वर्ष 2020 में यूरोपीय संघ को अपने लिए नुकसानदेह बताते हुए इससे अलग हो गया था। उस घटनाक्रम को 'ब्रेक्जिट' कहा जाता है। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने यहां यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लिएन और यूरोपीय संघ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा कि ये समझौते लालफीताशाही को कम करेंगे, ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे और यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करेंगे।

ब्रिटेन वैश्विक मंच पर वापस आया

स्टार्मर ने कहा, "ब्रिटेन एक बार फिर वैश्विक मंच पर वापस आ गया है। यह सौदा दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है।' यूरोपीय संघ की कार्यकारी इकाई यूरोपीय आयोग की प्रमुख लिएन ने इस वार्ता को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि वैश्विक उठापटक के इस दौर में यह समझौता संदेश देता है कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ वैश्विक मंच पर साथ खड़े होने वाले स्वाभाविक साझेदार हैं।

ब्रेक्जिट से पीछे हटने की आलोचना

हालांकि, ब्रिटेन के विपक्षी दलों ने इन समझौतों को ब्रेक्जिट से पीछे हटने का संकेत बताते हुए आलोचना की। कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बेडनोच ने कहा, "हम एक बार फिर ब्रसेल्स से तय नियमों का पालन करने वाले बन रहे हैं।" यूरोप के 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ का मुख्यालय ब्रसेल्स में स्थित है।

- व्यापार को आसान बनाने नए समझौतों पर हस्ताक्षर
- ब्रिटेन 2020 में यूरोपीय संघ से अलग हुआ था
- ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ को अपने लिए नुकसानदेह बताया था

रक्षा और सुरक्षा साझेदारी पर सहमति बनी

दोनों पक्षों के बीच एक रक्षा और सुरक्षा साझेदारी पर सहमति बनी है। इससे ब्रिटेन को यूरोपीय संघ के 150 अरब यूरो (170 अरब डॉलर) के रक्षा ऋण कार्यक्रम तक पहुंच मिल सकेगी। इसके साथ सीमाओं के पार खाद्य व्यापार को आसान बनाने के लिए पशुओं एवं पौधों के उत्पादों पर कुछ जांच हटाने और ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र में यूरोपीय संघ के मछली पकड़ने वाले जहाजों को अनुमति देने वाले समझौते को 12 साल के लिए बढ़ाने पर भी सहमति बनी है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा साझेदार

यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार होने के बावजूद ब्रिटेन के उत्पादों को ब्रेक्जिट के बाद से अधिक कठोर सीमा जांच, अधिक कागजी कार्रवाई और अन्य गैर-शुल्क बाधाओं के कारण निर्यात में 21 प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा है।

भारत और अमेरिका के साथ भी समझौता

पिछले साल जुलाई में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही स्टार्मर यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने की कोशिश में लगे रहे हैं। स्टार्मर का मानना है कि इसे इस तरह से सुधारा जाए कि व्यापार को बढ़ावा और सुरक्षा को मजबूती मिले। ब्रिटेन ने हाल ही में भारत और अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की घोषणा की है।

सस्ते कर्ज प्राप्त करने की मिलेगी अनुमति

रक्षा समझौता ब्रिटेन के रक्षा उद्योग को सैन्य उपकरण खरीदने के लिए एक नए यूरोपीय संघ ऋण कार्यक्रम से सस्ते कर्ज प्राप्त करने की अनुमति देगा। इससे यूक्रेन की आंशिक रूप से आत्मरक्षा में मदद की जा सकेगी। व्यापार समझौतों से कुछ खाद्य आयात और निर्यात पर नियमित सीमा जांच और लागत में कमी आएगी और माल का स्वतंत्र रूप से प्रवाह आसान हो सकेगा।

जीईएम-सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास : गोयल

नई दिल्ली। सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है।

एसबीआई का रिकॉर्ड 9.2 अरब डॉलर का मुनाफा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- अपेक्षाकृत छोटे डिजिटल समूह के कारण
- रिलायंस व ओएनजीसी के बाद तीसरी बड़ी कंपनी बनी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज किया। इसके साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज और ओएनजीसी के बाद एसबीआई तीसरी ऐसी भारतीय कंपनी बन गई है, जो शुद्ध लाभ के लिहाज से दुनिया की शीर्ष 100 कंपनियों में शामिल है।

हालांकि, भारत के जानेमाने विपणन रणनीतिकार राजेंद्र श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि एसबीआई के मुनाफे का बड़ा हिस्सा अपेक्षाकृत छोटे डिजिटल समूह के कारण है। भारत के सबसे बड़े बैंक के मुनाफे में प्रभावशाली वृद्धि कई साल पहले शुरू हुई एक डिजिटल पहल 'योनो' के चलते है। आज योनो के 7.4 करोड़ से ज्यादा पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। इस मंच ने अपनी शुरुआत से 3.2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के ऋण जारी किए हैं और बैंक के खुदरा ऋण में इसका अहम योगदान है। इस मंच पर रोजाना एक करोड़ से ज्यादा लॉगइन हैं और एसबीआई के बचत खाते के 65 प्रतिशत लेनदेन अब योनो के जरिये होते हैं। श्रीवास्तव ने लिखा, "एसबीआई 50 करोड़ से अधिक खातों के जरिये सेवाएं देता है, जो इसे ग्राहक आधार के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा बैंक बनाता है। हालांकि, इनमें से केवल 7.4 करोड़ (लगभग 14 प्रतिशत) खाते ही योनो उपयोगकर्ता हैं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही गिरावट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 271 अंक और टूट गया। मूडीज रेटिंग्स के अमेरिका की साख घटाये जाने के बीच वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के साथ आईटी और बैंक शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 271.17 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,059.42 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 366.02 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 74.35 अंक की गिरावट के साथ 24,945.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। क्षेत्रवार देखा जाए तो रियल्टी, औषधि ओर वाहन शेयरों में तेजी रही जबकि आईटी शेयर नुकसान में रहे।

- सेंसेक्स 271 अंक टूटा और निफ्टी 74 अंक नीचे आया
- मूडीज ने अमेरिका की साख घटाने से कमजोर रुख रहा

निवेशकों ने की मुनाफावसूली : मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, "एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच निवेशकों ने आईटी, पूंजीगत सामान और तेल एवं गैस शेयरों में मुनाफावसूली की। इससे कारोबार के दौरान ज्यादातर समय बाजार नुकसान में रहा।

आईआईएल की मप्र में 200 करोड़ के कारोबार पर नजर

इंदौर। कृषि रसायन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंसेक्टिसाइड्स इंडिया लिमिटेड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान मध्यप्रदेश में अपने कारोबार को बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। आईआईएल के प्रबंध निदेशक राजेश अग्रवाल ने इंदौर में ''पीटीआई-भाषा'' को बताया, /"मध्यप्रदेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारे अनुमान के मुताबिक सूबे में बीते वित्त वर्ष के दौरान सभी कंपनियों के करीब 2,000 करोड़ रुपये के कृषि रसायन बिके।

सेबी ने मेहुल चोकसी को 2.1 करोड़ रुपए का नोटिस भेजा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को गीतांजलि जेम्स लि. के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन के मामले में 2.1 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए नोटिस भेजा है। नियामक ने 15 दिन के भीतर भुगतान करने में विफल रहने पर संपत्ति के साथ-साथ बैंक खाते भी कुर्क करने की चेतावनी दी है। चोकसी के जनवरी, 2022 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में विफल रहने के बाद यह मांग नोटिस भेजा गया है। गीतांजलि जेम्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक होने के साथ-साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा रहे चोकसी, नीरव मोदी के मामा हैं। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पीएनबी घोटाला 2018 की शुरुआत में सामने आने के बाद चोकसी और मोदी भारत से फरार हो गये थे।

मैजिकनाउ खाद्य वितरण कारोबार में 20% मदद देगा

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर ई-कॉमर्स सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी मैजिकपिन को उम्मीद है कि उसकी त्वरित वाणिज्य शाखा मैजिकनाउ 2025-26 के दौरान कुल खाद्य वितरण कारोबार में 20 प्रतिशत का योगदान देगी। मैजिकनाउ की शुरुआत सितंबर 2024 में हुई थी, और कंपनी के कुल खाद्य वितरण कारोबार में उसकी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, ''मैजिकनाउ - 15 मिनट में सामान पहुंचाने वाली सेवा - पहले ही हमारे कुल खाद्य वितरण कारोबार में 13 प्रतिशत का योगदान दे रही है।

जीईएम जल्द ही दर अनुबंध वैश्विक निविदा सुविधाएं जोड़ेगा

नई दिल्ली। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) लचीलापन और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर जल्द ही दर अनुबंध और वैश्विक निविदा सुविधाओं को जोड़ने पर काम कर रहा है। फिलहाल ये सुविधाएं जीईएम पोर्टल पर नहीं हैं।वैश्विक निविदा कार्यक्षमता से अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं या विदेशी विक्रेताओं से लेनदेन संभव हो सकेगा। इसी तरह दर अनुबंध के तहत सरकारी खरीदार एक तय अवधि में पूर्व निश्चित कीमतों पर सामान और सेवाएं खरीद सकेंगे। ऐसे में बार-बार बोली लगाने की जरूरत कम हो जाएगी।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATA MOTORS
REG. NO. NL01AC3768-YOM- 2018
2) TATA -T1918COGD
ENG. NO. NL01AC3751-YOM-2018
3) TATA MOTORS -T1918CBCN
REG. NO. NL01AC3750-YOM -2018
4) TATA MOTORS -T1918CBCN
REG. NO. NL01AC3774-YOM-2018
5) TATA MOTORS -TATATLPT1512
REG. NO. NL01AC3764-YOM-2018

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 3 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL–raman.ahuja@kotak.com

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बड़वाहा, जिला-खरगोन (छ.ग.)
अपील प्रकरण क्र./0076/अपील/2024-25
(जाहिर सूचना)
बसुबाई पति शिवराम पुत्री कन्या, निवासी चित्तमोड़ कासकार ग्राम कटघडा, तहसील बड़वाह, जिला-खरगोन (छ.ग.)...अपीलार्थी
विरुद्ध
रोहित पिता हरगोविन्द खैतान, निवासी डी -74, आकवुड स्टेट आकाशनीम मार्ग डीएलएफ सिटी -2 सिकन्दरपुर घोसी (68) गुड़गॉव हरियाणा 122002 एवं अन्य -15 .....प्रत्यर्थी गण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी द्वारा तहसीलदार बड़वाह के राजस्व प्रकरण क्रमांक / 0335 /अ-6 /2021-22 में पारित आदेश दिनांक 30.03.2022 से असंतुष्ट होकर इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई है जिसमें दिनांक 27-05-2022 नियत है।

अत: इस जाहिर सूचना के जरिये प्रत्यर्थी -1 रोहित पिता हरगोविंद खैतान निवासी डी-74 ऑकवुड स्टेट आकाश नीम मार्ग डी.एच.एफ.सी.टी.-02 सिकन्दरपुर घासी गुड़गांव, हरियाणा, रोहित पिता हरगोविन्द खैतान निवासी 4111 फस्ट फ्लोर डी.एल.एफ फेस-01 सेक्टर-26 ए गुरूग्राम, हरियाणा को सूचित किया जाता है कि आप नियत पेशी दिनांक 27-05-2025 को प्रात: 11-00 बजे आप स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित रहें। अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

सूचित हो।
दिनांक -04-2025
(सत्यनारायण दर्रो)
अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व)

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मोटोरोला ने लॉन्च किया रेज़र 60 अल्ट्रा, दुनिया का सबसे पावरफुल एआई फ्लिप फोन

नई दिल्ली। मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा दुनिया का सबसे शक्तिशाली एआई फ्लिप फोन है, जो स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर और सबसे एडवांस्ड मोटो एआई फीचर्स जैसे लुक एंड टॉक, साथ ही प्रमुख एआई असिस्टेंट्स जैसे परप्लेक्सिटी, माइक्रोसॉफ्ट को-पायलट और गूगल जेमिनीके इन-बिल्ट सपोर्ट के साथ आता है। 3nm स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म के साथ, मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा सबसे शक्तिशाली फ्लिप फोन है, जो समर्पित एआई प्रोसेसिंग इंजन के कारण बेहतर सीपीयू, जीपीयू, और एनपीयू प्रदर्शन देता है। मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा दुनिया का सबसे एडवांस्ड एआई फ्लिप फोन है, जिसमें ऑन-डिवाइस मोटोएआई और एक समर्पित एआई की शामिल है। लुक एंड टॉक फीचर के साथ, यूज़र्स केवल फोन की ओर देखकर इसे अनलॉक कर सकते हैं और बिना हाथों के बातचीत शुरू कर सकते हैं। त्वरित सवालों से लेकर छूटी हुई नोटिफिकेशन्स तक, सब कुछ बड़ी आसानी से किया जा सकता है। मोटोरोला रेज़र 60 अल्ट्रा दुनिया का पहला स्मार्टफोन है जिसमें अल्कांतारा अल्ट्रा-प्रीमियम सुएड-जैसी फिनिश है।

रसना ने हर्शे इंडिया से जम्पिन ब्रांड का किया अधिग्रहण

एजेंसी ▶▶| मुंबई

त्वरित पेय उत्पाद बनाने वाली कंपनी रसना ने सोमवार को रेडी-टू-ड्रिंक श्रेणी में विस्तार के लिए हर्शे इंडिया से जम्पिन ब्रांड का अधिग्रहण करने की घोषणा की। हालांकि, रसना ने जम्पिन ब्रांड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए भुगतान की गई राशि का खुलासा नहीं किया। लेकिन इसने संकेत दिया कि स्वतंत्र एजेंसियों ने जम्पिन ब्रांड का मूल्य 350 करोड़ रुपये आंका है। रसना के चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने कहा कि कंपनी ने हर्शे से केवल ब्रांड का अधिग्रहण किया है, विनिर्माण परिसंपत्ति का नहीं। कंपनी आगे भी उसी विनिर्माण इकाई का इस्तेमाल करेगी।

राशिफल

मेष भवन की साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष आय के स्रोत बनेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र की स्थिति में सुधार होगा। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

मिथुन खर्च बढ़ेंगे। शैक्षिक कार्यों में व्यवस्तता बढ़ सकती है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। तनाव में कमी आएगी।

कर्क कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

सिंह नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। कारोबार के विस्तार में भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

कन्या बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। सेहत का ध्यान रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का सानिध्य मिलेगा।

तुला नौकरी में परिवर्तन के साथ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें। सेहत का ध्यान रखें।

वृश्चिक पिता का सानिध्य मिलेगा। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार से आय में वृद्धि होगी। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यात्रा के योग हैं।

धनु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। सचेत रहें। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

मकर मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव रहेगा।

कुंभ मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। यात्रा पर भी जा सकते हैं। बौद्धिक कार्यों से धनार्जन के साधन बन सकते हैं। परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

मीन सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की स्थिति मन में रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। आय की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

सोना 580 रु.चढ़ा, चांदी में 500 रु.की तेजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 580 रुपये बढ़कर 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इसी के साथ सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 580 रुपये बढ़कर 96,580 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। इससे पहले के कारोबारी सत्र में यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा, ''इसी समय, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल 4.5 प्रतिशत के करीब पहुंच रहा है।

चांदी 98,500 रुपये प्रति किलोग्राम : मेहता ने कहा कि इस कदम से सोने में दिलचस्पी फिर से बढ़ गई है, क्योंकि निवेशक अमेरिकी 'ट्रेजरी बिलों' में निवेश कम कर रहे हैं और सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, चांदी 500 रुपये बढ़कर 98,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

दो सप्ताह में आएंगे छह कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में प्राथमिक बाजार से धन जुटाने की गतिविधियां सुस्त रहने के बाद इस महीने छह कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आ रहे हैं। इन आईपीओ के जरिये कुल 11,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाई जाएगी। निवेश बैंकिंग सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अगले कुछ दिनों में प्रतिभूति बाजार में दस्तक देने वाली कंपनियों में 'द लीला' होटल श्रृंखला का संचालन करने वाली श्लॉस बेंगलोर लिमिटेड भी शामिल है। इसकी शुरुआत इस सप्ताह बोराना वीव्स और बेलराइज इंडस्ट्रीज के आईपीओ के साथ होगी। बोराना वीव्स 20 मई को 144 करोड़ रुपये का आईपीओ जारी करेगी, जबकि पुणे स्थित बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 मई को खुलेगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना– ई – टेंडरिंग द्वारा निविदा आमंत्रण (ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली)

क्र. सं.	निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1	32-W-BR-73-53-SIDEPATHWAY Dt. 19.05.25	अधि. अभि. पुल लाइन/मुगदाबाद के क्षेत्राधिकार के ब्रिज नंबर – 53 SL (1x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –73 SL (8x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –79 SL (1x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –87 SL (4x18.30 मीटर, ब्रिज नंबर –89 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –90 SL (5x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –91 SL (4x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर–92 SL (8x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर–93 SL (4x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर – 96 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –98 SL (3x18.30 + 2x9.15 मीटर) और ब्रिज नंबर – 99 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर – 155 SL (1x45.70 मीटर) के साइड पाथवे का प्रावधान।	₹ 29866583.93	₹ 299300/-

कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 महीने	निविदा जमा करने व खुलने का समय	दिनांक 13.06.2025 को 15.00 बजे तक तथा इसी दिनांक में निविदा खुलने का समय 15:00 बजे के पश्चात।

नोट: उपरोक्त निविदा प्रपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है जहां से विवरण निविदा व्याख्या को देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1466/25

शब्द पहेली - 5872

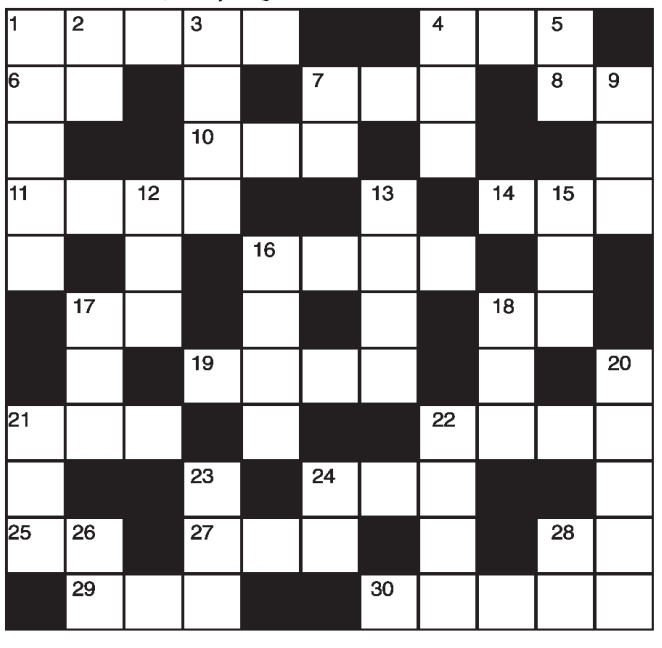

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत–5
4.जिसे सुनाई न दे–3
6.मां का भाई–2
7.एकमात्र,सिर्फ एक–3
8.अधिकार–2
10.सिर झुकाना–3
11.दुर्घटना–4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ–3
16.राजदार–4
17.राजा की पत्नी–2
18.वीज, वीर्य–2
19.मीठा पेय पदार्थ–4
21.पानी की बूंद–3
22.अवरोध,बाधा–4
24.मैला,अस्वच्छ–3
25.पानी,जल–2
27.पुत्र,लड़का–3
28.लाश,पार्थिव देह–2
29.थकावट–3
30.मन मोहने वाला–5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी–5
2.अस्थमा–2
3.राज्य,सल्तनत–4
4.तन,काया,देह–3
5.रास्ता,मार्ग–2
7.नखरा,भुगतान–2
9.डोली उठाने वाले–3
12.बिजली,विद्युत रश्मि–3
13.भद्रता,नेकनियत –4
15.कमल,पंकज–3
16.बुखरा,ज्वर ताप–4
17.आराम,मदद–3
18.घना वन–3
20.मन को भाने वाला –2,3
21.कथा,गाथा–3
22.कहासुनी–4
23.मनन करना–3
24.शराब–2
26.घोड़ागाड़ी–2
28.बढ़ावा देना–2

शब्द पहेली-5871 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	व		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

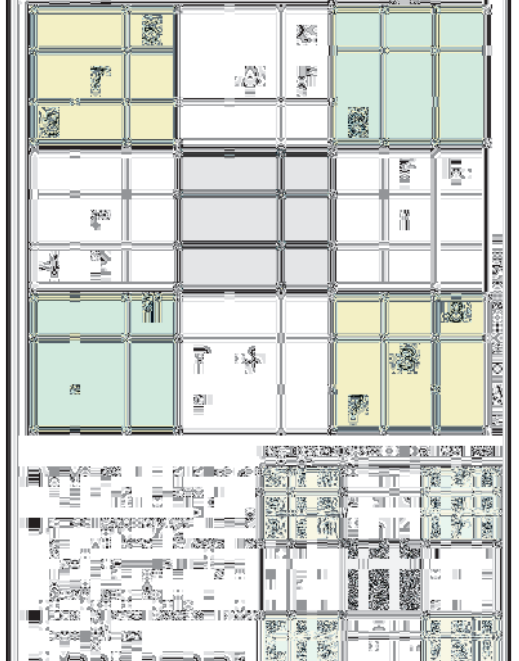

पंजाब के लिए बुरी खबर, कप्तान अय्यर हो सकते हैं बाहर, उंगली में लगी चोट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 मैच में फील्डिंग नहीं करने के पीछे की वजह बताई है। रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 25 गेंदों में 30 रन बनाए। हालांकि, दूसरी पारी में वह मैदान पर नहीं उतरे और उनकी जगह शशांक सिंह ने कप्तानी संभाली।

मैच के बाद अय्यर ने बताया कि अभ्यास सत्र के दौरान उनकी तर्जनी उंगली पर चोट लग गई थी, जिसके कारण वह फील्डिंग नहीं कर सके। उन्होंने कहा, 'यह उंगली की चोट है (अपनी तर्जनी की ओर इशारा करते हुए)। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ है। कल अभ्यास के दौरान मुझे चोट लगी थी, अब मुझे जांच करानी होगी कि समस्या क्या है।'

अय्यर के नाम जुड़ा रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास में तीन अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया था, 2020 में टीम को फाइनल तक ले गए थे। बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2024 में फाइनल में पहुंचे और अब पंजाब किंग्स को 2025 में प्लेऑफ में पहुंचाया है।

मैदान के बाहर से टीम को देते रहे निर्देश

अय्यर मैदान के बाहर से टीम को निर्देश देते रहे और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते रहे। उन्होंने कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों को सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज बनाए रखने का संदेश दे रहा था। आप कभी-कभी महसूस करते हैं कि खेल हाथ से निकल गया है, लेकिन मैं हर खिलाड़ी पर गर्व करता हूं कि उन्होंने साहसिक रवैया दिखाया।' इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने 10 रन से मुकाबला जीतकर प्लेऑफ़ में जगह बना ली।

नाइट राइडर्स ने शुक्ला, आरसीबी ने मुजरबानी को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग ने सोमवार को कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने खिलाड़ियों के विकल्प के तौर पर क्रमशः शिवम शुक्ला और ब्लेसिंग मुजरबानी को चुना है। पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके नाइटराइडर्स ने शेष मुकाबलों के लिए रोवमैन पावेल की जगह शुक्ला को टीम में शामिल किया है। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर पावेल को अपने टॉन्सिल की सर्जरी करानी है। लेग स्पिनर शुक्ला घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए खेलते हैं और 30 लाख रुपये में नाइट राइडर्स से जुड़ेंगे। इस बीच आरसीबी ने लुंगी एनगिडी की जगह मुजरबानी को चुना है। एनगिडी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल हो गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मुजरबानी ने अब तक 70 टी20 मैच खेले हैं और 78 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टेस्ट और 55 एकदिवसीय मुकाबलों में भी जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया है। वह 75 लाख रुपये में आरसीबी से जुड़ेंगे।

खास खबर

नीरज अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने को तैयार

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग का मानना है कि 90 मीटर की 'मानसिक बाधा' को पार करने के बाद सुपरस्टार नीरज चोपड़ा अब अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे जिससे कि वह ऐसे कार्य कर सकें जिन्हें पहले उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। नीरज ने शुक्रवार को दोहा डाइमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास से 90 या इससे अधिक दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की एलीट सूची में जगह बनाई। नारंग ने कहा, 'अब वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं।' एक सीमा, वह मानसिक बाधा जो शायद कुछ समय से उनके दिमाग में चल रही थी, अब टूट गई है।'

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	9	3	18
बेंगलुरु	12	8	3	17
पंजाब	12	8	3	17
मुंबई	12	7	5	14
दिल्ली	12	6	5	13
कोलकाता	13	5	6	12
लखनऊ	12	5	7	10
हैदराबाद	12	4	7	9
राजस्थान	13	3	10	6
चेन्नई	12	3	9	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
617 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
21 विकेट
गुजरात

अभिषेक की शानदार फिफ्टी, राठी से मैदान पर बहस की

लखनऊ आईपीएल प्लेऑफ की रेस से बाहर, हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया

भाषा ▶▶ लखनऊ

अभिषेक शर्मा की 20 गेंद में 59 रन की ताबड़तोड़ पारी के बाद हेनरिच क्लासेन (28 गेंद में 47), कामिन्दु मेंडिस (21 गेंद में 32 रन पर रिटायर्ड हर्ट) और इशान किशन (28 गेंद में 35 रन) के उपयोगी योगदान से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही एलएसजी की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। एलएसजी की यह 12 मैच में सातवीं हार है और टीम 10 अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। सनराइजर्स 12 मैच में चौथी जीत के साथ आठवें पायदान पर है। एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 205 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन एसआरएच ने 18.2 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैदान पर यह पहली बार है जब लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाकर जीत दर्ज की। अभिषेक ने पारी की शुरुआत में ही चार चौके और छह छक्के लगाये जिससे लक्ष्य का पीछा करते समय एसआरएच की टीम कभी दबाव में नहीं आयी। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ लगातार चार छक्के जड़ने के दौरान 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले मिशेल मार्श और एडेन मारक्रम की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की बदौलत एलएसजी ने प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। मार्श ने 39 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के की मदद से 65 जबकि मारक्रम ने 38 गेंद में 61 रन की पारी में चार छक्के और इतने ही चौके जड़े। निकोलस पूरन ने भी 29 गेंद में 45 रन का योगदान दिया। सनराइजर्स पहले ही प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी थी और एलएसजी को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए इस मैच में जीत की जरूरत थी।

एलएसजी की बड़ी जिम्मेदारी उनके नए कप्तान ऋषभ पंत के नाम रहेगी। वह रिकॉर्ड 27 करोड़ की राशि पर खरे नहीं उतर सके। सनराइजर्स की पारी का मुख्य आकर्षण अभिषेक द्वारा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की लगातार चार गेंदों पर लगाए गए छक्के थे। उन्होंने इसमें से तीन छक्के कदमों का इस्तेमाल कर लगाये। गेंदबाजी विभाग में एलएसजी के लिए सिर्फ दिग्वेश राठी (37 रन पर दो विकेट) ही प्रभावित कर सके। राठी ने जब आठवें ओवर में अभिषेक को कैच कराने के बाद अपने चिरपरिचित अंदाज में 'नोटबुक' जश्न मनाया।

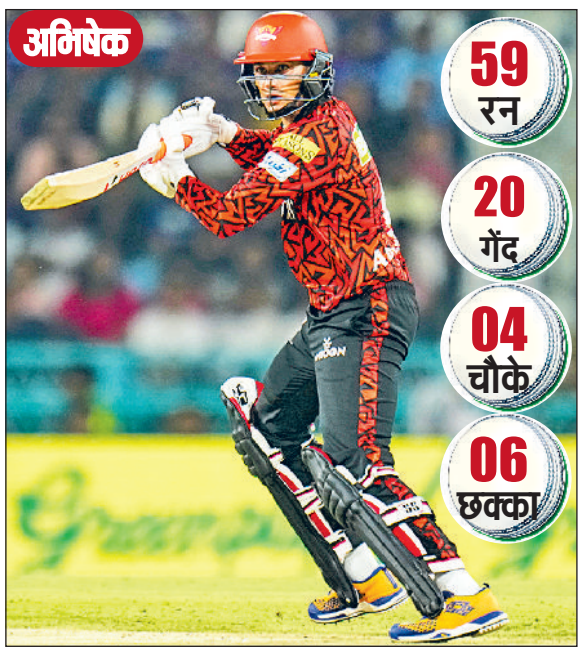

आज चेन्नई व राजस्थान के सामने आईपीएल में प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती

नई दिल्ली। प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकीं और अंतिम दो स्थान पर चल रही चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को भिड़ेंगी। इंडियन प्रीमियर लीग में जब दोनों टीमें आपस में भिड़ेंगी जो उनकी नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाने पर टिकी होंगी। मंगलवार का मैच रॉयल्स के लिए 2025 सत्र का आखिरी मैच है। टीम के पास इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी के रूप में असाधारण प्रतिभा खोजने के अलावा दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। नीलामी में खराब गेंदबाजी विकल्प चुनने का जयपुर की टीम को सबसे अधिक नुकसान हुआ है और इसके अलावा उसके मध्य क्रम का प्रदर्शन भी प्रभावशाली नहीं रहा। रॉयल्स की टीम अगर 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर हैं तो इसका मुख्य कारण उनके गेंदबाजों का औसत प्रदर्शन और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता है। जोस बटलर को टीम से जाने देने और जोफ्रा आर्चर के खराब प्रदर्शन के कारण रॉयल्स के सामने कई चुनौतियां रहीं।

स्टोक्स ने चोट से उबरने के लिए छोड़ी शराब

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एशेज श्रृंखला के लिए तैयार होने के प्रयास में अपने पैर की मांसपेशियों की चोट के रिहैबिलिटेशन के दौरान शराब पीना छोड़ दिया है। इस दिग्गज क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में शराब पीना छोड़ दिया था क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी चोट से जल्द उबरने में मदद मिलेगी। तैंतीस वर्षीय स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद दिसंबर में अपने बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी करवाई थी।

खेल स्टार्टअप के लिए की नई पहल की घोषणा

नई दिल्ली। एसोसिएशन फोर स्पोर्ट्स इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स ने भारत में खेल स्टार्टअप के लिए नीति वकालत पहल की घोषणा की है जिसमें आईएमटी गाजियाबाद उसका भागीदार होगा। एएसआईपी भारत के खेल स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अहम कमियों को दूर करने के लिए अपने नीति वकालत के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए एएसआईपी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह इस क्षेत्र में उद्यमिता, निवेश और 'स्केलेबिलिटी' का समर्थन करने के लिए एक व्यापक नीति ढांचा विकसित कर रहा है।

एचआईएचल की तीन महीने की पंजीकरण विंडो खुली

नई दिल्ली। दुनिया भर के एक हजार से अधिक पुरुष और महिला खिलाड़ियों के हॉकी इंडिया लीग की तीन महीने लंबी पंजीकरण प्रक्रिया के लिए नामांकन करने की उम्मीद है जो सोमवार से शुरू हुई। पिछले साल सात वर्ष के अंतराल के बाद एचआईएल को फिर से शुरू किया गया था जिसमें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने पुरुष वर्ग और ओडिशा वारियर्स ने महिला वर्ग का खिताब जीता था। भारत के अलावा नीदरलैंड, बेल्जियम, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, अर्जेंटीना, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी पुरुष वर्ग में पंजीकरण कर सकते हैं। महिला वर्ग में भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, चिली, जापान, अमेरिका और स्कॉटलैंड के खिलाड़ी पंजीकरण के लिए पात्र हैं। एचआईएल के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 अगस्त को समाप्त होगी।

खबर संक्षेप

मेसी के केरल का दौरा करने में संदेह नहीं

कोट्टायम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने सोमवार को कहा कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी की पूर्व निर्धारित राज्य की यात्रा के बारे में कोई संदेह नहीं है। इससे उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों को खारिज किया। अब्दुरहीमान ने कहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार और उनकी टीम के इस साल अक्टूबर या नवंबर में राज्य में मैच खेलने की उम्मीद है। मौजूदा अटकलों को खारिज करते हुए खेल मंत्री ने जोर देकर कहा कि मेस्सी की यात्रा के बारे में 'संदेह की कोई गुंजाइश नहीं' होनी चाहिए।

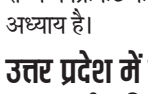

सिक्किम क्रिकेट ग्राउंड में लगाई गईं फ्लडलाइट

गंगटोक। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने रंगपो के माइनिंग में सिक्किम क्रिकेट ग्राउंड में फ्लडलाइट का उद्घाटन किया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्वनाथ सोमद्दर भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री तमांग ने कहा, 'यह सुविधा सिक्किम सरकार के सहयोग से विकसित की गई है जिसकी बुनियादी ढांचे के विकास और जन कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता ने इस पहल को संभव बनाया है।' उन्होंने कहा कि यह राज्य में क्रिकेट के लिए एक नया अध्याय है।

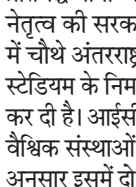

उत्तर प्रदेश में बनेगा चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 236 करोड़ रुपए की लागत से राज्य का चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार होगा। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने अब प्रदेश में चौथे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। आईसीसी समेत विभिन्न वैश्विक संस्थाओं के मानकों के अनुसार इसमें दो मंजिला स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें सात मुख्य पिच व चार अभ्यास पिच होंगी तथा यह 30 हजार दर्शकों की क्षमता युक्त होगा।

बीसीसीआई का दावा

एशिया कप से भारत के हटने की खबर सिर्फ अटकलबाजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को उस खबर को 'अटकलबाजी और काल्पनिक' करार दिया जिसमें दावा किया गया है कि उसने पुरुष एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप से हटने का फैसला किया है।

सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई भारतीय टीमों को एशियाई क्रिकेट परिषद की दो प्रतियोगिताओं में ऐसे समय में प्रतिस्पर्धा नहीं करने देगा जब इस क्रिकेट संस्था का नेतृत्व एक पाकिस्तानी कर रहा है और कुछ ही दिन पहले दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ था। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के भी अध्यक्ष हैं और एसीसी के अध्यक्ष का पद भी संभालते हैं। गत चैंपियन भारत सितंबर में टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा जबकि श्रीलंका को महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप आवंटित किया गया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'आज सुबह से ही हमें कुछ ऐसी खबरों की जानकारी मिली है कि बीसीसीआई ने एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। ये दोनों ही एसीसी प्रतियोगिताएं हैं। ऐसी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है क्योंकि अभी तक बीसीसीआई ने एसीसी की आगामी प्रतियोगिताओं के बारे में कोई चर्चा या कोई कदम नहीं उठाया है, एसीसी को कुछ भी लिखना तो दूर की बात है।'

अभी आईपीएल और टेस्ट सीरीज पर ध्यान

सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई इंडियन प्रीमियर लीग और अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारा ध्यान मौजूदा आईपीएल और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली श्रृंखला पर है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रृंखलाएं शामिल हैं। एशिया कप या एसीसी की किसी अन्य प्रतियोगिता से जुड़ा मुद्दा किसी भी स्तर पर चर्चा के लिए नहीं आया है इसलिए इस पर कोई भी खबर या रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलें और काल्पनिक है। यह कहा जा सकता है कि बीसीसीआई जब भी एसीसी की किसी प्रतियोगिता पर कोई चर्चा करेगा और कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा तो मीडिया के माध्यम से इसकी घोषणा की जाएगी।'

टेस्ट कप्तानी : गिल की योग्यता का आकलन करना अभी जल्दबाजी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच आशीष कपूर का मानना है कि शुभमन गिल एक 'सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर' हैं। लेकिन यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि अगर उन्हें भारतीय टीम की कमान सौंपी जाती है तो वह टेस्ट प्रारूप में अपनी टी20 कप्तानी की सफलता को दोहरा पाएंगे या नहीं। मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस को अपनी कप्तानी में आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचाने वाले गिल को रोहित शर्मा के हाल ही में संन्यास लेने के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनके संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

कपूर ने कहा, 'अगर आप शुभमन को बल्लेबाज या मूल रूप से क्रिकेटर के तौर पर देखते हैं, वह सोच-समझकर काम करने वाला है या नहीं, मुझे लगता है कि वह अपने खेल के बारे में काफी सोच-समझकर काम करता है।

अनवर ने सुपर फाइटर सीरीज में घाना के अलोटे को हराया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

भारत के फैजान अनवर ने घाना के कपाकपो अलोटे पर 10 दौर के वेल्टरवेट अंतरराष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबले में शानदार जीत हासिल की।

'ग्रासरुट मुक्केबाजी और क्राउन मुक्केबाजी' की मेजबानी में यह 'सुपर फाइटर सीरीज 3' का मुख्य आयोजन था। मूल रूप से कोलकाता के अनवर अब दुबई में रहते है। उन्होंने हर दौर में अपना दबदबा कायम करते हुए दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरी। यूक्रेन के डैनिलो होन्चारू ने डब्ल्यूबीए एशिया मिडिल-ईस्ट सुपर लाइटवेट खिताब जीता। उनके प्रतिद्वंद्वी जब दागिस्तान के रुसलान कामिलोव तीसरे दौर में रिटायर हो गए। महिला वर्ग में हरियाणा की रानी देवी ने बेलारूस की अलेक्सांद्रा सिटनिकोवा को सर्वसम्मत निर्णय से हराया। अन्य मुकाबलों में मिजोरम के एफ. जोरमछाना ने बेंगलुरु के हर्ष सरोहा पर एकतरफा जीत दर्ज की। बेंगलुरु की एक अन्य पेशवर मुक्केबाज कमला रोका ने भी पंजाब की महकप्रीत पर सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की।

दीक्षा डच लेडीज ओपन में संयुक्त 9वें स्थान पर

हिल्वरसम। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर अंतिम दौर में 71 के स्कोर से यहां लेडीज यूरोपीय टूर के डच लेडीज ओपन टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर रहीं। शुरुआती दो दौर में 71 और 70 का स्कोर बनाने वाली दीक्षा का कुल स्कोर चार अंडर 212 रहा। अन्य भारतीयों में युवा हिताषी बक्शी (71, 73 और 69) संयुक्त रूप से 12वें जबकि अवनी प्रशांत (77, 70 और 67) संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं। इंग्लैंड की मिमी रोड्स ने दो शॉट की बढ़त के साथ लेडीज यूरोपीय टूर पर अपना तीसरा खिताब जीता। इससे पहले त्वेसा मलिक (74 और 75) कट से चूक गई थी जबकि प्रणवी उर्स ने चिकित्सा कारणों से पहले दौर के बाद हटने का फैसला किया।

4,75,000 डॉलर इनामी सुपर 500 टूर्नामेंट आज से होगा शुरु

सिंधू, प्रणय को मलेशिया मास्टर्स में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 4,75,000 डॉलर इनामी मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में जब देश की अगुआई करेंगे तो उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सिंधू और प्रणय दोनों ही पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म और फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दोनों ने पिछले महीने सुदीरमन कप में इंडोनेशिया और डेनमार्क के खिलाफ अपने-अपने मैच गंवाए थे जो उनका पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट था। दो सप्ताह के ब्रेक के बाद इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की नजरें एक्सियाटा एरेना में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ करेंगी जो विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर हैं। विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर खिसक चुके प्रणय को पहले दौर में जापान के पांचवें वरीय केंतो निशिमोतो की कड़ी चुनौती का सामना करना है। महिला एकल में 2024 हाइलो ओपन की उपविजेता मालविका बंसोड़ चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान से भिड़ेंगी जबकि ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली उन्नति हुड्डा का सामना भी चीनी ताइपे की ही लिन शियांग टी से होगा। आकर्षी कश्यप को इंडोनेशिया की आठवीं वरीय पुत्री कुसुमा वरदानी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है।

सतीश को मिला कड़ा ड्रॉ

पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स और 2024 गुवाहाटी मास्टर्स के चैंपियन सतीश करुणाकरण डेनमार्क के शीर्ष वरीय एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यैंग से होगा जबकि प्रियांशु राजावत सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेंगे। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी का सामना क्वालीफायर से होगा जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे चौथी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फैंग हुई के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

केंद्र सरकार के पर्यावरण मंजूरियों को तर्कहीन, अवैध और विकास के सिद्धांतों के खिलाफ बताकर किया रद्द

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार के पर्यावरणीय मंजूरी के समूचे फार्मूले को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए अवैध ठहरा दिया। पॉलिसी के स्तर पर सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला मील का पत्थर साबित होगा। सुप्रीम कोर्ट यानि सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए मोदी सरकार द्वारा वर्ष 2017 में जारी नोटिफिकेशन और 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम (ओएम) को रद्द कर दिया गया। ये दोनों उपाय उन परियोजनाओं को पूर्व-प्रभावी (एक्स-पोस्ट फैक्टो) पर्यावरणीय मंजूरी देने की अनुमति देते थे, जो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अनिवार्य पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी (प्रायर एनवायरनमेंटल क्लीयरेंस) के बिना शुरू हो चुकी थीं। न्यायालय ने इन मंजूरियों को तर्कहीन और अवैध करार दिया और इन्हें सतत विकास के सिद्धांतों के खिलाफ बताया। न्यायालय ने कहा कि 2017 का नोटिफिकेशन केवल उन उल्लंघनकर्ताओं को बचाने के लिए बनाया गया था, जिन्होंने जानबूझकर पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के तहत अनिवार्य मंजूरी नहीं ली। यह पर्यावरणीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन था। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा, यह समझना मुश्किल है कि केंद्र सरकार ने उन लोगों को बचाने की कोशिश क्यों की, जिन्होंने जानबूझकर कानून तोड़ा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पर्यावरण संरक्षण के बिना विकास अधूरा है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस फैसले को मोदी सरकार की पर्यावरण नीतियों के लिए एक करारी चोट बताया। उन्होंने कहा कि सरकार वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन घरेलू स्तर पर उल्लंघनकर्ताओं को संरक्षण देती है। यह फैसला सरकार की दोहरी नीति को उजागर करता है।

खास बातें

- उठाये सवाल, केंद्र सरकार ने उन लोगों को बचाने की कोशिश क्यों की, जिन्होंने जानबूझकर तोड़े कानून!
- पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने फैसले को मोदी सरकार की पर्यावरण नीतियों के लिए एक करारी चोट करार दिया

कड़ी टिप्पणियां जो शामिल हैं सुप्रीम कोर्ट के सख्त फैसले में

कानूनी और संवैधानिक उल्लंघन

2017 नोटिफिकेशन और 2021 ओएम ने सर्वोच्च न्यायालय के पिछले फैसलों (जैसे कॉमन कॉज बनाम भारत संघ, 2017) का उल्लंघन किया। इन उपायों ने प्रदूषण को बढ़ावा दिया और हवा व पानी की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाया, जिससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वच्छ पर्यावरण के मौलिक अधिकार का हनन हुआ।

पूर्व-प्रभावी मंजूरी को क्यों गलत कहा सुप्रीम कोर्ट ने

ईआईए अधिसूचना, 2006 के तहत किसी भी परियोजना को शुरू करने से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन करना अनिवार्य है। इसमें सार्वजनिक सुनवाई और विशेषज्ञ मूल्यांकन जैसे कदम शामिल हैं। पूर्व-प्रभावी मंजूरी इन प्रक्रियाओं को दरकिनार करती है, जिससे पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

सुप्रीम आदेश का असर

2017 नोटिफिकेशन, 2021 ओएम और इनके तहत जारी सभी संबंधित आदेश रद्द। भविष्य में किसी भी रूप में पूर्व-प्रभावी मंजूरी पर पूर्ण रोक।

हालांकि, पहले दी गई मंजूरियों को इस फैसले से छूट दी गई।

उद्योगों पर प्रभाव: यह फैसला खनन, रियल एस्टेट और औद्योगिक परियोजनाओं को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि अब बिना पूर्व मंजूरी के कोई परियोजना शुरू नहीं हो सकेगी। इससे परियोजनाओं में देरी हो सकती है, लेकिन दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित होंगे।

सामाजिक प्रभाव: यह फैसला उन समुदायों के लिए राहत है, जो प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षति से प्रभावित होते हैं, जैसे कि आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग।

राजनीतिक निहितार्थ: विपक्षी नेताओं ने इस फैसले को सरकार के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले जो चर्चित रहे

-इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम (15 फरवरी, 2024): सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम को असंवैधानिक घोषित किया।

-आधार स्कीम और मनी बिल (2018): सुप्रीम कोर्ट ने आधार एक्ट को मनी बिल के रूप में पारित करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए, हालांकि इसे पूरी तरह रद्द नहीं किया। सरकार की डिजिटल नीति पर सीमाएं लगाई गईं।

-जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की समाप्ति (2019, निर्णय 2023): हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 हटाने को वैध ठहराया, लेकिन इसकी प्रक्रिया और देरी से सुनवाई पर आलोचना हुई।

-नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए, 2019): सुप्रीम कोर्ट ने सीएए के खिलाफ याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया, लेकिन इसकी वैधता पर सवाल उठाए।

-राफेल डील (2018-2019): सुप्रीम कोर्ट ने राफेल सौदे में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच से इनकार किया, लेकिन प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

-जजों की नियुक्ति और एनजेएसी (2014-2015): सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को असंवैधानिक घोषित किया, जिसे सरकार ने कोलेजियम सिस्टम के स्थान पर लाया था।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने हेग में रणनीतिक विशेषज्ञों से की बातचीत

भारत और नीदरलैंड-यूरोपीय संघ को और अधिक जुड़ाव बढ़ाना चाहिए: जयशंकर

एजेंसी ▶▶ एम्सटर्डम

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज सोमवार को नीदरलैंड के द हेग शहर में रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने भारत-नीदरलैंड और भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों को बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के नए युग में और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "द हेग में रणनीतिक विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के इस युग में भारत और नीदरलैंड-यूरोपीय संघ को और अधिक जुड़ाव बढ़ाना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों 19 से 24 मई तक के आधिकारिक विदेश दौरे पर हैं, जिसमें वे नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरे में वे इन तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

तीनों देशों ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई

19 से 24 मई तक विदेश दौरे पर हैं जयशंकर

रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई

विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारत और नीदरलैंड के बीच 75 वर्षों से अधिक पुराने राजनयिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी मजबूत है और उच्चस्तरीय आपसी आदान-प्रदान ने इस बहुआयामी संबंध को नई दिशा दी है। इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री की जर्मनी यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब फ्रेडरिक मर्ज ने इस महीने की शुरुआत में जर्मनी के नए चांसलर का पदभार संभाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई है।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे ने हमले की कड़ी निंदा की

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इन तीनों देशों ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई। वहीं डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने इस हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों व उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। भारत और डेनमार्क के बीच संबंध ऐतिहासिक, लोकतांत्रिक मूल्यों और "ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप" पर आधारित हैं, जो दोनों देशों के बीच जलवायु परिवर्तन और हरित विकास को लेकर साझा उद्देश्य को दर्शाते हैं। विदेश मंत्री की यह यात्रा भारत के तीन प्रमुख साझेदार देशों के साथ रणनीतिक, आर्थिक और वैश्विक सहयोग को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पर्दे के पीछे चीन की साजिश

चीन ने पाकिस्तान को दी थी सैटेलाइट मदद, भारतीय थिंक टैंक का खुलासा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था, लेकिन अब खुलासा हुआ है कि चीन ने पाकिस्तान को कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सैन्य समर्थन भी दिया था और चीन ने पाकिस्तानी सेना को सैटेलाइट सपोर्ट भी दिया था।

एक मीडिया रिपोर्ट में एक भारतीय थिंक टैंक के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को सही जगह पर तैनात करने के लिए अपनी सैटेलाइट्स की मदद दी थी, ताकि भारत की जवाबी कार्रवाई से बचा जा सके।

दो मोर्चों पर लड़ाई की बढ़ी आशंका

भारत के थिंक टैंक 'सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज' से जुड़े एक व्यक्ति ने कुमार ने कहा कि भारत को पहले भी दो मोर्चों पर लड़ाई की आशंका थी, लेकिन अब जिस तरह से चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया है, उससे यह आशंका और बढ़ गई है और भारत भी अब इस दिशा में योजना बना रहा है। कुमार ने कहा कि जब तक हालात बेहद संवेदनशील न हो, तब तक चीन के पाकिस्तान की मदद करने की आशंका कम ही है, लेकिन अगर भारत और चीन का संघर्ष होता है तो पाकिस्तान जरूर चीन के समर्थन में उतर सकता है।

चीन ने खुलकर की पाकिस्तान की मदद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत की सरकार पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई की योजना बना रही थी, उसी 15 दिन के अंतराल के बीच चीन ने पाकिस्तान को अपने उपग्रहों की मदद दी थी ताकि भारत के हथियारों की तैनाती का पता चल सके।

मानवाधिकार संगठन का समर्थन करने वालों पर चलेगा मुकदमा

एजेंसी ▶▶ मास्को

रूस ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संगठन को रूस ने अवांछित संगठन घोषित किया है। अब संगठन को रूस में अपने काम बंद करने होंगे। साथ ही रूस में कोई भी अगर संगठन का सहयोग या समर्थन करेगा तो उस पर मुकदमा चलेगा। रूसी अधिकारियों ने बताया कि एमनेस्टी इंटरनेशनल को अवांछित संगठन घोषित कर दिया गया है। 2015 के कानून के तहत ऐसे संगठनों के साथ संबंध रखना अपराध होगा। रूसी अभियोजक जनरल के कार्यालय ने इस फैसले की घोषणा की। रूसी अभियोजक जनरल के कार्यालय ने कहा कि एमनेस्टी इंटरनेशनल रूस विरोधी प्रोजेक्ट चला रहा है। वह यूक्रेन की वकालत कर रहा है। वह यूक्रेन के लिए फंडिंग बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। यह फैसला रूस के आलोचकों, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं पर लगातार की जा रही कार्रवाई की दिशा में नया कदम है।

तटरक्षकबल ने 6.98 लाख कछुओं के संरक्षण में निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तटरक्षकबल ने अपने वार्षिक मिशन ऑपरेशन ओलिविया के तहत 6.98 लाख से अधिक ओलिव रिडले कछुओं के घोंसलों की रक्षा करने में अहम भूमिका निभाई। अभियान की शुरुआत बल की तरफ से इस साल फरवरी में की गई थी। तब से लेकर अब तक उसके द्वारा इस समुद्री संरक्षण कार्य के लिए 5 हजार 387 से ज्यादा सतही गश्ती उड़ानें और 1 हजार 768 हवाई निगरानी मिशन किए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि तटरक्षकबल के इस अभियान की मदद से उक्त अवधि में अवैध मछली पकड़ने और कछुओं के आवास में व्यवधान जैसे खतरों में काफी कमी आई है। साथ ही इस दौरान अवैध मछली पकड़ने में शामिल 366 नावों को हिरासत मे लिया गया। जिससे समुद्री जीवन की रक्षा में तटरक्षकबल की मजबूत भूमिका की पुष्टि हुई। बल ने निगरानी के अलावा मछली पकड़ने वाले स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से काम किया है। जिसमें कछुआ बहिष्करण उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देना, मछली पकड़ने वाले स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से कार्य किया गया।

अभियान का उद्देश्य

गौरतलब है कि आमतौर पर नवंबर से मई तक सालाना आयोजित किया जाने वाला ऑपरेशन ओलिविया तटरक्षकबल की एक अहम पहल है। जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से गहिरमाथा तट और ओडिशा के आसपास के तटीय क्षेत्रों में ओलिव रिडले कछुओं के लिए घोंसले की जगह सुनिश्चित करना है। जहां हर वर्ष आठ लाख से अधिक कछुए आते हैं।

राहुल गांधी ने पूछा पाक को जानकारी होने से देश ने कितने विमान खोये?

कांग्रेस पार्टी ने विदेश मंत्री जयशंकर को घेरा, कहा हमले से पहले पाकिस्तान को बताना देश से गद्दारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा यह स्वीकार करने के बाद कि मोदी सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से पहले पाकिस्तान को सूचित किया था,कांग्रेस ने लगातार तीसरे दिन सवाल उठाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जयशंकर की चुप्पी को अपराध बताया, वहीं पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इसे देश के साथ गद्दारी करार दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनके सवालों पर विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी को निंदनीय बताते हुए एक्स पर पोस्ट कर आज पूछा कि पाकिस्तान को जानकारी होने से हमने कितने भारतीय विमान खो दिए? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है।

देश को जवाब देना होगा

पार्टी के मीडिया एवं प्रचार अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद बताया कि हमने हमला करने से पहले पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। ऐसा क्यों किया गया, क्या इसको कूटनीति कहते हैं? यह अपराध है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को इस पर जवाब देना होगा। खेड़ा ने इसे 'मुखबिरी' और देश से 'गद्दारी' करार देते हुए पूछा कि क्या इसी मुखबिरी की वजह से आतंकी मसूद अजहर और हाफिज सईद जिंदा बच गए? क्या पाकिस्तान को हमले की सूचना देकर मसूद अजहर को दोबारा बचाया गया? क्योंकि इससे पहले उसे कंधार हाईजैक के समय छोड़ा गया था।

पीएम मोदी आखिर कुछ कहते क्यों नहीं?

खेड़ा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन बयानों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर संघर्ष विराम कराने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व को मालूम है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की क्या भूमिका रही और अमेरिका तो अपनी भूमिका खुद बढ़-चढ़कर बता रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सिंदूर का सौदा होता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप रहे। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका और चीन के पास प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री व भाजपा नेताओं के कोई राज हैं जिससे प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री का इन दोनों देशों के खिलाफ मुंह नहीं खुलता। अगर खुलता है तो सीधा क्लीन चिट देने के लिए।

संघ पर भी साधा निशाना

खेड़ा ने आरएसएस-भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में आईएसआई से जुड़े कुछ जासूस पकड़े गए हैं। पहले भी खबर आई थी कि आरएसएस से जुड़ा हुआ डीआरडीओ वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर पाकिस्तान को गोपनीय सूचना देने के आरोप में पकड़ा गया था। उससे पहले भाजपा से जुड़ा ध्रुव सक्सेना आईएसआई के लिए काम करते हुए पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस का मुखबिरी का इतिहास है।

पूर्व पीएम ने रॉ की जानकारी पाकिस्तान को बताई थी

उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए आगे कहा कि जनसंघ के समर्थन से प्रधानमंत्री बने मोरारजी देसाई ने अपने कार्यकाल में रॉ द्वारा जुटाई गई खुफिया जानकारी के बारे में पाकिस्तान के राष्ट्रपति को बता दिया था। भारत ने रॉ के कई लोगों को गंवा दिया और उनकी दशकों की मेहनत बर्बाद हो गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109